CTET L1 Telugu L2 Hindi P1

Topic:- CDP_P1_CTET

1) Although domains of development overlaps with each other in certain aspects yet which of the following domain of development specifically attempts to study the progression of 'feelings' about self and others ?

(1) Moral Development

(2) Language Development

(3) Physical Development

(4) Emotional Development

यद्यपि विकास के क्षेत्रों का कुछ आयामों में परस्पर व्यापन होता है, तथापि निम्नलिखित में से विकास का कौन-सा क्षेत्र विशिष्ट रूप से स्वयं एवं दूसरों के बारे में 'भावनाओं' की प्रगति अनुक्रम का अध्ययन करता है ?

(1) नैतिक विकास

(2) भाषा विकास

(3) शारीरिक विकास

(4) संवेगात्मक विकास

[Question ID = 31][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q1]

1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2) Which of the following Principle of Development suggests that 'some specific responses get combined in the later process of development to form a whole' ?

(1) Principle of Continuity

(2) Principle of Integration

(3) Cephalocaudal Principle

(4) Proximodistal Principle

विकास का कौन-सा सिद्धान्त यह निर्दिष्ट करता है कि 'समग्र निर्माण हेतु कुछ विशिष्ट प्रतिक्रियाएँ विकास की बाद की प्रक्रिया से समन्वित होती हैं' ?

(1) निरन्तरता का सिद्धान्त

(2) एकीकरण का सिद्धान्त

(3) शीर्षगामी सिद्धान्त

(4) अधोगामी (समीप-दूराभिमुख) सिद्धान्त

[Question ID = 32][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q2]

1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3) Which of the following factor comes under the category of socio-cultural factors having an influence on development ?

(1) School climate

(2) Neurological deficits

(3) Biological dispositions

(4) Genetic makeup

निम्न में से कौन-सा घटक सामाजिक-सांस्कृतिक घटकों की श्रेणी में आता है जो विकास को प्रभावित करता है ?

(1) स्कूली माहौल

(2) तंत्रिका-संबंधी विकार

(3) जैविक प्रवृत्तियाँ

(4) आनुवंशिक बनावट

[Question ID = 33][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q3]

1. 1 [Option ID = 129]
2. 2 [Option ID = 130]
3. 3 [Option ID = 131]
4. 4 [Option ID = 132]

4) In accordance to Jean Piaget's theory of cognitive development, a teacher should give tasks requiring ______ to students in age group 7-11 years for working independently.

(1) Hypothetical-deductive reasoning

(2) Reversible thinking

(3) Passive imitation

(4) Object permanence

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त के अनुसार, एक अध्यापिका 7-11 वर्ष की अवस्था वाले विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए ऐसा कार्य देती है जिसमें __________ की आवश्यकता है ।

(1) परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक तार्किकता

(2) प्रतिवर्ती चिंतन (पलटवाँ)

(3) निष्क्रिय अनुसरण

(4) वस्तु स्थायित्व

[Question ID = 34][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q4]

1. 1 [Option ID = 133]
2. 2 [Option ID = 134]
3. 3 [Option ID = 135]
4. 4 [Option ID = 136]

5) According to Jean Piaget's theory of cognitive development, at which stage do most children become capable of solving abstract problems in logical fashion ?

(1) Sensorimotor

(2) Preoperational

(3) Concrete operational

(4) Formal operational

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के अनुसार, किस अवस्था में अधिकांश बच्चे अमूर्त समस्याओं को तार्किक ढंग से हल करने में सक्षम हो जाते हैं ?

(1) संवेदी-गामक अवस्था

(2) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था

(3) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था

(4) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था

[Question ID = 35][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q5]

1. 1 [Option ID = 137]
2. 2 [Option ID = 138]
3. 3 [Option ID = 139]
4. 4 [Option ID = 140]

6) Noori judges other actions based on the argument that 'we have some duties towards society and we should obey rules for that sake'. As per Lawrence Kohlberg, what stage of moral reasoning is Noori at present ?

(1) Pre-conventional

(2) Conventional

(3) Post-conventional

(4) Formal-conventional

नूरी इस तर्क 'हमारे समाज के प्रति कुछ दायित्व हैं और उस दायित्व के लिए हमें नियमों का पालन करना चाहिए' के आधार पर अपनी क्रियाओं का निर्णय लेती है । लॉरेन्स कोहलबर्ग के अनुसार, नूरी इस समय नैतिक तार्किकता की किस अवस्था में है ?

(1) पूर्व-अभिसामयिक

(2) अभिसामयिक

(3) अभिसामयिक-पश्चात्

(4) औपचारिक-अभिसामयिक

[Question ID = 36][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q6]

1. 1 [Option ID = 141]
2. 2 [Option ID = 142]
3. 3 [Option ID = 143]
4. 4 [Option ID = 144]

7) A teacher gives assignments which requires students to get into discussion with significant others in the family. As per Lev Vygotsky's theory, she believes that ________ plays a significant role in cognitive development of children.

(1) imitation

(2) biological maturation

(3) hierarchy

(4) social interactions

एक अध्यापिका विद्यार्थियों को ऐसा प्रदत्त कार्य देती है, जिसमें परिवार के सदस्यों के साथ चर्चा करना महत्त्वपूर्ण रूप से शामिल है । लेव वायगोत्स्की के सिद्धान्त के अनुसार उस अध्यापिका का मत है कि बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में _______ की महत्त्वपूर्ण भूमिका है ।

(1) अनुकरण

(2) जैवकीय परिपक्वता

(3) पदानुक्रम

(4) सामाजिक अन्त:क्रियाएँ

[Question ID = 37][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q7]

1. 1 [Option ID = 145]
2. 2 [Option ID = 146]
3. 3 [Option ID = 147]
4. 4 [Option ID = 148]

8) In accordance with Lev Vygotsky's ideas, a teacher should

(1) avoid giving cues or hints to students in any circumstance.

(2) discourage students to verbalise their thoughts while working on a problem.

(3) encourage discussions and debates among students.

(4) view learning independent to socio-cultural context of students.

लेव वायगोत्स्की के विचारों से सहमति रखने वाली अध्यापिका को निम्न में से क्या करना चाहिए ?

(1) किसी भी परिस्थिति में विद्यार्थियों को संकेत या इशारे देने से बचना चाहिए ।

(2) किसी समस्या पर काम करते हुए अपने विचारों के मौखिकीकरण करने पर विद्यार्थियों को हतोत्साहित करना चाहिए ।

(3) विद्यार्थियों के बीच चर्चा और वैचारिक बहस को बढ़ावा देना चाहिए ।

(4) अधिगम को विद्यार्थियों के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश से अलग देखना चाहिए ।

[Question ID = 38][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q8]

1. 1 [Option ID = 149]
2. 2 [Option ID = 150]
3. 3 [Option ID = 151]
4. 4 [Option ID = 152]

9) Lev Vygotsky believed that higher-order mental processes are mediated by __________.

(1) psychological tools

(2) rewards and punishments

(3) conditioning

(4) memorisation

लेव वायगोत्स्की का मत है कि उच्चतर-क्रम की मानसिक प्रक्रियाएँ __________ के द्वारा समामेलित होती हैं ।

(1) मनोवैज्ञानिक उपकरण

(2) पुरस्कार एवं दण्ड

(3) अनुकूलन

(4) कंठस्थीकरण

[Question ID = 39][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q9]

1. 1 [Option ID = 153]
2. 2 [Option ID = 154]
3. 3 [Option ID = 155]
4. 4 [Option ID = 156]

10) As per Howard Gardner's theory, students who are good at understanding other's feelings, moods and intentions posses higher level of __________ kind of intelligence.

(1) Interpersonal

(2) Spatial

(3) Musical

(4) Intrapersonal

हॉवर्ड गार्डनर के सिद्धांत के अनुसार, जो विद्यार्थी दूसरों की भावनाओं, मनोदशाओं और इरादों को अच्छी तरह से समझ पाते हैं, उनमें किस प्रकार की बुद्धि का उच्च स्तर होता है ?

(1) अंतरवैयक्तिक

(2) स्थानिक

(3) संगीतात्मक

(4) अंतरा-वैयक्तिक

[Question ID = 40][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q10]

1. 1 [Option ID = 157]
2. 2 [Option ID = 158]
3. 3 [Option ID = 159]
4. 4 [Option ID = 160]

11) As per Lev Vygotsky's ideas, which of the following statement charactersizes the correct relation between language and thought ?

(1) Language has no role in self-regulation of thoughts.

(2) Self-directed talk of children represents their ego-centricism

(3) Inner-speech of children represents an internal plane of verbal thinking.

(4) Verbalisation of thoughts hinders children's problem-solving skills.

लेव वायगोत्स्की के विचारों के अनुसार, निम्न में से कौन-सा कथन भाषा और संज्ञान के बीच के संबंध को सही रूप से दर्शाता है ?

(1) भाषा की विचारों के स्व-नियमन में कोई भूमिका नहीं है।

(2) बच्चों की स्व-निर्देशित बातें उनकी आत्म-केन्द्रीयता को दर्शाती है।

(3) बच्चों की निजी वाक उनकी मौखिक सोच के आंतरिक स्तर को दर्शाती है।

(4) विचारों का मौखिकीकरण बच्चों के समस्या-समाधान कौशलों में बाधक बनता है।

[Question ID = 41][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q11]

1. 1 [Option ID = 161]
2. 2 [Option ID = 162]
3. 3 [Option ID = 163]
4. 4 [Option ID = 164]

12) 'Boys are always good in science and girls are always good in music', this statement reflects ________ .

(1) Gender Equity

(2) Gender Parity

(3) Gender Identity

(4) Gender Stereotype

'लड़के हमेशा विज्ञान में अच्छे होते हैं और लड़कियाँ गायन में ', यह कथन क्या दर्शाता है ?

(1) जेंडर समता

(2) जेंडर अनुरूपता

(3) जेंडर अस्मिता

(4) जेंडर रूढ़िवादिता

[Question ID = 42][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q12]

1. 1 [Option ID = 165]
2. 2 [Option ID = 166]
3. 3 [Option ID = 167]
4. 4 [Option ID = 168]

13) Diversity in terms of socio-cultural context of students in a classroom should be ____________.

(1) eliminated by dividing students based on their context

(2) Ignored and standardised curriculum should be practiced

(3) considered as an asset and be utilised in teaching a concept

(4) the criteria of labelling the students and strengthening stereotypes

एक कक्षा में विद्यार्थियों के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों के परिप्रेक्ष्य में विविधता ________ ।

(1) को विद्यार्थियों को उनके संदर्भों के आधार पर समूहों में बाँटकर बहिर्वेशन करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए ।

(2) को अनदेखा करना चाहिए और मानकीकृत पाठ्यचर्या का क्रियान्वयन करना चाहिए ।

(3) को एक गुण के रूप में लेना चाहिए और अवधारणाओं के शिक्षण में इस्तेमाल किया जाना चाहिए ।

(4) को विद्यार्थियों का नामीकरण और रूढ़िबद्ध धारणाओं को पुख़्ता करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए ।

[Question ID = 43][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q13]

1. 1 [Option ID = 169]
2. 2 [Option ID = 170]
3. 3 [Option ID = 171]
4. 4 [Option ID = 172]

14) In order to promote critical thinking among students, a teacher should present _______ requiring _______ .

(1) open-ended questions; divergent thinking

(2) close-ended questions; convergent thinking

(3) problems from real life context; convergent thinking

(4) decontextualised scenarios; application of declarative knowledge

विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिन्तन को समुन्नत करने के लिए, अध्यापक को ________ जिनमें _______ शामिल है, प्रस्तुत करने चाहिए ।

(1) खुले अन्त वाले (मुक्तोत्तर) प्रश्न; अपसारी चिंतन

(2) बंद अन्त वाले प्रश्न; अभिसारी चिंतन

(3) वास्तविक जीवन संदर्भ की चुनौतियाँ; अभिसारी चिंतन

(4) संदर्भ-रहित परिदृश्य; घोषणात्मक ज्ञान का अनुप्रयोग

[Question ID = 44][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q14]

1. 1 [Option ID = 173]
2. 2 [Option ID = 174]
3. 3 [Option ID = 175]
4. 4 [Option ID = 176]

15) Formative Assessment should be done __________

(1) using standardised group tests.

(2) by special educator and not by regular teacher.

(3) regularly in collaboration with students.

(4) at the beginning and end of the session only.

रचनात्मक आकलन किस प्रकार किया जाना चाहिए ?

(1) मानकीकृत परीक्षणों के समूह का उपयोग करके ।

(2) एक विशेष शिक्षक द्वारा, न कि एक सामान्य शिक्षक द्वारा ।

(3) नियमित रूप से विद्यार्थियों के सहयोग के साथ ।

(4) केवल सत्र की शुरुआत और अंत में ही करना चाहिए ।

[Question ID = 45][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q15]

1. 1 [Option ID = 177]
2. 2 [Option ID = 178]
3. 3 [Option ID = 179]
4. 4 [Option ID = 180]

16) Inclusive education suggests that principles of ________ should be practiced to ensure that all students achieve their best potential.

(1) Equity

(2) Equality

(3) Prejudice

(4) Segregation

समावेशी शिक्षा के अनुसार, सभी विद्यार्थी अपनी सर्वोत्तम क्षमताओं को प्राप्त कर सकें, यह सुनिश्चित करने के लिए किन सिद्धांतों का पालन करना चाहिए ?

(1) समता

(2) समानता

(3) पक्षपात

(4) पृथक्करण

[Question ID = 46][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q16]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

17) Dyspraxia is directly related to difficulties in

(1) Reading of text

(2) Remembering of facts

(3) Physical coordination of body parts

(4) Manipulation of numbers

गति समन्वय वैकल्य प्रत्यक्ष रूप से किन कठिनाइयों से संबंधित है ?

(1) पाठ/विषय-वस्तु पढ़ने से

(2) तथ्यों को याद रखने से

(3) शारीरिक अंगों के समन्वयन से

(4) अंकों के प्रकलन से

[Question ID = 47][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q17]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

18) *Assertion (A) :*

To ensure inclusion of all students multiple modes of representation of information should be practised in classroom.

Reason (R) :

Concept of inclusion includes children with learning disabilities but does not include children with emotional difficulties.

Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

सभी विद्यार्थियों के समावेशन को सुनिश्चित करने के लिए कक्षा में ज्ञान के प्रतिनिधित्व के विविध प्रकारों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए ।

तर्क (R) :

समावेशन की अवधारणा में अधिगम अक्षमता वाले बच्चे तो शामिल हैं परन्तु इसमें भावात्मक कठिनाई से जूझ रहे बच्चे शामिल नहीं हैं ।

सही विकल्प चुनें :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 48][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q18]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

19) While the condition of Autism varies considerably, yet students with Autism are often good at

(1) maintaining eye contact for long

(2) communicating with strangers

(3) adjusting with frequent changes in their routine

(4) retaining extensive factual information

यद्यपि ऑटिज़्म की स्थिति यथेष्ट रूप से भिन्न-भिन्न होती है, तथापि ऑटिज़्म ग्रसित विद्यार्थी प्राय: किसमें अच्छे होते हैं ?

(1) लंबे समय तक आँख से सम्पर्क बनाए रखने में

(2) अपरिचितों के साथ सम्प्रेषण में

(3) दिनचर्या में बार-बार आने वाले परिवर्तनों के प्रति समंजन में

(4) विस्तृत तथ्यात्मक जानकारी को याद रख पाने में

[Question ID = 49][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q19]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

20) An identifying characteristic feature of creative children is that

(1) they conform to norms.

(2) they like to imitate others.

(3) they are independent in their thinking.

(4) they have a short attention span.

रचनात्मक बच्चों की एक पहचान विशेषता यह है कि

(1) वे मानदंडों के अनुरूप ही कार्य करते हैं।

(2) वे दूसरे की नकल करना पसंद करते हैं।

(3) वे स्वतंत्र रूप से सोचते हैं।

(4) उनकी ध्यान अवधि कम होती है।

[Question ID = 50][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q20]

1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

21) The correct sequence of presenting ideas to children is from _______ to _______ .

(1) complex, simple

(2) general, specific

(3) abstract, concrete

(4) symbolic, iconic

बच्चों के सम्मुख विचार बिन्दु प्रस्तुत करते समय सही क्रम _______ से _________ की ओर होना चाहिए।

(1) जटिल से सरल

(2) सामान्य से विशिष्ट

(3) अमूर्त से मूर्त

(4) सांकेतिक से अनुप्रतीकात्मक

[Question ID = 51][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q21]

1. 1 [Option ID = 201]
2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

22) A teacher wants to deepen the understanding and memory of knowledge constructed by the students. Which of the following strategy will ***not*** be effective for this purpose ?

(1) Creating a metaphor

(2) Applying the information to new problems

(3) Acting out the relations between sub-concepts

(4) Mixing irrelevant information with relevant information

एक अध्यापिका विद्यार्थियों द्वारा सृजित ज्ञान की समझ और स्मृति को बल देना चाहती है। इस उद्देश्य के लिए कौन-सी युक्ति प्रभावशाली ***नहीं*** होगी ?

(1) रूपांतरण का सृजन

(2) पहले की जानकारी को नए प्रश्न के लिए प्रयुक्त करना

(3) उप-अवधारणाओं के मध्य सम्बद्धता को कार्यान्वित करना

(4) अप्रासंगिक जानकारी को प्रासंगिक जानकारी के साथ सुमेलित करना

[Question ID = 52][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q22]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

23) *Assertion (A) :*

A teacher should encourage students to think about their own thinking processes and ways of learning.

Reason (R) :

Metacognition helps in development of higher order cognitive skills.

Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

एक शिक्षक को विद्यार्थियों को अपनी चिंतन प्रक्रियाओं के बारे में और अपने सीखने के तरीकों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

कारण (R) :

अधिसंज्ञान उच्च क्रम के संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में मदद करता है।

सही विकल्प चुनें :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 53][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q23]

1. 1 [Option ID = 209]
2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

24) Karan always considers more than one solution to any problem and often comes up with innovative solutions.

This exemplifies

(1) Divergent thinking

(2) Convergent thinking

(3) Negative thinking

(4) Irrational thinking

करण हमेशा किसी भी समस्या का एक से अधिक समाधान सोचता है और अकसर नवचारी समाधानों को सुझाता है।

यह किस तरह की सोच का उदाहरण है?

(1) अपसारी सोच

(2) अभिसरण सोच

(3) नकारात्मक सोच

(4) तर्कहीन सोच

[Question ID = 54][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q24]

1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

25) For learning to be effective and meaningful, it is important to

(1) establish connections between learning in school and life outside school.

(2) deliver the content by ensuring that students don't make attempts to apply that knowledge in everyday life.

(3) teach concepts in a way that connections between different subconcepts are not established.

(4) focus on reception of knowledge and urge for understanding should be minimised.

अधिगम प्रभावशाली और अर्थपूर्ण हो, इसके लिए क्या महत्त्वपूर्ण है ?

(1) विद्यालय में हो रहे अधिगम और विद्यालय के बाहर के जीवन के बीच सम्बद्धता स्थापित करना ।

(2) विषयसामग्री को इस प्रकार से प्रस्तुत करना जिससे कि विद्यार्थी उस ज्ञान को दैनिक जीवन में प्रयोग करने का प्रयास न कर पाएँ ।

(3) अवधारणाओं को इस तरीके से पढ़ना जिससे कि विभिन्न उप-अवधारणाओं में सम्बद्धता स्थापित न हो सकें ।

(4) ज्ञान के दोहराव पर बल देना चाहिए और समझ के लिए उत्कंठा को कम-से-कम करना चाहिए ।

[Question ID = 55][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q25]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

26) Classroom climate, pedagogies and assessment methods should be choosen in ways that ensure promotion of __________ among the students.

(1) curiosity

(2) disinterest

(3) competition

(4) rote memorisation

कक्षा के परिवेश, शिक्षण-शास्त्रीय प्रविधियों और आकलन की विधियों का चयन इस प्रकार से करना चाहिए कि वे विद्यार्थियों में ________ के उन्नयन को सुनिश्चित कर सकें ।

(1) जिज्ञासा

(2) अरुचि

(3) प्रतियोगिता

(4) कंठस्थीकरण

[Question ID = 56][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q26]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

27) Which of the following is ***not*** a correct approach of a teacher to deal with errors made by students ?

(1) Searching for patterns in the errors.

(2) Exploring the learning gaps causing errors.

(3) Scaffolding the students to rectify errors.

(4) Telling the correct answers without discussion with students.

विद्यार्थियों द्वारा की गई त्रुटियों को सुलझाने के लिए निम्नलिखित में से शिक्षक द्वारा अपनाया गया कौन-सा तरीका सही ***नहीं*** है ?

(1) त्रुटियों में प्रतिरूपों की खोज करना।

(2) अधिगम में कमियों के बारे में जानना जिनके कारण त्रुटियाँ होती हैं।

(3) विद्यार्थियों की त्रुटियों को सुधारने के लिए सहयोग करना।

(4) विद्यार्थियों के साथ चर्चा किए बिना सही उत्तर बताना।

[Question ID = 57][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q27]

1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

28) A teacher should promote ______________ and ____________ among students.

(1) entity view of ability, performance-oriented goals

(2) incremental view of ability, mastery-oriented goals

(3) entity view of ability, failure-avoidance goals

(4) incremental view of ability, failure-accepting goals

एक अध्यापिका को अपने विद्यार्थियों में _______ और _______ को प्रोत्साहित करना चाहिए।

(1) योग्यता का सत्त्व मत्त, प्रदर्शन-अभिमुखी लक्ष्य

(2) योग्यता का वार्धिक मत्त, महारत-अभिमुखी लक्ष्य

(3) योग्यता का सत्त्व मत्त, असफलता-परिहारी लक्ष्य

(4) योग्यता का वार्धिक मत्त, असफलता-स्वीकार्य लक्ष्य

[Question ID = 58][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q28]

1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

29) Which of the following is correct in context of emotion and cognition ?

(1) High stress enhances problem-solving skills.

(2) Sense of joy enhances engagement in discussion.

(3) High anxiety improves processing of information.

(4) Sense of boredom improves critical thinking.

भावनाओं और संज्ञान के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है ?

(1) अत्यधिक दबाव समस्याओं को सुलझाने के कौशलों को बढ़ावा देता है।

(2) हर्ष और उल्लास की भावना चर्चा में भाग लेने के लिए बढ़ावा देती है।

(3) अत्यधिक चिंता, जानकारी के प्रसंस्करण में सुधार लाती है।

(4) नीरसता की भावना समालोचनात्मक चिंतन में सुधार लाती है।

[Question ID = 59][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q29]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

30) Which of the following contributes to the development of effective problem-solving skills ?

(i) Convergent thinking

(ii) Mnemonics

(iii) Comprehension

(iv) Passive imitation

(1) (i) and (ii)

(2) (ii) and (iii)

(3) (i) and (iii)

(4) (ii) and (iv)

निम्नलिखित में से क्या प्रभावी समस्या-समाधान कौशलों के विकास में योगदान देता है ?

(i) अभिसारी चिंतन

(ii) स्मरणोपकारी विधियाँ

(iii) समझ बनाना (बोध)

(iv) निष्क्रिय अनुकरण

(1) (i) और (ii)

(2) (ii) और (iii)

(3) (i) और (iii)

(4) (ii) और (iv)

[Question ID = 60][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_119_Q30]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- MATH_Q31-45_P1_CTET

1) Vishal has ten dozen candies. He gave $\frac{1}{3}$ of these to Radha, $\frac{2}{5}$ of these to Asif and $\frac{1}{12}$ of these to Sonu. The number of candies left with Vishal is

(1) 20
(2) 18
(3) 22
(4) 16

विशाल के पास दस दर्जन कैंडी हैं। उसने इनका $\frac{1}{3}$ भाग राधा को, $\frac{2}{5}$ भाग आसिफ़ को और $\frac{1}{12}$ भाग सोनू को दे दिया। विशाल के पास बची कैंडियों की संख्या है

(1) 20
(2) 18
(3) 22
(4) 16

[Question ID = 61][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q31]

1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

2) What is the sum of all the factors of 56 ?

(1) 64
(2) 120
(3) 63
(4) 176

संख्या 56 के सभी गुणनखंडों का योगफल क्या है ?

(1) 64
(2) 120
(3) 63
(4) 176

[Question ID = 62][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q32]

1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

3) Which of the following is correct ?

(1) $\frac{3}{5} > \frac{5}{7}$

(2) $\frac{2}{5} = \frac{8}{30}$

(3) $\frac{1}{5} < \frac{1}{3}$

(4) $1\frac{1}{3} > 2\frac{1}{6}$

निम्नलिखित में से कौन-सा सही है ?

(1) $\frac{3}{5} > \frac{5}{7}$

(2) $\frac{2}{5} = \frac{8}{30}$

(3) $\frac{1}{5} < \frac{1}{3}$

(4) $1\frac{1}{3} > 2\frac{1}{6}$

[Question ID = 63][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q33]

1. 1 [Option ID = 249]
2. 2 [Option ID = 250]
3. 3 [Option ID = 251]
4. 4 [Option ID = 252]

4) In which of the following, the numbers are written in ascending order ?

(1) 5.02, 5.022, 5.032, 5.32, 5.201

(2) 5.32, 5.201, 5.032, 5.022, 5.02

(3) 5.02, 5.32, 5.022, 5.201, 5.032

(4) 5.02, 5.022, 5.032, 5.201, 5.32

निम्न में से किसमें संख्याएँ बढ़ते क्रम में लिखी हुई हैं ?

(1) 5.02, 5.022, 5.032, 5.32, 5.201

(2) 5.32, 5.201, 5.032, 5.022, 5.02

(3) 5.02, 5.32, 5.022, 5.201, 5.032

(4) 5.02, 5.022, 5.032, 5.201, 5.32

[Question ID = 64][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q34]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

5) The sum of the place values of 7 in 75707 is

(1) 77007

(2) 7077

(3) 70707

(4) 21

75707 में 7 के स्थानीय मानों का योगफल है

(1) 77007

(2) 7077

(3) 70707

(4) 21

[Question ID = 65][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q35]

1. 1 [Option ID = 257]
2. 2 [Option ID = 258]
3. 3 [Option ID = 259]
4. 4 [Option ID = 260]

6) What is the least number which must be subtracted from 60078 so that it is divisible by 245 ?

(1) 40

(2) 49

(3) 53

(4) 61

वह सबसे छोटी संख्या क्या है जिसे 60078 में से घटाने पर प्राप्त संख्या 245 से विभाज्य हो ?

(1) 40

(2) 49

(3) 53

(4) 61

[Question ID = 66][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q36]

1. 1 [Option ID = 261]
2. 2 [Option ID = 262]
3. 3 [Option ID = 263]
4. 4 [Option ID = 264]

7) Look at the following units of measuring length :
km, mm, m, cm, dm
If we arrange them in ascending order, which unit will be at fourth place ?

(1) cm

(2) dm

(3) mm

(4) m

निम्नलिखित लम्बाई मापने की इकाइयों को देखिए :

km, mm, m, cm, dm

यदि इन्हें बढ़ते हुए क्रम में लगाया जाए, तो चौथे स्थान पर कौन-सी इकाई होगी ?

(1) cm

(2) dm

(3) mm

(4) m

[Question ID = 67][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q37]

1. 1 [Option ID = 265]
2. 2 [Option ID = 266]
3. 3 [Option ID = 267]
4. 4 [Option ID = 268]

8) What is the time 6 hours 35 minutes before 15:20 hours ?

(1) 9:05 am

(2) 8:45 am

(3) 8:35 am

(4) 9:10 am

15:20 बजे से 6 घंटे 35 मिनट पहले क्या समय है ?

(1) 9:05 am

(2) 8:45 am

(3) 8:35 am

(4) 9:10 am

[Question ID = 68][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q38]

1. 1 [Option ID = 269]
2. 2 [Option ID = 270]
3. 3 [Option ID = 271]
4. 4 [Option ID = 272]

9) Jayanti walks $\frac{3}{5}$ km from a place P towards east and then from there $1\frac{5}{7}$ km towards west. Where will she be now from P ?

(1) $1\frac{4}{35}$ km towards east of P

(2) $4\frac{1}{35}$ km towards west of P

(3) $1\frac{4}{35}$ km towards west of P

(4) $4\frac{1}{35}$ km towards east of P

जयंती किसी स्थान P से पूर्व दिशा में $\frac{3}{5}$ km चलती है और फिर वहाँ से पश्चिम दिशा में $1\frac{5}{7}$ km चलती है। अब वह P से कहाँ स्थित होगी ?

(1) P से पूर्व की ओर $1\frac{4}{35}$ km की दूरी पर

(2) P से पश्चिम की ओर $4\frac{1}{35}$ km की दूरी पर

(3) P से पश्चिम की ओर $1\frac{4}{35}$ km की दूरी पर

(4) P से पूर्व की ओर $4\frac{1}{35}$ km की दूरी पर

[Question ID = 69][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q39]

1. 1 [Option ID = 273]
2. 2 [Option ID = 274]
3. 3 [Option ID = 275]
4. 4 [Option ID = 276]

10) Which one of the following is ***not*** correct ?

(1) Two and a half dozen = 30

(2) 5 litres 50 millilitres = 550 millilitres

(3) 1 millimetre = 0.1 centimetre

(4) 10 paisa = ₹ 0.10

निम्न में से कौन-सा सही ***नहीं*** है ?

(1) दो और आधा दर्जन = 30

(2) 5 लीटर 50 मिलीलीटर = 550 मिलीलीटर

(3) 1 मिलीमीटर = 0.1 सेंटीमीटर

(4) 10 पैसा = ₹ 0.10

[Question ID = 70][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q40]

1. 1 [Option ID = 277]
2. 2 [Option ID = 278]
3. 3 [Option ID = 279]
4. 4 [Option ID = 280]

11) Which of the following figures does ***not*** have equal number of linear and rotational symmetries ?

(1) Square

(2) Rectangle

(3) Parallelogram

(4) Rhombus

निम्नलिखित आकृतियों में से किस आकृति की रैखिक व घूर्णन सममिति की संख्याएँ बराबर ***नहीं*** होती हैं ?

(1) वर्ग

(2) आयत

(3) समांतर चतुर्भुज

(4) समचतुर्भुज

[Question ID = 71][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q41]

1. 1 [Option ID = 281]
2. 2 [Option ID = 282]
3. 3 [Option ID = 283]
4. 4 [Option ID = 284]

12) Rehan makes cubes using paper folding. He makes 25 cubes of each side 5 cm. Now, he needs a big box to keep all these cubes. What should be the volume of the big box so that all small cubes can be kept in it without leaving any empty space ?

(1) 15625 cm^3

(2) 3125 cm^3

(3) 3375 cm^3

(4) 3552 cm^3

रेहान कागज़ मोड़कर घन बनाता है । वह 5 cm भुजा वाले 25 घन बनाता है । अब उसे सभी घनों को रखने के लिए एक बड़ा डिब्बा चाहिए । इस बड़े डिब्बे का आयतन कितना होना चाहिए ताकि सभी छोटे घन उसमें बिना खाली जगह छोड़े पूरी तरह आ जाएँ ?

(1) 15625 cm^3

(2) 3125 cm^3

(3) 3375 cm^3

(4) 3552 cm^3

[Question ID = 72][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q42]

1. 1 [Option ID = 285]
2. 2 [Option ID = 286]
3. 3 [Option ID = 287]
4. 4 [Option ID = 288]

13) What is the median of the heights given below ?
160 cm, 167 cm, 158 cm, 159 cm, 161 cm, 158 cm, 160 cm, 162 cm, 170 cm

(1) 161 cm

(2) 160 cm

(3) 160.6 cm

(4) 159 cm

नीचे दी गई लम्बाइयों का माध्यक क्या है ?

160 cm, 167 cm, 158 cm, 159 cm, 161 cm, 158 cm, 160 cm, 162 cm, 170 cm

(1) 161 cm

(2) 160 cm

(3) 160.6 cm

(4) 159 cm

[Question ID = 73][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q43]

1. 1 [Option ID = 289]
2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) Read the data given in following table and select the correct statement :

Game liked by students	*Number of students*
Football	60
Chess	50
Badminton	70
Volleyball	20

(One student likes one game only)

(1) The number of students who like Chess is more than the number of students who like Football.

(2) The number of students who like Badminton is less than the number of students who like Football.

(3) Number of students who like Chess are one-fourth of the total number of students.

(4) Number of students who like Volleyball are $\frac{1}{5}$ of the total number of students.

निम्नलिखित तालिका में दिए गए आँकड़ों को पढ़िए और सही कथन का चुनाव कीजिए :

विद्यार्थियों का पसंदीदा खेल	*विद्यार्थियों की संख्या*
फुटबाल	60
शतरंज	50
बैडमिंटन	70
वॉलीबॉल	20

(एक विद्यार्थी केवल एक खेल पसंद करता है)

(1) शतरंज पसंद करने वाले विद्यार्थियों की संख्या फुटबाल पसंद करने वाले विद्यार्थियों की संख्या से अधिक है।

(2) बैडमिंटन पसंद करने वाले विद्यार्थियों की संख्या फुटबाल पसंद करने वाले विद्यार्थियों की संख्या से कम है।

(3) शतरंज पसंद करने वाले विद्यार्थियों की संख्या कुल विद्यार्थियों की संख्या का एक-चौथाई भाग है।

(4) वॉलीबॉल पसंद करने वाले विद्यार्थियों की संख्या कुल विद्यार्थियों की संख्या का $\frac{1}{5}$ भाग है।

[Question ID = 74][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q44]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) Which of the following numbers are missing from the given pattern :

0, 1, 1, 2, 3, 5, 8, _____, 21, 34, ___, 89

(1) 11, 43

(2) 13, 55

(3) 15, 41

(4) 17, 39

दिए गए पैटर्न में से कौन-सी संख्याएँ लुप्त हैं ?

0, 1, 1, 2, 3, 5, 8, ______, 21, 34, ___, 89

(1) 11, 43

(2) 13, 55

(3) 15, 41

(4) 17, 39

[Question ID = 75][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q45]

1. 1 [Option ID = 297]
2. 2 [Option ID = 298]
3. 3 [Option ID = 299]
4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- MATH_Q46-60_P1_CTET

1) Assessment in mathematics should ***not*** focus upon.

(1) Identifying learning gaps in conceptual understanding of the learners

(2) Planning need-based remedial classes in mathematics

(3) Providing feedback to the learners

(4) Labelling the learners according to their marks in a test

गणित में आकलन को ________ पर केंद्रित ***नहीं*** होना चाहिए।

(1) अधिगमकर्ताओं की अवधारणात्मक समझ में सीखने में रह गई कमियों को पहचानने

(2) गणित में आवश्यकता अनुसार उपचारी कक्षाओं के आयोजन

(3) अधिगमकर्ताओं को प्रतिपुष्टि प्रदान करने

(4) अधिगमकर्ताओं को उनके टेस्ट में प्राप्त अंकों के अनुसार नामीकरण करने

[Question ID = 76][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q46]

1. 1 [Option ID = 301]
2. 2 [Option ID = 302]
3. 3 [Option ID = 303]
4. 4 [Option ID = 304]

2) Which of the following is the most important aspect of foundational numeracy ?

(1) Doing quick and accurate calculations

(2) Developing number sense

(3) Grasp of standard algorithms for fundamental number operation

(4) Developing the skill of counting

निम्नलिखित में से बुनियादी संख्या-ज्ञान का अति महत्त्वपूर्ण पहलू (पक्ष) कौन-सा है ?

(1) शीघ्रता से और सटीक परिकलन करना

(2) संख्या बोध का विकास करना

(3) मूलभूत संख्या संक्रियाओं के लिए मानक कलन-विधियों की अच्छी समझ

(4) गणना के कौशल का विकास करना

[Question ID = 77][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q47]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]
3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

3) As per the National Curriculum Framework 2005, Which among the following is most appropriate with Primary Mathematics curriculum ?

(1) It must explicitly incorporate the progression that learners make from the concrete to the abstract while acquiring concepts.

(2) It must include mainly those topics which have application in higher classes.

(3) It should introduce algebraic notations and its use in solving problems.

(4) It should provide opportunities to the students to use various methods of proving theorems.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार, प्राथमिक गणित पाठ्यचर्या के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक उपयुक्त है ?

(1) अवधारणाओं की समझ बनाते हुए शिक्षार्थी जो प्रगति मूर्त से अमूर्त की तरफ बढ़ते हुए करते हैं, वह इसमें सुस्पष्ट रूप से सम्मिलित होनी चाहिए ।

(2) इसमें मुख्य रूप से वही प्रकरण (टॉपिक) सम्मिलित होने चाहिए जिनका उच्चतर कक्षाओं में अनुप्रयोग (प्रयोग) हो ।

(3) पाठ्यचर्या को बीजगणितीय संकेतनों का और समस्या समाधान में उसके उपयोग का परिचय कराना चाहिए ।

(4) पाठ्यचर्या को विद्यार्थियों को प्रमेय को सिद्ध करने की विभिन्न विधियों का उपयोग करने के अवसर प्रदान करने चाहिए ।

[Question ID = 78][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q48]

1. 1 [Option ID = 309]
2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

4) A teacher asked a class I student to write 54. The student wrote 504. Which of the following is the most appropriate strategy to rectify this mistake ?

(1) Ask the child to erase zero from the middle place

(2) Mark the answer as wrong and ask the child to write 5 and 4

(3) Explain how to write two-digit numbers using bundling activity

(4) Ask the student to find out the correct answer himself/herself

शिक्षक ने कक्षा I के विद्यार्थी से 54 लिखने के लिए कहा । विद्यार्थी ने 504 लिखा । निम्नलिखित में से कौन-सी इस गलती को सुधारने की सर्वाधिक उपयुक्त युक्ति है ?

(1) बच्चे को बीच में से 0 (शून्य) मिटाने के लिए कहना

(2) उत्तर को गलत चिन्हित करना और बच्चे को 5 और 4 लिखने के लिए कहना

(3) बंडल बनाने की गतिविधि का उपयोग करके यह बताना कि दो अंकीय संख्याएँ कैसे लिखी जाती हैं

(4) विद्यार्थी को स्वयं से सही उत्तर ज्ञात करने के लिए कहना

[Question ID = 79][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q49]

1. 1 [Option ID = 313]

2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

5) What is the correct sequence for developing the concept of area of a rectangle ?

(a) Covering the given rectangle with erasers or sharpeners and asking the students to count them.

(b) Measuring the sides of rectangle and calculating its area by multiplying length and breath.

(c) Covering surface of the rectangle with square tile of side 1 cm and counting the number of tiles.

(1) (a), (b) and (c)

(2) (a), (c) and (b)

(3) (b), (c) and (a)

(4) (b), (a) and (c)

आयत के क्षेत्रफल की अवधारणा को विकसित करने के लिए सही अनुक्रम कौन-सा है ?

(a) दिए गए आयत को रबर (इरेज़रस) या शार्पनर द्वारा ढकना और फिर विद्यार्थियों से इन्हें गिनने के लिए कहना ।

(b) आयत की भुजाओं को मापना और लंबाई एवं चौड़ाई के गुणन के द्वारा उसके क्षेत्रफल की गणना करना ।

(c) आयत के फलक को वर्गाकार टाइल जिसकी भुजा 1 सेमी हो से ढकना तथा टाइलों की संख्या गिनना ।

(1) (a), (b) और (c)

(2) (a), (c) और (b)

(3) (b), (c) और (a)

(4) (b), (a) और (c)

[Question ID = 80][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q50]

1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

6) Brief notes that a teacher takes as he/she observes children, to document a range of behaviours that children depict while doing an activity/task in a classroom is an example of

(1) Anecdotal Records

(2) Rubrics

(3) Observations

(4) Project

कक्षा में एक गतिविधि/कार्य करते समय बच्चों द्वारा दर्शाए गए व्यवहारों के एक परास (रेंज) को अभिलेखित करने के लिए शिक्षक द्वारा बच्चों का अवलोकन करते हुए जो संक्षिप्त टिप्पणियाँ ली जाती हैं, वह किसका उदाहरण है ?

(1) उपाख्यानात्मक अभिलेख (रिकॉर्ड)

(2) रूब्रिक्स

(3) अवलोकन

(4) परियोजना

[Question ID = 81][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q51]

1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

7) In teaching mathematical concepts the use of visual manipulatives help to move from

(1) Complex to simple concepts

(2) Concrete to abstract concepts

(3) Formal to informal algorithms

(4) Abstract to concrete concepts

गणितीय अवधारणाओं को पढ़ाते हुए दृश्य हस्तकौशल सामग्री का प्रयोग ________ की ओर बढ़ने में सहायक होता है।

(1) जटिल से सरल अवधारणाओं

(2) मूर्त से अमूर्त अवधारणाओं

(3) औपचारिक से अनौपचारिक कलनविधियों

(4) अमूर्त से मूर्त अवधारणाओं

[Question ID = 82][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q52]

1. 1 [Option ID = 325]
2. 2 [Option ID = 326]
3. 3 [Option ID = 327]
4. 4 [Option ID = 328]

8) Problem-solving strategies in mathematics involve

(1) intuition and experimentation

(2) memorisation and procedural fluency

(3) observation and experimentation

(4) reasoning and patterning

गणित में समस्या-समाधान की युक्तियों में सम्मिलित है

(1) अंतर्ज्ञान और प्रयोग

(2) कंठस्थ करना और प्रक्रियात्मक प्रवाह

(3) अवलोकन और प्रयोग

(4) तर्कणा (विवेचन) और पैटर्न बनाना

[Question ID = 83][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q53]

1. 1 [Option ID = 329]
2. 2 [Option ID = 330]
3. 3 [Option ID = 331]
4. 4 [Option ID = 332]

9) Which of the following is least appropriate about teaching and learning of Lowest Common Multiple (LCM) at the primary school level ?

(1) It can be indirectly introduced in primary grades using activity method

(2) It cannot be taught to children of primary grade

(3) There are many every day instances where this concept is tacitly used by the children

(4) It can be introduced in an interesting manner using ICT

प्राथमिक स्कूली स्तर पर लघुतम समापवर्त्य (ल.स.) के शिक्षण और अधिगम हेतु निम्नलिखित में से कौन-सा सबसे कम उपयुक्त है ?

(1) प्राथमिक कक्षा में क्रियाकलाप विधि द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से इसका परिचय कराया जा सकता है ।

(2) इसे प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों को नहीं पढ़ाया जा सकता है।

(3) दैनिक जीवन में ऐसे बहुत से उदाहरण हैं जहाँ पर बच्चे इस अवधारणा का अप्रत्यक्ष रूप से प्रयोग करते हैं।

(4) सूचना एवं संप्रेषण तकनीक (ICT) का प्रयोग करते हुए इसका परिचय बहुत दिलचस्प तरीके से कराया जा सकता है ।

[Question ID = 84][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q54]

1. 1 [Option ID = 333]
2. 2 [Option ID = 334]
3. 3 [Option ID = 335]
4. 4 [Option ID = 336]

10) When asked to calculate 5 × 28, a child solves it in the following way :

5 × 28 = 28 × 5 = (14 × 2) × 5 = 14 × (2 × 5) = 14 × 10 = 140

The child has used

a. Commutative law

b. Distributive law

c. Associative law

Choose the correct option :

(1) (a) and (c)

(2) (a) and (b)

(3) Only (a)

(4) (b) and (c)

जब एक बच्चे को 5 × 28 का परिकलन करने के लिए कहा गया, तब उसने निम्नलिखित प्रकार से उसे हल किया :

5 × 28 = 28 × 5 = (14 × 2) × 5 = 14 × (2 × 5) = 14 × 10 = 140

बच्चे ने प्रयुक्त किया है

a. क्रमविनिमेय नियम

b. वितरण/बंटन नियम

c. साहचर्य नियम

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) (a) और (c)

(2) (a) और (b)

(3) केवल (a)

(4) (b) और (c)

[Question ID = 85][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q55]

1. 1 [Option ID = 337]
2. 2 [Option ID = 338]
3. 3 [Option ID = 339]
4. 4 [Option ID = 340]

11) Which of the following activities is most appropriate for the development of spatial understanding among primary grade learners ?

(1) Representing numbers on a number line

(2) Drawing a map of their homes showing relative sizes and position of rooms

(3) Measuring the distance between two cities on a map

(4) Recalling the names of geometrical figures

प्राथमिक स्तर के शिक्षार्थियों में दिक् स्थान संबंधी समझ का विकास करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त गतिविधि निम्नलिखित में से कौन-सी है ?

(1) संख्या रेखा पर संख्याओं को प्रस्तुत करना

(2) कमरों के सापेक्ष आकार और स्थिति को दर्शाते हुए अपने घरों का मानचित्र बनाना

(3) मानचित्र पर दो शहरों के बीच की दूरी को मापना

(4) ज्यामितीय आकृतियों के नामों का प्रत्यास्मरण

[Question ID = 86][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q56]

1. 1 [Option ID = 341]
2. 2 [Option ID = 342]
3. 3 [Option ID = 343]
4. 4 [Option ID = 344]

12) While introducing addition of one digit numbers, Ms. Alka uses concrete objects such as tokens, pencils, erasers, etc. She provides opportunities to the students to manipulate these objects to add single digit numbers. According to Bruner, this mode of learning is known as

(1) Concrete

(2) Iconic

(3) Enactive

(4) Symbolic

एक अंकीय संख्याओं के योग को प्रस्तुत करते हुए, सुश्री अलका ने मूर्त वस्तुओं जैसे टोकनों, पेंसिलों, रबड़ों, इत्यादि का उपयोग किया । उन्होंने अपने विद्यार्थियों को एक अंकीय संख्याओं को जोड़ने के लिए इन वस्तुओं का कुशलतापूर्वक उपयोग करने का अवसर प्रदान किया । ब्रूनर के अनुसार, अधिगम का यह प्रकार कहलाता है

(1) मूर्त

(2) दृश्यमापिता (आइकोनिक)

(3) अभिप्रदर्शन (एनएक्टिव)

(4) सांकेतिक

[Question ID = 87][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q57]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

13) A child gives examples of different shapes from his surrounding like 'Samosa is a triangle'. The child is at which level of geometric thinking according to Van-Hiele's theory ?

(1) Analysis

(2) Axiomatic

(3) Deduction

(4) Visualization

एक बच्चा अपने आस-पास, से विभिन्न आकृतियों के उदाहरण देता है जैसे 'समोसा एक त्रिभुज है' । वह बच्चा, वैन-हैले सिद्धांत के अनुसार, ज्यामितीय चिंतन के किस स्तर पर है ?

(1) विश्लेषण

(2) स्वयंसिद्ध

(3) निगमन

(4) दृश्यीकरण

[Question ID = 88][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q58]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]
3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

14) While solving a subtraction problem, 63 – 29, a child says, "I changed 29 into 30 and 63 into 64. So, I changed the problem to 64 – 30. My answer is 34." What can be said about this child ?

(1) The child does not know how to solve 63 – 29

(2) The child is getting confused with addition and subtraction

(3) The child has conceptual understanding of subtraction and hence uses an alternate strategy

(4) The child has neither conceptual understanding nor the knowledge of standard algorithm of subtraction

व्यवकलन की एक समस्या 63 – 29 को हल करते समय एक बच्चा कहता है कि "मैंने 29 को 30 में और 63 को 64 में बदल दिया । तो, मैंने समस्या को 64 – 30 में परिवर्तित कर दिया है । मेरा उत्तर 34 है ।" इस बच्चे के बारे में क्या कहा जा सकता है ?

(1) बच्चा यह नहीं जानता कि 63 – 29 को कैसे हल करना है

(2) बच्चा योग और व्यवकलन को लेकर असमंजस/दुविधा में पड़ गया है

(3) बच्चे में व्यवकलन की अवधारणात्मक समझ है और अत: वह एक वैकल्पिक (ऑल्टरनेट) युक्ति प्रयोग करता है

(4) बच्चे के पास व्यवकलन की न तो संकल्पनात्मक समझ है और न ही मानक कलन-विधि का ज्ञान है

[Question ID = 89][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q59]

1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

15) In a mathematics class a child responds that
"7 × 0 = 7" and "0 × 7 = 7".
In the light of above situation, the child

(1) is being careless and inattentive in the class

(2) needs to be told that multiplication tables start from 7 × 1 = 7

(3) needs to be given more questions for practice for correct computation

(4) is incorrectly extending the properties of addition to multiplication problems

गणित की कक्षा में एक बच्चा उत्तर देता है कि
"7 × 0 = 7" और "0 × 7 = 7" होता है।
उपर्युक्त परिस्थिति के प्रकाश में

(1) बच्चा कक्षा में असावधान है और ध्यान नहीं दे रहा है

(2) उसको यह बताने की आवश्यकता है कि पहाड़े 7 × 1 = 7 से आरंभ होते हैं

(3) सही परिकलन हेतु उसको और अधिक प्रश्न अभ्यास के लिए दिए जाने की आवश्यकता है

(4) वह गलत रूप से योग के गुणों को गुणन की समस्याओं में विस्तारित कर रहा है

[Question ID = 90][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_119_Q60]

1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]
4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- EVS_Q61-75_P1_CTET

1) Radha goes 2.5 km towards North from her house. Now turning to the left she goes 5 km and again turns to left and goes 2.5 km. How far she is from her house and in which direction ?

(1) 5 km South from her house

(2) 5 km North from her house

(3) 5 km West from her house

(4) 5 km East from her house

राधा अपने घर से 2.5 कि.मी. उत्तर की ओर जाती है। अब बायें मुड़कर वह 5 कि.मी. जाती है और फिर बायें मुड़कर 2.5 कि.मी. जाती है। वह अपने घर से कितनी दूर किस दिशा में है ?

(1) घर से 5 कि.मी. दक्षिण दिशा में

(2) घर से 5 कि.मी. उत्तर दिशा में

(3) घर से 5 कि.मी. पश्चिम दिशा में

(4) घर से 5 कि.मी. पूर्व दिशा में

[Question ID = 91][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q61]

1. 1 [Option ID = 361]
2. 2 [Option ID = 362]

3. 3 [Option ID = 363]
4. 4 [Option ID = 364]

2) 'Valley of Flowers' National Park is located in which State ?

(1) Uttar Pradesh

(2) Uttarakhand

(3) Kerala

(4) Karnataka

किस राज्य में 'फूलों की घाटी' राष्ट्रीय उद्यान स्थित है ?

(1) उत्तर प्रदेश

(2) उत्तराखंड

(3) केरल

(4) कर्नाटक

[Question ID = 92][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q62]

1. 1 [Option ID = 365]
2. 2 [Option ID = 366]
3. 3 [Option ID = 367]
4. 4 [Option ID = 368]

3) I am a small and skinny chap
Sometimes I am brown and
sometimes black.
Added to hot oil and ghee
I spread my fragrance all around me.
When I am roasted,
Curd and jaljeera are favourite to me.
Think and tell me who am I ?
Identify the spice mentioned in the above riddle.

(1) Turmeric

(2) Cinnamon

(3) Cumin

(4) Clove

मैं पतला सा, पर छोटा हूँ
भूरा भी हूँ, और काला भी हूँ।
गरम घी और तेल में
मैं खुशबू फैलाता हूँ।
दही और जलजीरे में,
भून कर डाला जाता हूँ।
सोचो, सोचो कौन हूँ मैं ?
उपर्युक्त पहेली में उल्लिखित मसाले को पहचानिए।

(1) हल्दी

(2) दालचीनी

(3) जीरा

(4) लौंग

[Question ID = 93][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q63]

1. 1 [Option ID = 369]
2. 2 [Option ID = 370]
3. 3 [Option ID = 371]
4. 4 [Option ID = 372]

4) Which is the major component of CNG ?

(1) Ethane

(2) Propane

(3) Butane

(4) Methane

CNG का मुख्य संघटक क्या है ?

(1) एथेन

(2) प्रोपेन

(3) ब्यूटेन

(4) मेथेन

[Question ID = 94][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q64]

1. 1 [Option ID = 373]
2. 2 [Option ID = 374]
3. 3 [Option ID = 375]
4. 4 [Option ID = 376]

5) A student boarded a train on 29th September, 2022 which started from Gandhidham Railway Station at 12:30 hours and reached Thiruvananthapuram railway station on 1st October, 2022 at 07:00 hours. If the distance travelled by the train during this time interval is 2296 kilometres, the average speed of the train is approximately

(1) 58 km/h

(2) 55.5 km/h

(3) 54.0 km/h

(4) 53.5 km/h

कोई छात्र 29 सितम्बर 2022 को किसी ट्रेन में सवार हुआ जो गांधीधाम रेलवे स्टेशन से 12:30 बजे चलकर 1 अक्टूबर 2022 को 07:00 बजे तिरुवनंतपुरम रेलवे स्टेशन पहुंची। यदि इस अन्तराल में ट्रेन ने 2296 किलोमीटर की दूरी चली, तो इस ट्रेन की औसत चाल है (निकटतम)

(1) 58 किलोमीटर/घंटा

(2) 55.5 किलोमीटर/घंटा

(3) 54.0 किलोमीटर/घंटा

(4) 53.5 किलोमीटर/घंटा

[Question ID = 95][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q65]

1. 1 [Option ID = 377]
2. 2 [Option ID = 378]
3. 3 [Option ID = 379]
4. 4 [Option ID = 380]

6) Your house is located at X and your school is located at Y and there is no straight road between X and Y. So, in order to reach the school you first go to A which is 60 m due North of X, then go to B which is 25 m due East of A, then go to C which is 100 m due North of B and finally you reach your school which is 25 m due West of C. With respect to your school the correct direction of your house is

(1) Due North

(2) Due South

(3) North-West

(4) South-West

आपका घर X और आपका विद्यालय Y पर स्थित है और X और Y के बीच कोई सीधी सड़क नहीं है। अत: विद्यालय पहुंचने के लिए आप पहले A पर जाते हैं जो X के ठीक उत्तर में 60 m की दूरी पर है, फिर B पर जाते हैं, जो A के ठीक पूर्व में 25 m दूरी पर है, फिर C पर जाते हैं, जो B के ठीक उत्तर में 100 m की दूरी पर है और अन्त में आप अपने विद्यालय पहुंचते हैं जो C के ठीक पश्चिम में 25 m की दूरी पर है। आपके विद्यालय के सापेक्ष आपके घर की सही दिशा है

(1) ठीक उत्तर

(2) ठीक दक्षिण

(3) उत्तर-पश्चिम

(4) दक्षिण-पश्चिम

[Question ID = 96][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q66]

1. 1 [Option ID = 381]
2. 2 [Option ID = 382]
3. 3 [Option ID = 383]
4. 4 [Option ID = 384]

7) Select from the following a pair of birds having excellent sight and can distinctly see things from a distance four times as far as we can.

(1) Crow and Owl

(2) Kite and Vulture

(3) Indian Robin and Eagle

(4) Barbet and Crow

निम्नलिखित में से पक्षियों का वह युगल (जोड़ा) चुनिए जिसकी दृष्टि इतनी श्रेष्ठ होती है कि वह हमारी तुलना में वस्तुओं को चार गुनी दूरी से स्पष्ट देख सकते हैं।

(1) कौआ और उल्लू

(2) चील और गिद्ध

(3) कलचिड़ी और गरुड़

(4) बसन्त गौरी और कौआ

[Question ID = 97][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q67]

1. 1 [Option ID = 385]
2. 2 [Option ID = 386]
3. 3 [Option ID = 387]
4. 4 [Option ID = 388]

8) Select from the following, a pair of diseases caused/spread by mosquitoes :

(1) Malaria and Dengue

(2) Cholera and Chikungunya

(3) Cholera and Malaria

(4) Chikungunya and Typhoid

निम्नलिखित में से मच्छरों द्वारा फैलने/होने वाले दो रोगों के युगल (जोड़े) को चुनिए :

(1) मलेरिया और डेंगू

(2) हैजा और चिकनगुनिया

(3) हैजा और मलेरिया

(4) चिकनगुनिया और मियादी बुखार

[Question ID = 98][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q68]

1. 1 [Option ID = 389]
2. 2 [Option ID = 390]
3. 3 [Option ID = 391]
4. 4 [Option ID = 392]

9) On the map of a city, following scale is mentioned at its right bottom
Scale 1 cm = 950 metres
If on this map the measured distance between any two places is 19.2 cm, the actual distance between the two places is approximately

(1) 20 kilometres

(2) 19.5 kilometres

(3) 19 kilometres

(4) 18 kilometres

किसी शहर के मानचित्र के निचले दाँये भाग पर नीचे दिया गया पैमाना छपा है
पैमाना 1 सेन्टीमीटर = 950 मीटर
यदि इस मानचित्र पर किन्हीं दो स्थलों के बीच मापी गयी दूरी 19.2 सेन्टीमीटर है, जो इन दोनों स्थलों के बीच की वास्तविक दूरी है (निकटतम)

(1) 20 किलोमीटर

(2) 19.5 किलोमीटर

(3) 19 किलोमीटर

(4) 18 किलोमीटर

[Question ID = 99][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q69]

1. 1 [Option ID = 393]
2. 2 [Option ID = 394]
3. 3 [Option ID = 395]
4. 4 [Option ID = 396]

10) A visitor gave the following description of most of the houses of rural areas of a state :
"In this area rainfall is very scarce. Weather is generally hot and the people live in mud houses. The walls of the houses are made thick and are plastered with mud. The roofs are made of thorny bushes."
The state must be

(1) Madhya Pradesh

(2) Gujarat

(3) Rajasthan

(4) Jharkhand

किसी पर्यटक ने किसी राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के अधिकांश घरों का नीचे दिए अनुसार विवरण दिया :
"इस क्षेत्र में वर्षा बहुत कम होती है । मौसम सामान्यत: गर्म रहता है और लोग मिट्टी के घरों में रहते हैं । घरों की दीवारें मोटी बनाई जाती हैं और इन दीवारों को मिट्टी से लीपा-पोता जाता है । घरों की छतों को कंटीली झाड़ियों से बनाया जाता है ।"
यह राज्य होना चाहिए

(1) मध्य प्रदेश

(2) गुजरात

(3) राजस्थान

(4) झारखण्ड

[Question ID = 100][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q70]

1. 1 [Option ID = 397]
2. 2 [Option ID = 398]
3. 3 [Option ID = 399]
4. 4 [Option ID = 400]

11) "Char Chinari" is a very famous tourist place. This place is surrounded by mountains and is located in

(1) Hyderabad

(2) Lucknow

(3) Mysore

(4) Srinagar

"चार चिनारी" एक बहुत प्रसिद्ध पर्यटक-स्थल है । यह चारों तरफ से पर्वतों से घिरा है तथा जिस शहर में स्थित है उसका नाम है

(1) हैदराबाद

(2) लखनऊ

(3) मैसूर

(4) श्रीनगर

[Question ID = 101][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q71]
1. 1 [Option ID = 401]
2. 2 [Option ID = 402]
3. 3 [Option ID = 403]
4. 4 [Option ID = 404]

12) Select from the following an animal whose sense of hearing is so sharp that it can make out the difference between the rustling of leaves and the sound of an animal moving on the grass.

(1) Sloth

(2) Dog

(3) Tiger

(4) Horse

निम्नलिखित में से उस जानवर को चुनिए जिसके सुनने की संवेदन शक्ति इतनी तीक्ष्ण है कि वह पत्तों के हिलने और घास पर किसी जानवर के चलने में अन्तर कर सकता है।

(1) स्लॉथ

(2) कुत्ता

(3) बाघ

(4) घोड़ा

[Question ID = 102][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q72]
1. 1 [Option ID = 405]
2. 2 [Option ID = 406]
3. 3 [Option ID = 407]
4. 4 [Option ID = 408]

13) Which of the following pair is correct ?

(1) Wheat : Tap Root

(2) Maize : Tap Root

(3) Carrot : Tap Root

(4) Bamboo : Tap Root

निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही है ?

(1) गेहूँ : मूसला जड़

(2) मक्का : मूसला जड़

(3) गाजर : मूसला जड़

(4) बाँस : मूसला जड़

[Question ID = 103][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q73]
1. 1 [Option ID = 409]
2. 2 [Option ID = 410]
3. 3 [Option ID = 411]
4. 4 [Option ID = 412]

14) Consider the following statements about a tree named "Desert Oak" :

A. This tree is found in the deserts of Abu Dhabi.

B. This tree grows almost as tall as the height of a common classroom of an elementary school, i.e., about 4 metres.

C. Its roots go deep down into the ground till they reach the water level.

D. The length of the root of this tree is about 50 such trees laid down in a line end to end one after the other.

E. This tree has very few leaves.

The correct statements are

(1) A, B and C

(2) A, D and E

(3) B, C and E

(4) B, D and E

"रेगिस्तानी ओक" नामक वृक्ष के विषय में नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए :

A. यह वृक्ष आबू धाबी के रेगिस्तानों में पाया जाता है।

B. इस वृक्ष की ऊँचाई प्रारम्भिक विद्यालयों के कमरों की ऊँचाई अर्थात लगभग 4 मीटर होती है।

C. इस वृक्ष की जड़ें उस गहराई तक जमीन में जाती हैं जब तक कि भौम जल स्तर तक न पहुँच जाएँ।

D. इसकी जड़ों की लम्बाई लगभग ऐसे ही पचास वृक्षों को एक लाइन में एक के बाद दूसरे को एक सिरे से दूसरे सिरे तक जमीन पर लिटा देने के बराबर होती है।

E. इस वृक्ष पर पत्तियाँ बहुत कम होती हैं।

इनमें से सही कथन हैं

(1) A, B और C

(2) A, D और E

(3) B, C और E

(4) B, D और E

[Question ID = 104][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q74]

1. 1 [Option ID = 413]
2. 2 [Option ID = 414]
3. 3 [Option ID = 415]
4. 4 [Option ID = 416]

15) Select from the following a State/Union Territory where people like to eat fish cooked in mustard oil

(1) Kashmir

(2) Goa

(3) Lakshadweep

(4) Puducherry

निम्नलिखित में से किस राज्य/संघ शासित क्षेत्र के लोग सरसों के तेल में बनी/पकी मछली खाना पसन्द करते हैं ?

(1) कश्मीर

(2) गोआ

(3) लक्षद्वीप

(4) पुदुचेरी

[Question ID = 105][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q75]

1. 1 [Option ID = 417]
2. 2 [Option ID = 418]
3. 3 [Option ID = 419]
4. 4 [Option ID = 420]

Topic:- EVS_Q76-90_P1_CTET

1) Anecdotal records are used to

A. Identify a child's areas of interest and relationships

B. Make judgements about a child

C. Provide solutions to a child in problematic situations

D. Know strengths and weaknesses of a child

The correct option is :

(1) A and B

(2) B and C

(3) A and C

(4) A and D

उपाख्यानमूलक अभिलेख प्रयुक्त होते हैं

A. बच्चे की रुचियों और संबंधों के क्षेत्र की पहचान करने में

B. बच्चे के विषय में निर्णय लेने में

C. समस्याओं की स्थितियों में बच्चे को समाधान प्रदान करने में

D. बच्चे की क्षमताओं और कमजोरियों को जानने में

सही विकल्प है :

(1) A और B

(2) B और C

(3) A और C

(4) A और D

[Question ID = 106][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q76]

1. 1 [Option ID = 421]
2. 2 [Option ID = 422]
3. 3 [Option ID = 423]
4. 4 [Option ID = 424]

2) Astha asked her class IV learners two short questions before starting the chapter on spices. Through this, Astha wanted to

(1) check previous knowledge of students

(2) identify intelligent students in the class

(3) identify learners with good confidence and communication skills

(4) elicit learners' ideas about the topic – spices

मसालों का पाठ पढ़ाने से पूर्व आस्था ने अपने कक्षा IV के शिक्षार्थियों से दो छोटे प्रश्न पूछे। इसके द्वारा, आस्था जानना चाहती है

(1) विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान को जानना

(2) कक्षा में बुद्धिमान विद्यार्थियों को पहचानना

(3) अच्छे विश्वास और संप्रेषण कौशलों के विद्यार्थियों को पहचानना

(4) विषय-मसाले, के विषय में विद्यार्थियों के विचार प्राप्त करना

[Question ID = 107][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q77]

1. 1 [Option ID = 425]
2. 2 [Option ID = 426]
3. 3 [Option ID = 427]
4. 4 [Option ID = 428]

3) Madhavi took her class for a field trip. After coming back she discussed the trip with her students. It may be stated as

(1) Assessment of learning

(2) Assessment for learning

(3) Assessment as learning

(4) Assessment while learning

माधवी अपनी कक्षा को क्षेत्र भ्रमण पर ले गई । वापस आने के पश्चात् उन्होंने अपने विद्यार्थियों के साथ भ्रमण पर चर्चा की। इसे जिस रूप में व्यक्त किया जा सकता है, वह है

(1) अधिगम का आकलन

(2) अधिगम के लिए आकलन

(3) आकलन, अधिगम के रूप में

(4) अधिगम के दौरान आकलन

[Question ID = 108][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q78]

1. 1 [Option ID = 429]
2. 2 [Option ID = 430]
3. 3 [Option ID = 431]
4. 4 [Option ID = 432]

4) Effective teaching-learning will take place only if

(1) the teacher conducts it to complete his/her lesson plan.

(2) the teacher conducts it in compliance with school orders.

(3) the teacher transacts lesson plan for activity-based learning upon peer's directions.

(4) the activities conducted by the teacher help children in constructing knowledge and undersanding the concepts.

प्रभावी शिक्षण-अधिगम केवल तभी संभव होगा जब

(1) शिक्षक अपनी पाठ योजना को पूर्ण करने के लिए कार्य करे।

(2) शिक्षक विद्यालय आदेश का पालन करने के लिए कार्य करे।

(3) शिक्षक अपने सहयोगियों के निर्देशों पर क्रियाकलाप आधारित अधिगम के लिए पाठ योजना को सम्पादित करे ।

(4) शिक्षक के द्वारा आयोजित क्रियाकलापों से बच्चों को ज्ञान का निर्माण करने और संप्रत्ययों को समझने में सहायता मिले ।

[Question ID = 109][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q79]

1. 1 [Option ID = 433]
2. 2 [Option ID = 434]
3. 3 [Option ID = 435]
4. 4 [Option ID = 436]

5) To assess socio-personal qualities of children engaged in learning of EVS through group work, the most appropriate tool will be

(1) Assignments

(2) Paper-and-Pencil Test

(3) Rating Scales

(4) Oral Questions

समूह कार्य द्वारा ई.वी.एस. पढ़ने/के अधिगम में व्यस्त बच्चों के सामाजिक-व्यक्तिगत गुणों का आकलन करने के लिए, सर्वाधिक उपयुक्त उपकरण होगा

(1) नियत कार्य

(2) पेपर-पेंसिल परीक्षण

(3) श्रेणी मापनी (रेटिंग स्केल)

(4) मौखिक प्रश्न

[Question ID = 110][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q80]

1. 1 [Option ID = 437]
2. 2 [Option ID = 438]
3. 3 [Option ID = 439]
4. 4 [Option ID = 440]

6) As an EVS teacher which of the following factors will you consider while planning a group activity for your class ?

A. Arouse interest among children

B. Inclusive in nature

C. Cost effectiveness

D. Can only be conducted outdoors

Choose the correct option :

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) A, C and D

(4) Only A

एक ई.वी.एस. के शिक्षक के रूप में अपनी कक्षा के समूह क्रियाकलाप की योजना बनाते हुए आप निम्नलिखित में से किन कारकों पर विचार करेंगे ?

A. बच्चों में अभिरुचि जगाना

B. प्रकृति में समावेशी

C. मूल्य प्रभावी

D. केवल बाहर संचालित की जा सकती हैं

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) A, C और D

(4) केवल A

[Question ID = 111][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q81]

1. 1 [Option ID = 441]
2. 2 [Option ID = 442]
3. 3 [Option ID = 443]
4. 4 [Option ID = 444]

7) Priyanka wants to sensitize her students on conservation of trees. Which amongst the following will be <u>least</u> effective in attaining the desired objective ?

(1) Encouraging students to plant a tree and take care of it.

(2) Organizing a role play on forest conservation.

(3) Telling the story of 'Chipko Movement' and asking questions.

(4) Visiting a mill to show storage of logs of wood.

प्रियंका अपनी विद्यार्थियों को वृक्षों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना चाहती है। वांछित उद्देश्य को प्राप्त करने में, निम्नलिखित में से किसका न्यूनतम प्रभाव होगा ?

(1) विद्यार्थियों को एक वृक्ष रोपने और उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित करना।

(2) वन संरक्षण पर एक भूमिका निर्वहन आयोजित करना।

(3) 'चिपको आंदोलन' की कहानी सुनाना और प्रश्न पूछना।

(4) लकड़ी के लट्ठों के भंडारण को दिखाने पर एक मिल की सैर पर जाना।

[Question ID = 112][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q82]

1. 1 [Option ID = 445]
2. 2 [Option ID = 446]
3. 3 [Option ID = 447]
4. 4 [Option ID = 448]

8) Identify the student-centred approaches in teaching-learning of EVS from the following :

A. Autocratic style

B. Permissive style

C. Integrated approach

D. Process-oriented approach

(1) Only A

(2) A and B

(3) C and D

(4) B, C and D

ई.वी.एस. के शिक्षण-अधिगम में छात्र-केंद्रित उपागमों की निम्नलिखित में से पहचान कीजिए :

A. निरंकुश शैली

B. अनुज्ञात्मक शैली

C. समाकलित उपागम

D. प्रक्रिया-अभिमुख उपागम

(1) केवल A

(2) A और B

(3) C और D

(4) B, C और D

[Question ID = 113][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q83]
1. 1 [Option ID = 449]
2. 2 [Option ID = 450]
3. 3 [Option ID = 451]
4. 4 [Option ID = 452]

9) Values are part of our _________ behavioural system.

(1) Affective

(2) Cognitive

(3) Psychomotor

(4) Affective and cognitive both

हमारे ___________ व्यवहारपरक तंत्र का, मूल्य एक भाग हैं।

(1) भावात्मक

(2) संज्ञानात्मक

(3) मनोगतिक

(4) भावात्मक और संज्ञानात्मक दोनों

[Question ID = 114][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q84]
1. 1 [Option ID = 453]
2. 2 [Option ID = 454]
3. 3 [Option ID = 455]
4. 4 [Option ID = 456]

10) The nature of EVS can be best described as

A. It integrates several disciplines.

B. It is child-centred.

C. It is experiential.

D. It is teaching-based.

(1) A, B and C

(2) B, C, and D

(3) Only C

(4) Only B

ई.वी.एस. प्रकृति की उत्तम व्याख्या की जा सकती है

A. यह कई विषयों को समाकलित करता है।

B. यह बाल-केन्द्रित है।

C. यह अनुभवजन्य है।

D. यह शिक्षण आधारित है।

(1) A, B और C

(2) B, C, और D

(3) केवल C

(4) केवल B

[Question ID = 115][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q85]

1. 1 [Option ID = 457]
2. 2 [Option ID = 458]
3. 3 [Option ID = 459]
4. 4 [Option ID = 460]

11) From the words given below, choose at least 3 words/options which describe 'Environment'.

A. Flora and fauna

B. Biotic and Abiotic

C. Social and Cultural

D. Creative and Curious

(1) A, B and D

(2) A, B and C

(3) B and C

(4) A, C and D

नीचे दिए गए शब्दों में से, कम से कम ऐसे तीन शब्दों/विकल्पों का चयन कीजिए जो 'पर्यावरण' की व्याख्या करते हैं।

A. वनस्पति-जात और प्राणि-जात

B. जैविक एवं अजैविक

C. सामाजिक एव सांस्कृतिक

D. रचनात्मक एवं जिज्ञासु

(1) A, B और D

(2) A, B और C

(3) B और C

(4) A, C और D

[Question ID = 116][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q86]

1. 1 [Option ID = 461]
2. 2 [Option ID = 462]
3. 3 [Option ID = 463]
4. 4 [Option ID = 464]

12) In EVS teaching-learning process, linking classroom experiences with real-life experiences outside classroom best implies

(1) going beyond the scope of curriculum

(2) going beyond the specific grade

(3) going beyond the textbooks

(4) going beyond the level of learners

ई.वी.एस. के शिक्षण-अधिगम प्रक्रम में, कक्षा के बाहर वास्तविक जीवन के अनुभवों से कक्षा के अनुभवों को जोड़ना सर्वाधिक संकेत करता है

(1) पाठ्यचर्या के क्षेत्र से बाहर जाना

(2) विशिष्ट स्तर से बाहर जाना

(3) पाठ्यपुस्तकों से बाहर जाना

(4) विद्यार्थियों के स्तर के बाहर जाना

[Question ID = 117][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q87]

1. 1 [Option ID = 465]
2. 2 [Option ID = 466]
3. 3 [Option ID = 467]
4. 4 [Option ID = 468]

13) 'Survey and write' has been included in some chapters of EVS textbook for grade 5. It aims at

(1) giving opportunities to students to explore and learn

(2) giving experience to students

(3) improving practical skills of students

(4) improving general awareness of students

कक्षा 5 की ई.वी.एस. पाठ्यपुस्तक के कुछ पाठों में 'सर्वे और लिखो' सम्मिलित किया गया है । इसका उद्देश्य है

(1) विद्यार्थियों को खोजने एवं सीखने के अवसर देना

(2) विद्यार्थियों को अनुभव देना

(3) विद्यार्थियों के प्रयोग कौशलों को बेहतर बनाना

(4) विद्यार्थियों के सामान्य जागरूकता को बेहतर करना

[Question ID = 118][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q88]

1. 1 [Option ID = 469]
2. 2 [Option ID = 470]
3. 3 [Option ID = 471]
4. 4 [Option ID = 472]

14) Which of the following is an effective strategy of EVS ?

(1) Lecture

(2) Practical

(3) Role Play

(4) Demonstration

निम्नलिखित में से कौन ई.वी.एस. की प्रभावशाली युक्ति है ?

(1) व्याख्यान

(2) प्रायोगिक

(3) भूमिका निर्वहन

(4) प्रदर्शन

[Question ID = 119][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q89]

1. 1 [Option ID = 473]
2. 2 [Option ID = 474]
3. 3 [Option ID = 475]
4. 4 [Option ID = 476]

15) The approach of teaching-learning of EVS that uses different skills to learn new things is

(1) Conceptual Approach

(2) Process Approach

(3) Integrated Approach

(4) Activity Approach

नए विषय सीखने हेतु ई.वी.एस. के शिक्षण अधिगम के जिस उपागम में विभिन्न कौशलों का उपयोग होता है, वह है

(1) संप्रत्ययी उपागम

(2) प्रक्रिया उपागम

(3) समाकलित उपागम

(4) क्रियाकलाप उपागम

[Question ID = 120][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_119_Q90]

1. 1 [Option ID = 477]
2. 2 [Option ID = 478]
3. 3 [Option ID = 479]
4. 4 [Option ID = 480]

Topic:- Telugu_Q91-99_L1_P1_CTET

1) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

తెలుగు భాషాసాహిత్యాలపై శాస్త్రీయపద్ధతిలో పరిశోధనకు 19వ శతాబ్ది ప్రథమార్థంలో పునాదులు పడ్డాయి. మెకంజీ, సి.పి. బ్రౌన్, కాల్ డ్వెల్ మొదలైన పాశ్చాత్యులు, వారి సన్నిహితులైన ఆంధ్రవిద్వాంసులు ఇందుకు పాటుపడ్డారు. వీరేశలింగయుగంలో – అంటే

ఉత్తరార్ధంలో తెలుగు విమర్శ ప్రత్యేక ప్రక్రియా స్వరూపాన్ని సంతరించుకున్నది. కావ్యపరిష్కరణలు, శబ్దపాఠచర్చలు, కవిచరిత్రలు విమర్శలు మున్నగువాని రూపంలో అది కొనసాగింది. ఇరవయ్యవ శతాబ్దంలో నూత్నసాహితీ ప్రక్రియల అవతరణతో వాటి సమాలోచన దిశగా విమర్శనాత్మక సాహిత్యం విస్తృతమైంది. పరిశోధన, విమర్శ అవినాభావ సంబంధమైనవి. పరిశోధన ఆధారంగా వెలుగలోకి వచ్చిన నూత్న సత్యాలను శాస్త్రీయంగా విశ్లేషించి, కవుల భావనాత్మక వ్యాపారాన్ని సహృదయంగమంగా విశదీకరిస్తుంది, విలువకడుతుంది. విమర్శ.

తెలంగాణాలో పరిశోధనకు శ్రీకారం చుట్టినవారు కొమర్రాజు వెంకటలక్ష్మణరావు గారు (1876–1923). కృష్ణాజిల్లాలో జన్మించిన లక్ష్మణరావు గారి బాల్యం కొంతకాలం భువనగిరి, దేవరకొండలో గడిచింది. హైదరాబాదును కార్యక్షేత్రంగా చేసుకొని వారు తమ భాషోద్యమాన్ని ప్రారంభించారు. "దేశాభివృద్ధికి భాషాభివృద్ధి యొక్క సాధనము"గా గ్రహించిన కొమర్రాజు గారు మునగాలరాజా నాయని వెంకటరంగారావు ప్రోత్సాహంతో, రావిచెట్టు రంగారావు సహకారంతో 1901లో శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం స్థాపించారు. దానిని కేంద్రంగా చేసుకొని 1905 లో ఆయన నెలకొల్పిన విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి దేశచరిత్రకు సంబంధించిన పరిశోధన గ్రంథాలను ప్రకటించింది. 1908లో ఆయన మద్రాసుకు వెళ్ళటంతో ఆ గ్రంథమండలి కూడా అక్కడికి తరలి వెళ్ళింది.

లక్ష్మణరావు గారు భాషాసాహిత్య విషయకములైన పరిశోధనా వ్యాసాలు పెక్కు విరచించారు. ఏకశిలానగరం ఓరుగల్లే కాని ఒంటిమిట్టగాదని సోపపత్తికంగా నిరూపించారు. రామాయణంలోని పర్ణశాల భద్రాచలం సమీపంలోనిదేనని చాటి చెప్పారు. మహమ్మదీయ చరిత్రకారుడు ఫెరిస్తా వ్రాతలను ఖండిస్తూ కులీకుతుబ్ షా పానగల్లు దుర్గాన్ని కృష్ణరాయల నుండి కాకుండా దమద్ మిల్లాఖాన్ నుంచి వశపర్చుకొన్నాడని అద్దంకి గంగాధరకవి 'తపతీసంవరణోపాఖ్యానం' ఆధారంగా వెల్లడించారు. అలాగే కొండవీడు దగ్గర కృష్ణరాయలు ఓడిపోయాడన్న అభిప్రాయాన్ని ఖండిస్తూ సూరన కళాపూర్ణోదయం ఆధారంగా కులీకుతుబ్ షాయే ఆరవీటి రామరాయల చేతిలో ఓడిపోయాడని వాదించారు. 'మహమ్మదీయ మహాయుగం' గ్రంథంలో అక్కన్న మాదన్నల చరిత్రను సవిస్తరంగా పేర్కొన్నారు. తెలుగులో విజ్ఞానసర్వస్వ నిర్మాణానికి శ్రీకారం చుట్టిన లక్ష్మణరావు గారి సంపాదకత్వంలో ఆంధ్రవిజ్ఞాన సర్వస్వం మూడు సంపుటాలు (1915–18) వెలువడ్డాయి. వీనిలోని వ్యాసాలు, సమకాలీన పత్రికల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలు 'లక్ష్మణరాయ వ్యాసావళి' పేరుతో రెండుభాగాలుగా వెలువడ్డాయి. అభిజ్ఞాన శాకుంతలం, లలితకళలు మున్నగు వ్యాసాలు ఆయన విమర్శనాదృష్టికీ, పరిశోధనా పటిమకూ ఎత్తి చూపదగినవి. కొమర్రాజు గారు అనేక పారిభాషికపదాలను రూపొందించి భాషా పరిశోధకులకు మార్గదర్శకులైనారు. ఎడిటర్ అంటే సంపాదకుడు, యూనివర్సిటీ అంటే విశ్వవిద్యాలయం అని వారు కల్పించిన పదాలే ఈనాడు వాడుకలో ఉన్నాయి.

నిజాం ప్రభుత్వం హైదరాబాదు నగరంలో తెలుగుభాషా ప్రగతికి కంటకంగా పరిణమించినా పొరుగున వున్న జిల్లాలలోని సంస్థానాధీశులు మాత్రం నిరాటంకంగా తెలుగు సాహిత్యపోషణకు పాటుపడటం గమనార్హం. పాలమూరు జిల్లాలోని గద్వాల, వనపర్తి,

జటప్రోలు, ఆత్మకూరు సంస్థానాలు ఈ విషయంలో ఎంతో ముందంజవేశాయి, సుప్రసిద్ధ పరిశోధకులు మానవల్లి రామకృష్ణకవి గారు (1866–1957) రాజా సవై రామేశ్వరరావు బహద్దర్ గారి ఆంతరంగిక కార్యదర్శిగా పది సంవత్సరాలపాటు (1904–1913) వనపర్తిని నెలవుగా చెసుకొని సారస్వత సేవ కొనసాగించారు. 'విస్మృతకవులు' శీర్షికలో అనేక అముద్రిత గ్రంథాలను పరిష్కరించి వెలుగులోనికి తెచ్చారు. కుమార సంభవం (1908), క్రీడాభిరామం (1909), ప్రబంధమణిభూషణం (1910), నీతిశాస్త్ర ముక్తావళి (1910), అనర్ఘరాఘవం (1911), పరతత్త్వ రసాయనం (1911), త్రిపురాంతకోదాహరణం (1912), శ్రీరంగమాహాత్మ్యం (1912) మొదలగునవి వారు ప్రకటించిన కావ్యాలు. వనపర్తిలో వుండగానే పరిశోధకునిగా పరిణతి పొందిన మానవల్లి గారు కొన్ని శాసన ప్రతిబింబాలను Lythic Records of Hyderabad State పేరుతో ప్రచురించారు. వనపర్తి పాలకులు నెలకొల్పిన బ్రహ్మవిద్యావిలాస ముద్రాక్షరశాల తెలంగాణాలోనే ప్రాచీన ముద్రణశాలగా పేర్కొనదగింది.

శేషాద్రి రమణకవులుగా వాసికెక్కిన దూపాటి శేషాచార్యులు (1890–1940), దూపాటి వెంకటరమణాచార్యులు (1893–1963) గుంటూరులో జన్మించినప్పటికీ హనుమకొండను ఆవాసంగా చేసుకొని సాహిత్య పరిశోధన కావించారు. వెంకటరమణాచార్యులు, జయంతి రామయ్య పంతులు కోరికపై తెలంగాణా అంతటా పర్యటించి పెక్కు తాళపత్ర ప్రతులను, శాసనాలను సేకరించి ఆంధ్రసాహిత్యపరిషత్తుకు చేర్చారు. రామప్ప, పాకాల, కొలనుపాక శాసనాలను ప్రకటించారు. హనుమకొండలో సంస్కృతాంధ్ర పండితులుగా పనిచేస్తూ చారిత్రక పరిశోధక మండలిని ఏర్పాటు చేసి 1931లో అఖిలాంధ్ర చారిత్రక సమ్మేళనాన్ని నిర్వహించారు. నిర్మల్, కరీంనగర్ మొదలగు ప్రాంతాల్లోనూ, హైదరాబాదు పురాతత్త్వశాఖలోనూ వెంకటరమణాచార్యులు పనిచేశారు. శేషాద్రి రమణకవులు కావ్యపరిష్కర్తలుగా, పీఠికాకర్తలుగా, పరిశోధన రంగంలో కీర్తి గడించారు. వసుచరిత్రవ్యాఖ్య, ఆంధ్రపదనిధానము, రెడ్డికులనిర్ణయ చంద్రిక, మేదినీహారావళి నిఘంటు వివరణము మున్నగునవి వారి పాండితీ ప్రతిభకు నిదర్శనాలు. సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారు సంకలించిన 'గోలకొండకవుల సంచిక' కు వారు పూర్వకవి పరిచయం సమకూర్చారు. రుద్రమదేవి గణపతిదేవుని కూతురని, మల్లినాథసూరి, మల్లికార్జున పండితారాధ్యుడు తెలంగాణము వారని నిరూపించిన పరిశోధకులు వెంకటరమణాచార్యులు గారు.

తెలంగాణాలో జన్మించి తెలుగుభాషా సాహిత్యాల వికాసానికి విశేషంగా పరిశ్రమించిన పరిశోధకులలో అగ్రగణ్యులు ఆదిరాజు వీరభద్రరావు, సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారలు. మాడపాటి హనుమంతరావు ప్రభృతుల ఆంధ్రోద్యమం వీరి కృషికి చేయూతనిచ్చింది. ఖమ్మం జిల్లాలో జన్మించిన ఆదిరాజు వీరభద్రరావు గారు (1890–1973) శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం, విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి నిర్వహణలో లక్ష్మణరావుగారికి సహాయకులుగా ఉన్నారు. ఆయన వెంట మద్రాసువెళ్లి సుమారు ఆరు సంవత్సరాలు (1908–1914) ఆయన సాహితీ కృషిలో పాలుపంచుకొన్నారు. లక్ష్మణరావుగారి సాహచర్యంతో గడించిన అనుభవంతో వీరభద్రరావుగారు ఖండవల్లి లక్ష్మీరంజనం గారు తలపెటిన సంగ్రహాంధ్ర విజాన కోశానికి ప్రధాన సంగ్రాహకులైనారు

తీర్చిదిద్దారు. విజ్ఞానకోశంలో స్వయంగా 50 వ్యాసాలు రచించారు. సమకాలీన పత్రికల్లో పెక్కు పరిశోధనాత్మకమైన వ్యాసాలు వెలువరించారు. హైదరాబాదు రేడియోలో తొలి ప్రసంగం కావించిన ఆదిరాజువారి రేడియో ప్రసంగాలు 150 ప్రసారమైనాయి. తెలంగాణా శాసనాలు, షితాబ్ ఖాన్ మొదలగునవి వారి పరిశోధనా పటిమకు ప్రతిబింబాలు. మౌలిక చారిత్రక, సామగ్రి, ఆధారంగా తెలంగాణా చరిత్ర నిర్మాణానికి ఎంతో కృషి సలిపిన పరిశోధక వతంసులు వీరభద్రరావుగారు. 'ప్రాచీనాంధ్ర నగరములు'లో అలంపురం, కొండాపురం, కొలనుపాక, గోలకొండ, పానుగల్లు, భోనగిరి, రాచకొండ, వరంగల్ మొదలైన ప్రాంతాల రాజకీయ, సాంఘిక చరిత్ర వివరింపబడింది. 'మన తెలంగాణము' వ్యాససంపుటిలో కాకతీయుల చరిత్ర, పాకాల సరస్సు, దేవాలయాలు, శాసనాలు, నాణాలు, ఆదిమానవుల సమాధులైన కెయిరనులు (రక్కసి గుళ్లు) మొదలైన చారిత్రకాంశాలు విశదీకరింపబడినాయి.

చారిత్రక పరిశోధన మండలిని ఏర్పాటు చేసినవారు

(1) మెకంజీ

(2) దూపాటి వెంకటరమణాచార్యులు

(3) ఆదిరాజు వీరభద్రరావు

(4) సురవరం ప్రతాపరెడ్డి

[Question ID = 211][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q91]

1. 1 [Option ID = 841]
2. 2 [Option ID = 842]
3. 3 [Option ID = 843]
4. 4 [Option ID = 844]

2) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

తెలుగు భాషాసాహిత్యాలపై శాస్త్రీయపద్ధతిలో పరిశోధనకు 19వ శతాబ్ది ప్రథమార్థంలో పునాదులు పడ్డాయి. మెకంజీ, సి.పి. బ్రౌన్, కాల్ డ్వెల్ మొదలైన పాశ్చాత్యులు, వారి సన్నిహితులైన ఆంధ్రవిద్యాంసులు ఇందుకు పాటుపడ్డారు. వీరేశలింగయుగంలో – అంటే ఉత్తరార్ధంలో తెలుగు విమర్శ ప్రత్యేక ప్రక్రియా స్వరూపాన్ని సంతరించుకున్నది. కావ్యపరిష్కరణలు, శబ్దపాఠచర్చలు, కవిచరిత్రలు విమర్శలు మున్నగువాని రూపంలో అది కొనసాగింది. ఇరవయ్యవ శతాబ్దంలో నూత్నసాహితీ ప్రక్రియల అవతరణతో వాటి సమాలోచన దిశగా విమర్శనాత్మక సాహిత్యం విస్తృతమైంది. పరిశోధన, విమర్శ అవినాభావ సంబంధమైనవి. పరిశోధన ఆధారంగా వెలుగులోకి వచ్చిన నూత్న సత్యాలను శాస్త్రీయంగా విశ్లేషించి, కవుల భావనాత్మక వ్యాపారాన్ని సహృదయంగమంగా విశదీకరిస్తుంది, విలువకడుతుంది. విమర్శ.

తెలంగాణాలో పరిశోధనకు శ్రీకారం చుట్టినవారు కొమర్రాజు వెంకటలక్ష్మణరావు గారు (1876–1923). కృష్ణాజిల్లాలో జన్మించిన లక్ష్మణరావు గారి బాల్యం కొంతకాలం భువనగిరి, దేవరకొండలో గడిచింది. హైదరాబాదును కార్యక్షేత్రంగా చేసుకొని వారు తమ బాషోద్యమాని

ప్రారంభించారు. "దేశాభివృద్ధికి భాషాభివృద్ధి యొక్క సాధనము"గా గ్రహించిన కొమర్రాజు గారు మునగాలరాజా నాయని వెంకటరంగారావు ప్రోత్సాహంతో, రావిచెట్టు రంగారావు సహకారంతో 1901లో శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం స్థాపించారు. దానిని కేంద్రంగా చేసుకొని 1905 లో ఆయన నెలకొల్పిన విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి దేశచరిత్రకు సంబంధించిన పరిశోధన గ్రంథాలను ప్రకటించింది. 1908లో ఆయన మద్రాసుకు వెళ్ళటంతో ఆ గ్రంథమండలి కూడా అక్కడికి తరలి వెళ్ళింది.

లక్ష్మణరావు గారు భాషాసాహిత్య విషయకములైన పరిశోధనా వ్యాసాలు పెక్కు విరచించారు. ఏకశిలానగరం ఓరుగల్లే కాని ఒంటిమిట్టగాదని సోపపత్తికంగా నిరూపించారు. రామాయణంలోని పర్ణశాల భద్రాచలం సమీపంలోనిదేనని చాటి చెప్పారు. మహామ్మదీయ చరిత్రకారుడు ఫెరిస్తా వ్రాతలను ఖండిస్తూ కులీకుతుబ్ షా పానగల్లు దుర్గాన్ని కృష్ణరాయల నుండి కాకుండా దమద్ మిల్లాఖాన్ నుంచి వశపర్చుకొన్నాడని అద్దంకి గంగాధరకవి 'తపతీసంవరణోపాఖ్యానం' ఆధారంగా వెల్లడించారు. అలాగే కొండవీడు దగ్గర కృష్ణరాయలు ఓడిపోయాడన్న అభిప్రాయాన్ని ఖండిస్తూ సూరన కళాపూర్ణోదయం ఆధారంగా కులీకుతుబ్ షాయే ఆరవీటి రామరాయల చేతిలో ఓడిపోయాడని వాదించారు. 'మహమ్మదీయ మహాయుగం' గ్రంథంలో అక్కన్న మాదన్నల చరిత్రను సవిస్తరంగా పేర్కొన్నారు. తెలుగులో విజ్ఞానసర్వస్వ నిర్మాణానికి శ్రీకారం చుట్టిన లక్ష్మణరావు గారి సంపాదకత్వంలో ఆంధ్రవిజ్ఞాన సర్వస్వం మూడు సంపుటాలు (1915–18) వెలువడ్డాయి. వీనిలోని వ్యాసాలు, సమకాలీన పత్రికల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలు 'లక్ష్మణరాయ వ్యాసావళి' పేరుతో రెండుభాగాలుగా వెలువడ్డాయి. అభిజ్ఞాన శాకుంతలం, లలితకళలు మున్నగు వ్యాసాలు ఆయన విమర్శనాదృష్టికీ, పరిశోధనా పటిమకూ ఎత్తి చూపదగినవి. కొమర్రాజు గారు అనేక పారిభాషికపదాలను రూపొందించి భాషా పరిశోధకులకు మార్గదర్శకులైనారు. ఎడిటర్ అంటే సంపాదకుడు, యూనివర్సిటీ అంటే విశ్వవిద్యాలయం అని వారు కల్పించిన పదాలే ఈనాడు వాడుకలో ఉన్నాయి.

నిజాం ప్రభుత్వం హైదరాబాదు నగరంలో తెలుగుభాషా ప్రగతికి కంటకంగా పరిణమించినా పొరుగున వున్న జిల్లాలలోని సంస్థానాధీశులు మాత్రం నిరాటంకంగా తెలుగు సాహిత్యపోషణకు పాటుపడటం గమనార్హం. పాలమూరు జిల్లాలోని గద్వాల, వనపర్తి, జటప్రోలు, ఆత్మకూరు సంస్థానాలు ఈ విషయంలో ఎంతో ముందంజవేశాయి, సుప్రసిద్ధ పరిశోధకులు మానవల్లి రామకృష్ణకవి గారు (1866–1957) రాజా సవై రామేశ్వరరావు బహద్దర్ గారి ఆంతరంగిక కార్యదర్శిగా పది సంవత్సరాలపాటు (1904–1913) వనపర్తిని నెలవుగా చెసుకొని సారస్వత సేవ కొనసాగించారు. 'విస్మృతకవులు' శీర్షికలో అనేక అముద్రిత గ్రంథాలను పరిష్కరించి వెలుగులోనికి తెచ్చారు. కుమార సంభవం (1908), క్రీడాభిరామం (1909), ప్రబంధమణిభూషణం (1910), నీతిశాస్త్ర ముక్తావళి (1910), అనర్ఘరాఘవం (1911), పరతత్త్వ రసాయనం (1911), త్రిపురాంతకోదాహరణం (1912), శ్రీరంగమాహాత్మ్యం (1912) మొదలగునవి వారు ప్రకటించిన కావ్యాలు. వనపర్తిలో వుండగానే పరిశోధకునిగా పరిణతి పొందిన మానవల్లి గారు కొన్ని శాసన ప్రతిబింబాలను Lythic Records of Hyderabad State పేరుతో ప్రచురించారు. వనపర్తి పాలకులు

నెలకొల్పిన బ్రహ్మవిద్యావిలాస ముద్రాక్షరశాల తెలంగాణాలోనే ప్రాచీన ముద్రణశాలగా పేర్కొనదగింది.

శేషాద్రి రమణకవులుగా వాసికెక్కిన దూపాటి శేషాచార్యులు (1890–1940), దూపాటి వెంకటరమణాచార్యులు (1893–1963) గుంటూరులో జన్మించినప్పటికీ హనుమకొండను ఆవాసంగా చేసుకొని సాహిత్య పరిశోధన కావించారు. వెంకటరమణాచార్యులు, జయంతి రామయ్య పంతులు కోరికపై తెలంగాణా అంతటా పర్యటించి పెక్కు తాళపత్ర ప్రతులను, శాసనాలను సేకరించి ఆంధ్రసాహిత్యపరిషత్తుకు చేర్చారు. రామప్ప, పాకాల, కొలనుపాక శాసనాలను ప్రకటించారు. హనుమకొండలో సంస్కృతాంధ్ర పండితులుగా పనిచేస్తూ చారిత్రక పరిశోధక మండలిని ఏర్పాటు చేసి 1931లో అఖిలాంధ్ర చారిత్రక సమ్మేళనాన్ని నిర్వహించారు. నిర్మల్, కరీంనగర్ మొదలగు ప్రాంతాల్లోనూ, హైదరాబాదు పురాతత్త్వశాఖలోనూ వెంకటరమణాచార్యులు పనిచేశారు. శేషాద్రి రమణకవులు కావ్యపరిష్కర్తలుగా, పీఠికాకర్తలుగా, పరిశోధన రంగంలో కీర్తి గడించారు. వసుచరిత్రవ్యాఖ్య, ఆంధ్రపదనిధానము, రెడ్డికులనిర్ణయ చంద్రిక, మేదినీహారావళి నిఘంటు వివరణము మున్నగునవి వారి పాండితీ ప్రతిభకు నిదర్శనాలు. సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారు సంకలించిన 'గోలకొండకవుల సంచిక' కు వారు పూర్వకవి పరిచయం సమకూర్చారు. రుద్రమదేవి గణపతిదేవుని కూతురని, మల్లినాథసూరి, మల్లికార్జున పండితారాధ్యుడు తెలంగాణము వారని నిరూపించిన పరిశోధకులు వెంకటరమణాచార్యులు గారు.

తెలంగాణాలో జన్మించి తెలుగుభాషా సాహిత్యాల వికాసానికి విశేషంగా పరిశ్రమించిన పరిశోధకులలో అగ్రగణ్యులు ఆదిరాజు వీరభద్రరావు, సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారలు. మాడపాటి హనుమంతరావు ప్రభృతుల ఆంధ్రోద్యమం వీరి కృషికి చేయూతనిచ్చింది. ఖమ్మం జిల్లాలో జన్మించిన ఆదిరాజు వీరభద్రరావు గారు (1890–1973) శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం, విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి నిర్వహణలో లక్ష్మణరావుగారికి సహాయకులుగా ఉన్నారు. ఆయన వెంట మద్రాసువెళ్లి సుమారు ఆరు సంవత్సరాలు (1908–1914) ఆయన సాహితీ కృషిలో పాలుపంచుకొన్నారు. లక్ష్మణరావుగారి సాహచర్యంతో గడించిన అనుభవంతో వీరభద్రరావుగారు ఖండవల్లి లక్ష్మీరంజనం గారు తలపెట్టిన సంగ్రహాంధ్ర విజ్ఞాన కోశానికి ప్రధాన సంగ్రాహకులైదాన్ని తీర్చిదిద్దారు. విజ్ఞానకోశంలో స్వయంగా 50 వ్యాసాలు రచించారు. సమకాలీన పత్రికల్లో పెక్కు పరిశోధనాత్మకమైన వ్యాసాలు వెలువరించారు. హైదరాబాదు రేడియోలో తొలి ప్రసంగం కావించిన ఆదిరాజువారి రేడియో ప్రసంగాలు 150 ప్రసారమైనాయి. తెలంగాణా శాసనాలు, షితాబ్ ఖాన్ మొదలగునవి వారి పరిశోధనా పటిమకు ప్రతిబింబాలు. మౌలిక చారిత్రక, సామగ్రి, ఆధారంగా తెలంగాణా చరిత్ర నిర్మాణానికి ఎంతో కృషి సలిపిన పరిశోధక వతంసులు వీరభద్రరావుగారు. 'ప్రాచీనాంధ్ర నగరములు'లో అలంపురం, కొండాపురం, కొలనుపాక, గోలకొండ, పానుగల్లు, భోనగిరి, రాచకొండ, వరంగల్ మొదలైన ప్రాంతాల రాజకీయ, సాంఘిక చరిత్ర వివరింపబడింది. 'మన తెలంగాణము' వ్యాససంపుటిలో కాకతీయుల చరిత్ర, పాకాల సరస్సు, దేవాలయాలు, శాసనాలు, నాణాలు, ఆదిమానవుల

విశదీకరింపబడినాయి.

ఫెరిస్తా వ్రాతలను ఖండించినవారు

(1) కొమర్రాజు వెంకటలక్ష్మణరావు

(2) ఆదిరాజు వీరభద్రరావు

(3) సురవరం ప్రతాపరెడ్డి

(4) రావిచెట్టు రంగారావు

[Question ID = 212][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q92]

1. 1 [Option ID = 845]
2. 2 [Option ID = 846]
3. 3 [Option ID = 847]
4. 4 [Option ID = 848]

3) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

తెలుగు భాషాసాహిత్యాలపై శాస్త్రీయపద్ధతిలో పరిశోధనకు 19వ శతాబ్ది ప్రథమార్ధంలో పునాదులు పడ్డాయి. మెకంజీ, సి.పి. బ్రౌన్, కాల్ డ్వెల్ మొదలైన పాశ్చాత్యులు, వారి సన్నిహితులైన ఆంధ్రవిద్యాంసులు ఇందుకు పాటుపడ్డారు. వీరేశలింగయుగంలో – అంటే ఉత్తరార్ధంలో తెలుగు విమర్శ ప్రత్యేక ప్రక్రియా స్వరూపాన్ని సంతరించుకున్నది. కావ్యపరిష్కరణలు, శబ్దపాఠచర్చలు, కవిచరిత్రలు విమర్శలు మున్నగువాని రూపంలో అది కొనసాగింది. ఇరవయ్యవ శతాబ్దంలో నూత్నసాహితీ ప్రక్రియల అవతరణతో వాటి సమాలోచన దిశగా విమర్శనాత్మక సాహిత్యం విస్తృతమైంది. పరిశోధన, విమర్శ అవినాభావ సంబంధమైనవి. పరిశోధన ఆధారంగా వెలుగులోకి వచ్చిన నూత్న సత్యాలను శాస్త్రీయంగా విశ్లేషించి, కవుల భావనాత్మక వ్యాపారాన్ని సహృదయంగమంగా విశదీకరిస్తుంది, విలువకడుతుంది. విమర్శ.

తెలంగాణాలో పరిశోధనకు శ్రీకారం చుట్టినవారు కొమర్రాజు వెంకటలక్ష్మణరావు గారు (1876–1923). కృష్ణాజిల్లాలో జన్మించిన లక్ష్మణరావు గారి బాల్యం కొంతకాలం భువనగిరి, దేవరకొండలో గడిచింది. హైదరాబాదును కార్యక్షేత్రంగా చేసుకొని వారు తమ భాషోద్యమాన్ని ప్రారంభించారు. "దేశాభివృద్ధికి భాషాభివృద్ధి యొక్క సాధనము"గా గ్రహించిన కొమర్రాజు గారు మునగాలరాజా నాయని వెంకటరంగారావు ప్రోత్సాహంతో, రావిచెట్టు రంగారావు సహకారంతో 1901లో శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం స్థాపించారు. దానిని కేంద్రంగా చేసుకొని 1905 లో ఆయన నెలకొల్పిన విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి దేశచరిత్రకు సంబంధించిన పరిశోధన గ్రంథాలను ప్రకటించింది. 1908లో ఆయన మద్రాసుకు వెళ్ళటంతో ఆ గ్రంథమండలి కూడా అక్కడికి తరలి వెళ్ళింది.

లక్ష్మణరావు గారు భాషాసాహిత్య విషయకములైన పరిశోధనా వ్యాసాలు పెక్కు విరచించారు. ఏకశిలానగరం ఓరుగల్లే కాని ఒంటిమిట్టగాదని సోపపత్తికంగా నిరూపించారు. రామాయణంలోని పర్ణశాల భద్రాచలం సమీపంలోనిదేనని చాటి చెప్పారు. మహమ్మదీయ

నుండి కాకుండా దమద్ మిల్లాఖాన్ నుంచి వశపర్చుకొన్నాడని అద్దంకి గంగాధరకవి 'తపతీసంవరణోపాఖ్యానం' ఆధారంగా వెల్లడించారు. అలాగే కొండవీడు దగ్గర కృష్ణరాయలు ఓడిపోయాడన్న అభిప్రాయాన్ని ఖండిస్తూ సూరన కళాపూర్ణోదయం ఆధారంగా కులీకుతుబ్ షాయే ఆరవీటి రామరాయల చేతిలో ఓడిపోయాడని వాదించారు. 'మహమ్మదీయ మహాయుగం' గ్రంథంలో అక్కన్న మాదన్నల చరిత్రను సవిస్తరంగా పేర్కొన్నారు. తెలుగులో విజ్ఞానసర్వస్వ నిర్మాణానికి శ్రీకారం చుట్టిన లక్ష్మణరావు గారి సంపాదకత్వంలో ఆంధ్రవిజ్ఞాన సర్వస్వం మూడు సంపుటాలు (1915–18) వెలువడ్డాయి. వీనిలోని వ్యాసాలు, సమకాలీన పత్రికల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలు 'లక్ష్మణరాయ వ్యాసావళి' పేరుతో రెండుభాగాలుగా వెలువడ్డాయి. అభిజ్ఞాన శాకుంతలం, లలితకళలు మున్నగు వ్యాసాలు ఆయన విమర్శనాదృష్టికీ, పరిశోధనా పటిమకూ ఎత్తి చూపదగినవి. కొమర్రాజు గారు అనేక పారిభాషికపదాలను రూపొందించి భాషా పరిశోధకులకు మార్గదర్శకులైనారు. ఎడిటర్ అంటే సంపాదకుడు, యూనివర్సిటీ అంటే విశ్వవిద్యాలయం అని వారు కల్పించిన పదాలే ఈనాడు వాడుకలో ఉన్నాయి.

నిజాం ప్రభుత్వం హైదరాబాదు నగరంలో తెలుగుభాషా ప్రగతికి కంటకంగా పరిణమించినా పొరుగున వున్న జిల్లాలలోని సంస్థానాధీశులు మాత్రం నిరాటంకంగా తెలుగు సాహిత్యపోషణకు పాటుపడటం గమనార్హం. పాలమూరు జిల్లాలోని గద్వాల, వనపర్తి, జటప్రోలు, ఆత్మకూరు సంస్థానాలు ఈ విషయంలో ఎంతో ముందంజవేశాయి, సుప్రసిద్ధ పరిశోధకులు మానవల్లి రామకృష్ణకవి గారు (1866–1957) రాజా సర్వై రామేశ్వరరావు బహద్దర్ గారి అంతరంగిక కార్యదర్శిగా పది సంవత్సరాలపాటు (1904–1913) వనపర్తిని నెలవుగా చెసుకొని సారస్వత సేవ కొనసాగించారు. 'విస్మృతకవులు' శీర్షికలో అనేక అముద్రిత గ్రంథాలను పరిష్కరించి వెలుగులోనికి తెచ్చారు. కుమార సంభవం (1908), క్రీడాభిరామం (1909), ప్రబంధమణిభూషణం (1910), నీతిశాస్త్ర ముక్తావళి (1910), అనర్ఘరాఘవం (1911), పరతత్త్వ రసాయనం (1911), త్రిపురాంతకోదాహరణం (1912), శ్రీరంగమాహాత్మ్యం (1912) మొదలగునవి వారు ప్రకటించిన కావ్యాలు. వనపర్తిలో వుండగానే పరిశోధకునిగా పరిణతి పొందిన మానవల్లి గారు కొన్ని శాసన ప్రతిబింబాలను Lythic Records of Hyderabad State పేరుతో ప్రచురించారు. వనపర్తి పాలకులు నెలకొల్పిన బ్రహ్మవిద్యావిలాస ముద్రాక్షరశాల తెలంగాణాలోనే ప్రాచీన ముద్రణశాలగా పేర్కొనదగింది.

శేషాద్రి రమణకవులుగా వాసికెక్కిన దూపాటి శేషాచార్యులు (1890–1940), దూపాటి వెంకటరమణాచార్యులు (1893–1963) గుంటూరులో జన్మించినప్పటికీ హనుమకొండను ఆవాసంగా చేసుకొని సాహిత్య పరిశోధన కావించారు. వెంకటరమణాచార్యులు, జయంతి రామయ్య పంతులు కోరికపై తెలంగాణా అంతటా పర్యటించి పెక్కు తాళపత్ర ప్రతులను, శాసనాలను సేకరించి ఆంధ్రసాహిత్యపరిషత్తుకు చేర్చారు. రామప్ప, పాకాల, కొలనుపాక శాసనాలను ప్రకటించారు. హనుమకొండలో సంస్కృతాంధ్ర పండితులుగా పనిచేస్తూ చారిత్రక పరిశోధక మండలిని ఏర్పాటు చేసి 1931లో అఖిలాంధ్ర చారిత్రక సమ్మేళనాన్ని

నిర్వహించారు. నిర్మల్, కందనూరు మొదలగు ప్రాంతాల్లోనూ, హైదరాబాదు పురాతత్త్వశాఖలోనూ వెంకటరమణాచార్యులు పనిచేశారు. శేషాద్రి రమణకవులు కావ్యపరిష్కర్తలుగా, పీఠికాకర్తలుగా, పరిశోధన రంగంలో కీర్తి గడించారు. వసుచరిత్రవ్యాఖ్య, ఆంధ్రపదనిధానము, రెడ్డికులనిర్ణయ చంద్రిక, మేదినీహారావళి నిఘంటు వివరణము మున్నగునవి వారి పాండితీ ప్రతిభకు నిదర్శనాలు. సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారు సంకలించిన 'గోలకొండకవుల సంచిక' కు వారు పూర్వకవి పరిచయం సమకూర్చారు. రుద్రమదేవి గణపతిదేవుని కూతురని, మల్లినాథసూరి, మల్లికార్జున పండితారాధ్యుడు తెలంగాణము వారని నిరూపించిన పరిశోధకులు వెంకటరమణాచార్యులు గారు.

తెలంగాణాలో జన్మించి తెలుగుభాషా సాహిత్యాల వికాసానికి విశేషంగా పరిశ్రమించిన పరిశోధకులలో అగ్రగణ్యులు ఆదిరాజు వీరభద్రరావు, సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారలు. మాడపాటి హనుమంతరావు ప్రభృతుల ఆంధ్రోద్యమం వీరి కృషికి చేయూతనిచ్చింది. ఖమ్మం జిల్లాలో జన్మించిన ఆదిరాజు వీరభద్రరావు గారు (1890–1973) శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం, విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి నిర్వహణలో లక్ష్మణరావుగారికి సహాయకులుగా ఉన్నారు. ఆయన వెంట మద్రాసువెళ్లి సుమారు ఆరు సంవత్సరాలు (1908–1914) ఆయన సాహితీ కృషిలో పాలుపంచుకొన్నారు. లక్ష్మణరావుగారి సాహచర్యంతో గడించిన అనుభవంతో వీరభద్రరావుగారు ఖండవల్లి లక్ష్మీరంజనం గారు తలపెట్టిన సంగ్రహాంధ్ర విజ్ఞాన కోశానికి ప్రధాన సంగ్రాహకులైదాన్ని తీర్చిదిద్దారు. విజ్ఞానకోశంలో స్వయంగా 50 వ్యాసాలు రచించారు. సమకాలీన పత్రికల్లో పెక్కు పరిశోధనాత్మకమైన వ్యాసాలు వెలువరించారు. హైదరాబాదు రేడియోలో తొలి ప్రసంగం కావించిన ఆదిరాజువారి రేడియో ప్రసంగాలు 150 ప్రసారమైనాయి. తెలంగాణా శాసనాలు, పితాబ్ ఖాన్ మొదలగునవి వారి పరిశోధనా పటిమకు ప్రతిబింబాలు. మౌలిక చారిత్రక, సామగ్రి, ఆధారంగా తెలంగాణా చరిత్ర నిర్మాణానికి ఎంతో కృషి సలిపిన పరిశోధక వతంసులు వీరభద్రరావుగారు. 'ప్రాచీనాంధ్ర నగరములు'లో అలంపురం, కొండాపురం, కొలనుపాక, గోలకొండ, పానుగల్లు, భోనగిరి, రాచకొండ, వరంగల్ మొదలైన ప్రాంతాల రాజకీయ, సాంఘిక చరిత్ర వివరింపబడింది. 'మన తెలంగాణము' వ్యాససంపుటిలో కాకతీయుల చరిత్ర, పాకాల సరస్సు, దేవాలయాలు, శాసనాలు, నాణాలు, ఆదిమానవుల సమాధులైన కెయిరనులు (రక్కసి గుళ్లు) మొదలైన చారిత్రకాంశాలు విశదీకరింపబడినాయి.

పురాతత్త్వ శాఖలో పనిచేసినవారు

(1) అద్దంకి గంగాధర కవి

(2) వెంకటరమణాచార్యులు

(3) సురవరం ప్రతాపరెడ్డి

(4) ఆదిరాజు వీరభద్రరావు

[Question ID = 213][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q93]

1. 1 [Option ID = 849]
2. 2 [Option ID = 850]

3. 3 [Option ID = 851]
4. 4 [Option ID = 852]

4) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

తెలుగు భాషాసాహిత్యాలపై శాస్త్రీయపద్ధతిలో పరిశోధనకు 19వ శతాబ్ది ప్రథమార్ధంలో పునాదులు పడ్డాయి. మెకంజీ, సి.పి. బ్రౌన్, కాల్ డ్వెల్ మొదలైన పాశ్చాత్యులు, వారి సన్నిహితులైన ఆంధ్రవిద్వాంసులు ఇందుకు పాటుపడ్డారు. వీరేశలింగయుగంలో – అంటే ఉత్తరార్ధంలో తెలుగు విమర్శ ప్రత్యేక ప్రక్రియా స్వరూపాన్ని సంతరించుకున్నది. కావ్యపరిష్కరణలు, శబ్దపాఠచర్చలు, కవిచరిత్రలు విమర్శలు మున్నగువాని రూపంలో అది కొనసాగింది. ఇరవయ్యవ శతాబ్దంలో నూత్నసాహితీ ప్రక్రియల అవతరణతో వాటి సమాలోచన దిశగా విమర్శనాత్మక సాహిత్యం విస్తృతమైంది. పరిశోధన, విమర్శ అవినాభావ సంబంధమైనవి. పరిశోధన ఆధారంగా వెలుగులోకి వచ్చిన నూత్న సత్యాలను శాస్త్రీయంగా విశ్లేషించి, కవుల భావనాత్మక వ్యాపారాన్ని సహృదయంగమంగా విశదీకరిస్తుంది, విలువకడుతుంది. విమర్శ.

తెలంగాణాలో పరిశోధనకు శ్రీకారం చుట్టినవారు కొమర్రాజు వెంకటలక్ష్మణరావు గారు (1876–1923). కృష్ణాజిల్లాలో జన్మించిన లక్ష్మణరావు గారి బాల్యం కొంతకాలం భువనగిరి, దేవరకొండలో గడిచింది. హైదరాబాదును కార్యక్షేత్రంగా చేసుకొని వారు తమ భాషోద్యమాన్ని ప్రారంభించారు. "దేశాభివృద్ధికి భాషాభివృద్ధి యొక్క సాధనము"గా గ్రహించిన కొమర్రాజు గారు మునగాలరాజా నాయని వెంకటరంగారావు ప్రోత్సాహంతో, రావిచెట్టు రంగారావు సహకారంతో 1901లో శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం స్థాపించారు. దానిని కేంద్రంగా చేసుకొని 1905 లో ఆయన నెలకొల్పిన విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి దేశచరిత్రకు సంబంధించిన పరిశోధన గ్రంథాలను ప్రకటించింది. 1908లో ఆయన మద్రాసుకు వెళ్ళటంతో ఆ గ్రంథమండలి కూడా అక్కడికి తరలి వెళ్ళింది.

లక్ష్మణరావు గారు భాషాసాహిత్య విషయకములైన పరిశోధనా వ్యాసాలు పెక్కు విరచించారు. ఏకశిలానగరం ఓరుగల్లే కాని ఒంటిమిట్టగాదని సోపపత్తికంగా నిరూపించారు. రామాయణంలోని పర్ణశాల భద్రాచలం సమీపంలోనిదేనని చాటి చెప్పారు. మహమ్మదీయ చరిత్రకారుడు ఫెరిస్తా వ్రాతలను ఖండిస్తూ కులీకుతుబ్ షా పానగల్లు దుర్గాన్ని కృష్ణరాయల నుండి కాకుండా దమద్ మిల్లాఖాన్ నుంచి వశపర్చుకొన్నాడని అద్దంకి గంగాధరకవి 'తపతీసంవరణోపాఖ్యానం' ఆధారంగా వెల్లడించారు. అలాగే కొండవీడు దగ్గర కృష్ణరాయలు ఓడిపోయాడన్న అభిప్రాయాన్ని ఖండిస్తూ సూరన కళాపూర్ణోదయం ఆధారంగా కులీకుతుబ్ షాయే అరవీటి రామరాయల చేతిలో ఓడిపోయాడని వాదించారు. 'మహమ్మదీయ మహాయుగం' గ్రంథంలో అక్కన్న మాదన్నల చరిత్రను సవిస్తరంగా పేర్కొన్నారు. తెలుగులో విజ్ఞానసర్వస్వ నిర్మాణానికి శ్రీకారం చుట్టిన లక్ష్మణరావు గారి సంపాదకత్వంలో ఆంధ్రవిజ్ఞాన సర్వస్వం మూడు సంపుటాలు (1915–18) వెలువడ్డాయి. వీనిలోని వ్యాసాలు, సమకాలీన పత్రికల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలు 'లక్ష్మణరాయ వ్యాసావళి' పేరుతో రెండుభాగాలుగా వెలువడ్డాయి. అభిజ్ఞాన శాకుంతలం, లలితకళలు మున్నగు వ్యాసాలు ఆయన

విమర్శనాదృష్టిక, పరిశోధనా పటిమకూ ఎత్తి చూపదగినవి. కొమర్రాజు గారు అనేక పారిభాషికపదాలను రూపొందించి భాషా పరిశోధకులకు మార్గదర్శకులైనారు. ఎడిటర్ అంటే సంపాదకుడు, యూనివర్సిటీ అంటే విశ్వవిద్యాలయం అని వారు కల్పించిన పదాలే ఈనాడు వాడుకలో ఉన్నాయి.

నిజాం ప్రభుత్వం హైదరాబాదు నగరంలో తెలుగుభాషా ప్రగతికి కంటకంగా పరిణమించినా పొరుగున వున్న జిల్లాలలోని సంస్థానాధీశులు మాత్రం నిరాటంకంగా తెలుగు సాహిత్యపోషణకు పాటుపడటం గమనార్హం. పాలమూరు జిల్లాలోని గద్వాల, వనపర్తి, జటప్రోలు, ఆత్మకూరు సంస్థానాలు ఈ విషయంలో ఎంతో ముందంజవేశాయి, సుప్రసిద్ధ పరిశోధకులు మానవల్లి రామకృష్ణకవి గారు (1866–1957) రాజా సవై రామేశ్వరరావు బహద్దర్ గారి అంతరంగిక కార్యదర్శిగా పది సంవత్సరాలపాటు (1904–1913) వనపర్తిని నెలవుగా చెసుకొని సారస్వత సేవ కొనసాగించారు. 'విస్మృతకవులు' శీర్షికలో అనేక అముద్రిత గ్రంథాలను పరిష్కరించి వెలుగులోనికి తెచ్చారు. కుమార సంభవం (1908), క్రీడాభిరామం (1909), ప్రబంధమణిభూషణం (1910), నీతిశాస్త్ర ముక్తావళి (1910), అనర్ఘరాఘవం (1911), పరతత్త్వ రసాయనం (1911), త్రిపురాంతకోదాహరణం (1912), శ్రీరంగమాహాత్మ్యం (1912) మొదలగునవి వారు ప్రకటించిన కావ్యాలు. వనపర్తిలో వుండగానే పరిశోధకునిగా పరిణతి పొందిన మానవల్లి గారు కొన్ని శాసన ప్రతిబింబాలను Lythic Records of Hyderabad State పేరుతో ప్రచురించారు. వనపర్తి పాలకులు నెలకొల్పిన బ్రహ్మవిద్యావిలాస ముద్రాక్షరశాల తెలంగాణాలోనే ప్రాచీన ముద్రణశాలగా పేర్కొనదగింది.

శేషాద్రి రమణకవులుగా వాసికెక్కిన దూపాటి శేషాచార్యులు (1890–1940), దూపాటి వెంకటరమణాచార్యులు (1893–1963) గుంటూరులో జన్మించినప్పటికీ హనుమకొండను ఆవాసంగా చేసుకొని సాహిత్య పరిశోధన కావించారు. వెంకటరమణాచార్యులు, జయంతి రామయ్య పంతులు కోరికపై తెలంగాణా అంతటా పర్యటించి పెక్కు తాళపత్ర ప్రతులను, శాసనాలను సేకరించి ఆంధ్రసాహిత్యపరిషత్తుకు చేర్చారు. రామప్ప, పాకాల, కొలనుపాక శాసనాలను ప్రకటించారు. హనుమకొండలో సంస్కృతాంధ్ర పండితులుగా పనిచేస్తూ చారిత్రక పరిశోధక మండలిని ఏర్పాటు చేసి 1931లో అఖిలాంధ్ర చారిత్రక సమ్మేళనాన్ని నిర్వహించారు. నిర్మల్, కరీంనగర్ మొదలగు ప్రాంతాల్లోనూ, హైదరాబాదు పురాతత్త్వశాఖలోనూ వెంకటరమణాచార్యులు పనిచేశారు. శేషాద్రి రమణకవులు కావ్యపరిష్కర్తలుగా, పీఠికాకర్తలుగా, పరిశోధన రంగంలో కీర్తి గడించారు. వసుచరిత్రవ్యాఖ్య, ఆంధ్రపదనిధానము, రెడ్డికులనిర్ణయ చంద్రిక, మేదినీహారావళి నిఘంటు వివరణము మున్నగునవి వారి పాండితీ ప్రతిభకు నిదర్శనాలు. సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారు సంకలించిన 'గోలకొండకవుల సంచిక' కు వారు పూర్వకవి పరిచయం సమకూర్చారు. రుద్రమదేవి గణపతిదేవుని కూతురని, మల్లినాథసూరి, మల్లికార్జున పండితారాధ్యుడు తెలంగాణము వారని నిరూపించిన పరిశోధకులు వెంకటరమణాచార్యులు గారు.

తెలంగాణాలో జన్మించి తెలుగుభాషా సాహిత్యాల వికాసానికి విశేషంగా పరిశ్రమించిన పరిశోధకులలో అగ్రగణ్యులు ఆదిరాజు వీరభద్రరావు, సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారలు.

మాడపాటి హనుమంతరావు ప్రభృతుల ఆంధ్రోద్యమం వీరి కృషికి చేయూతనిచ్చింది. ఖమ్మం జిల్లాలో జన్మించిన ఆదిరాజు వీరభద్రరావు గారు (1890–1973) శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం, విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి నిర్వహణలో లక్ష్మణరావుగారికి సహాయకులుగా ఉన్నారు. ఆయన వెంట మద్రాసువెళ్లి సుమారు ఆరు సంవత్సరాలు (1908–1914) ఆయన సాహితీ కృషిలో పాలుపంచుకొన్నారు. లక్ష్మణరావుగారి సాహచర్యంతో గడించిన అనుభవంతో వీరభద్రరావుగారు ఖండవల్లి లక్ష్మీరంజనం గారు తలపెట్టిన సంగ్రహాంధ్ర విజ్ఞాన కోశానికి ప్రధాన సంగ్రాహకులైదాన్ని తీర్చిదిద్దారు. విజ్ఞానకోశంలో స్వయంగా 50 వ్యాసాలు రచించారు. సమకాలీన పత్రికల్లో పెక్కు పరిశోధనాత్మకమైన వ్యాసాలు వెలువరించారు. హైదరాబాదు రేడియోలో తొలి ప్రసంగం కావించిన ఆదిరాజువారి రేడియో ప్రసంగాలు 150 ప్రసారమైనాయి. తెలంగాణా శాసనాలు, షితాబ్ ఖాన్ మొదలగునవి వారి పరిశోధనా పటిమకు ప్రతిబింబాలు. మౌలిక చారిత్రక, సామగ్రి, ఆధారంగా తెలంగాణా చరిత్ర నిర్మాణానికి ఎంతో కృషి సలిపిన పరిశోధక వతంసులు వీరభద్రరావుగారు. 'ప్రాచీనాంధ్ర నగరములు'లో అలంపురం, కొండాపురం, కొలనుపాక, గోలకొండ, పానుగల్లు, భోనగిరి, రాచకొండ, వరంగల్ మొదలైన ప్రాంతాల రాజకీయ, సాంఘిక చరిత్ర వివరింపబడింది. 'మన తెలంగాణము' వ్యాససంపుటిలో కాకతీయుల చరిత్ర, పాకాల సరస్సు, దేవాలయాలు, శాసనాలు, నాణాలు, ఆదిమానవుల సమాధులైన కెయిరనులు (రక్కసి గుళ్లు) మొదలైన చారిత్రకాంశాలు విశదీకరింపబడినాయి.

ఈ క్రింది వాటిలో ఏది మానవల్లి రామకృష్ణ కవి పరిష్కరించి ప్రకటించని గ్రంథం

(1) పరతత్త్వ రసాయనం

(2) కుమార సంభవం

(3) ప్రబంధ మణిభుషణం

(4) తపతీ సంవరణోపాఖ్యానం

[Question ID = 214][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q94]

1. 1 [Option ID = 853]
2. 2 [Option ID = 854]
3. 3 [Option ID = 855]
4. 4 [Option ID = 856]

5) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

తెలుగు భాషాసాహిత్యాలపై శాస్త్రీయపద్ధతిలో పరిశోధనకు 19వ శతాబ్ది ప్రథమార్థంలో పునాదులు పడ్డాయి. మెకంజీ, సి.పి. బ్రౌన్, కాల్ డ్వెల్ మొదలైన పాశ్చాత్యులు, వారి సన్నిహితులైన ఆంధ్రవిద్యాంసులు ఇందుకు పాటుపడ్డారు. వీరేశలింగయుగంలో – అంటే ఉత్తరార్థంలో తెలుగు విమర్శ ప్రత్యేక ప్రక్రియా స్వరూపాన్ని సంతరించుకున్నది. కావ్యపరిష్కరణలు, శబ్దపారచర్చలు, కవిచరిత్రలు విమర్శలు మున్నగువాని రూపంలో అది కొనసాగింది. ఇరవయ్యవ శతాబ్దంలో నూత్నసాహితీ ప్రక్రియల అవతరణతో వాటి

సమాలోచన దిశగా విమర్శనాత్మక సాహిత్యం విస్తృతమైంది. పరిశోధన, విమర్శ అవినాభావ సంబంధమైనవి. పరిశోధన ఆధారంగా వెలుగులోకి వచ్చిన నూత్న సత్యాలను శాస్త్రీయంగా విశ్లేషించి, కవుల భావనాత్మక వ్యాపారాన్ని సహృదయంగమంగా విశదీకరిస్తుంది, విలువకడుతుంది. విమర్శ.

తెలంగాణాలో పరిశోధనకు శ్రీకారం చుట్టినవారు కొమర్రాజు వెంకటలక్ష్మణరావు గారు (1876–1923). కృష్ణాజిల్లాలో జన్మించిన లక్ష్మణరావు గారి బాల్యం కొంతకాలం భువనగిరి, దేవరకొండలో గడిచింది. హైదరాబాదును కార్యక్షేత్రంగా చేసుకొని వారు తమ భాషోద్యమాన్ని ప్రారంభించారు. "దేశాభివృద్ధికి భాషాభివృద్ధి యొక్క సాధనము"గా గ్రహించిన కొమర్రాజు గారు మునగాలరాజా నాయని వెంకటరంగారావు ప్రోత్సాహంతో, రావిచెట్టు రంగారావు సహకారంతో 1901లో శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం స్థాపించారు. దానిని కేంద్రంగా చేసుకొని 1905 లో ఆయన నెలకొల్పిన విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి దేశచరిత్రకు సంబంధించిన పరిశోధన గ్రంథాలను ప్రకటించింది. 1908లో ఆయన మద్రాసుకు వెళ్ళటంతో ఆ గ్రంథమండలి కూడా అక్కడికి తరలి వెళ్ళింది.

లక్ష్మణరావు గారు భాషాసాహిత్య విషయకములైన పరిశోధనా వ్యాసాలు పెక్కు విరచించారు. ఏకశిలానగరం ఓరుగల్లే కాని ఒంటిమిట్టగాదని సోపపత్తికంగా నిరూపించారు. రామాయణంలోని పర్ణశాల భద్రాచలం సమీపంలోనిదేనని చాటి చెప్పారు. మహమ్మదీయ చరిత్రకారుడు ఫెరిస్తా వ్రాతలను ఖండిస్తూ కులీకుతుబ్ షా పానగల్లు దుర్గాన్ని కృష్ణరాయల నుండి కాకుండా దమద్ మిల్లాఖాన్ నుంచి వశపర్చుకొన్నాడని అద్దంకి గంగాధరకవి 'తపతీసంవరణోపాఖ్యానం' ఆధారంగా వెల్లడించారు. అలాగే కొండవీడు దగ్గర కృష్ణరాయలు ఓడిపోయాడన్న అభిప్రాయాన్ని ఖండిస్తూ సూరన కళాపూర్ణోదయం ఆధారంగా కులీకుతుబ్ షాయే ఆరవీటి రామరాయల చేతిలో ఓడిపోయాడని వాదించారు. 'మహమ్మదీయ మహాయుగం' గ్రంథంలో అక్కన్న మాదన్నల చరిత్రను సవిస్తరంగా పేర్కొన్నారు. తెలుగులో విజ్ఞానసర్వస్వ నిర్మాణానికి శ్రీకారం చుట్టిన లక్ష్మణరావు గారి సంపాదకత్వంలో ఆంధ్రవిజ్ఞాన సర్వస్వం మూడు సంపుటాలు (1915–18) వెలువడ్డాయి. వీనిలోని వ్యాసాలు, సమకాలీన పత్రికల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలు 'లక్ష్మణరాయ వ్యాసావళి' పేరుతో రెండుభాగాలుగా వెలువడ్డాయి. అభిజ్ఞాన శాకుంతలం, లలితకళలు మున్నగు వ్యాసాలు ఆయన విమర్శనాదృష్టికీ, పరిశోధనా పటిమకూ ఎత్తి చూపదగినవి. కొమర్రాజు గారు అనేక పారిభాషికపదాలను రూపొందించి భాషా పరిశోధకులకు మార్గదర్శకులైనారు. ఎడిటర్ అంటే సంపాదకుడు, యూనివర్సిటీ అంటే విశ్వవిద్యాలయం అని వారు కల్పించిన పదాలే ఈనాడు వాడుకలో ఉన్నాయి.

నిజాం ప్రభుత్వం హైదరాబాదు నగరంలో తెలుగుభాషా ప్రగతికి కంటకంగా పరిణమించినా పొరుగున వున్న జిల్లాలలోని సంస్థానాధీశులు మాత్రం నిరాటంకంగా తెలుగు సాహిత్యపోషణకు పాటుపడటం గమనార్హం. పాలమూరు జిల్లాలోని గద్వాల, వనపర్తి, జటప్రోలు, ఆత్మకూరు సంస్థానాలు ఈ విషయంలో ఎంతో ముందంజవేశాయి, సుప్రసిద్ధ పరిశోధకులు మానవల్లి రామకృష్ణకవి గారు (1866–1957) రాజా సప్తై రామేశ్వరరావు బహద్దర్ గారి అంతరంగిక కార్యదర్శిగా పది సంవత్సరాలపాటు (1904–1913) వనపర్తిని

నెలవుగా చెసుకొని సారస్వత సేవ కొనసాగించారు. 'విస్మృతకవులు' శీర్షికలో అనేక అముద్రిత గ్రంథాలను పరిష్కరించి వెలుగులోనికి తెచ్చారు. కుమార సంభవం (1908), క్రీడాభిరామం (1909), ప్రబంధమణిభూషణం (1910), నీతిశాస్త్ర ముక్తావళి (1910), అనర్ఘరాఘవం (1911), పరతత్త్వ రసాయనం (1911), త్రిపురాంతకోదాహరణం (1912), శ్రీరంగమాహాత్మ్యం (1912) మొదలగునవి వారు ప్రకటించిన కావ్యాలు. వనపర్తిలో వుండగానే పరిశోధకునిగా పరిణతి పొందిన మానవల్లి గారు కొన్ని శాసన ప్రతిబింబాలను Lythic Records of Hyderabad State పేరుతో ప్రచురించారు. వనపర్తి పాలకులు నెలకొల్పిన బ్రహ్మవిద్యావిలాస ముద్రాక్షరశాల తెలంగాణాలోనే ప్రాచీన ముద్రణశాలగా పేర్కొనదగింది.

శేషాద్రి రమణకవులుగా వాసికెక్కిన దూపాటి శేషాచార్యులు (1890–1940), దూపాటి వెంకటరమణాచార్యులు (1893–1963) గుంటూరులో జన్మించినప్పటికీ హనుమకొండను ఆవాసంగా చేసుకొని సాహిత్య పరిశోధన కావించారు. వెంకటరమణాచార్యులు, జయంతి రామయ్య పంతులు కోరికపై తెలంగాణా అంతటా పర్యటించి పెక్కు తాళపత్ర ప్రతులను, శాసనాలను సేకరించి ఆంధ్రసాహిత్యపరిషత్తుకు చేర్చారు. రామప్ప, పాకాల, కొలనుపాక శాసనాలను ప్రకటించారు. హనుమకొండలో సంస్కృతాంధ్ర పండితులుగా పనిచేస్తూ చారిత్రక పరిశోధక మండలిని ఏర్పాటు చేసి 1931లో అఖిలాంధ్ర చారిత్రక సమ్మేళనాన్ని నిర్వహించారు. నిర్మల్, కరీంనగర్ మొదలగు ప్రాంతాల్లోనూ, హైదరాబాదు పురాతత్త్వశాఖలోనూ వెంకటరమణాచార్యులు పనిచేశారు. శేషాద్రి రమణకవులు కావ్యపరిష్కర్తలుగా, పీఠికాకర్తలుగా, పరిశోధన రంగంలో కీర్తి గడించారు. వసుచరిత్రవ్యాఖ్య, ఆంధ్రపదనిధానము, రెడ్డికులనిర్ణయ చంద్రిక, మేదినీహారావళి నిఘంటు వివరణము మున్నగునవి వారి పాండితీ ప్రతిభకు నిదర్శనాలు. సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారు సంకలించిన 'గోలకొండకవుల సంచిక' కు వారు పూర్వకవి పరిచయం సమకూర్చారు. రుద్రమదేవి గణపతిదేవుని కూతురని, మల్లినాథసూరి, మల్లికార్జున పండితారాధ్యుడు తెలంగాణము వారని నిరూపించిన పరిశోధకులు వెంకటరమణాచార్యులు గారు.

తెలంగాణాలో జన్మించి తెలుగుభాషా సాహిత్యాల వికాసానికి విశేషంగా పరిశ్రమించిన పరిశోధకులలో అగ్రగణ్యులు ఆదిరాజు వీరభద్రరావు, సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారలు. మాడపాటి హనుమంతరావు ప్రభృతుల ఆంధ్రోద్యమం వీరి కృషికి చేయూతనిచ్చింది. ఖమ్మం జిల్లాలో జన్మించిన ఆదిరాజు వీరభద్రరావు గారు (1890–1973) శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం, విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి నిర్వహణలో లక్ష్మణరావుగారికి సహాయకులుగా ఉన్నారు. ఆయన వెంట మద్రాసువెళ్లి సుమారు ఆరు సంవత్సరాలు (1908–1914) ఆయన సాహితీ కృషిలో పాలుపంచుకొన్నారు. లక్ష్మణరావుగారి సాహచర్యంతో గడించిన అనుభవంతో వీరభద్రరావుగారు ఖండవల్లి లక్ష్మీరంజనం గారు తలపెట్టిన సంగ్రహాంధ్ర విజ్ఞాన కోశానికి ప్రధాన సంగ్రాహకులైదాన్ని తీర్చిదిద్దారు. విజ్ఞానకోశంలో స్వయంగా 50 వ్యాసాలు రచించారు. సమకాలీన పత్రికల్లో పెక్కు పరిశోధనాత్మకమైన వ్యాసాలు వెలువరించారు. హైదరాబాదు రేడియోలో తొలి ప్రసంగం కావించిన ఆదిరాజువారి రేడియో ప్రసంగాలు 150 ప్రసారమైనాయి. తెలంగాణా

శాసనాలు, పితాబ్ ఖాన్ మొదలగునవి వారి పరిశోధనా పటిమకు ప్రతిబింబాలు. మౌలిక చారిత్రక, సామగ్రి, ఆధారంగా తెలంగాణా చరిత్ర నిర్మాణానికి ఎంతో కృషి సలిపిన పరిశోధక వతంసులు వీరభద్రరావుగారు. 'ప్రాచీనాంధ్ర నగరములు'లో అలంపురం, కొండాపురం, కొలనుపాక, గోలకొండ, పానుగల్లు, భోనగిరి, రాచకొండ, వరంగల్ మొదలైన ప్రాంతాల రాజకీయ, సాంఘిక చరిత్ర వివరింపబడింది. 'మన తెలంగాణము' వ్యాససంపుటిలో కాకతీయుల చరిత్ర, పాకాల సరస్సు, దేవాలయాలు, శాసనాలు, నాణాలు, ఆదిమానవుల సమాధులైన కెయిరనులు (రక్కసి గుళ్లు) మొదలైన చారిత్రకాంశాలు విశదీకరింపబడినాయి.

'ప్రాచీనాంధ్ర నగరములు' ఎవరి రచన

(1) ఆది రాజు వీరభద్ర రావు

(2) మానవల్లి రామకృష్ణ కవి

(3) సురవరం ప్రతాపరెడ్డి

(4) వెంకట రమణాచార్యులు

[Question ID = 215][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q95]

1. 1 [Option ID = 857]
2. 2 [Option ID = 858]
3. 3 [Option ID = 859]
4. 4 [Option ID = 860]

6) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

తెలుగు భాషాసాహిత్యాలపై శాస్త్రీయపద్ధతిలో పరిశోధనకు 19వ శతాబ్ది ప్రథమార్థంలో పునాదులు పడ్డాయి. మెకంజీ, సి.పి. బ్రౌన్, కాల్ డ్వెల్ మొదలైన పాశ్చాత్యులు, వారి సన్నిహితులైన ఆంధ్రవిద్యాంసులు ఇందుకు పాటుపడ్డారు. వీరేశలింగయుగంలో – అంటే ఉత్తరార్ధంలో తెలుగు విమర్శ ప్రత్యేక ప్రక్రియా స్వరూపాన్ని సంతరించుకున్నది. కావ్యపరిష్కరణలు, శబ్దపారచర్చలు, కవిచరిత్రలు విమర్శలు మున్నగువాని రూపంలో అది కొనసాగింది. ఇరవయ్యవ శతాబ్దంలో నూత్నసాహితీ ప్రక్రియల అవతరణతో వాటి సమాలోచన దిశగా విమర్శనాత్మక సాహిత్యం విస్తృతమైంది. పరిశోధన, విమర్శ అవినాభావ సంబంధమైనవి. పరిశోధన ఆధారంగా వెలుగులోకి వచ్చిన నూత్న సత్యాలను శాస్త్రీయంగా విశ్లేషించి, కవుల భావనాత్మక వ్యాపారాన్ని సహృదయంగమంగా విశదీకరిస్తుంది, విలువకడుతుంది. విమర్శ.

తెలంగాణాలో పరిశోధనకు శ్రీకారం చుట్టినవారు కొమర్రాజు వెంకటలక్ష్మణరావు గారు (1876–1923). కృష్ణాజిల్లాలో జన్మించిన లక్ష్మణరావు గారి బాల్యం కొంతకాలం భువనగిరి, దేవరకొండలో గడిచింది. హైదరాబాదును కార్యక్షేత్రంగా చేసుకొని వారు తమ భాషోద్యమాన్ని ప్రారంభించారు. "దేశాభివృద్ధికి భాషాభివృద్ధి యొక్క సాధనము"గా గ్రహించిన కొమర్రాజు గారు మునగాలరాజా నాయని వెంకటరంగారావు ప్రోత్సాహంతో, రావిచెట్టు రంగారావు సహకారంతో 1901లో శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం స్థాపించారు. దానిని కేంద్రంగా

చేసుకొని 1905 లో ఆయన నెలకొల్పిన విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి దేశచరిత్రకు సంబంధించిన పరిశోధన గ్రంథాలను ప్రకటించింది. 1908లో ఆయన మద్రాసుకు వెళ్ళటంతో ఆ గ్రంథమండలి కూడా అక్కడికి తరలి వెళ్ళింది.

లక్ష్మణరావు గారు భాషాసాహిత్య విషయకములైన పరిశోధనా వ్యాసాలు పెక్కు విరచించారు. ఏకశిలానగరం ఓరుగల్లే కాని ఒంటిమిట్టగాదని సోపపత్తికంగా నిరూపించారు. రామాయణంలోని పర్ణశాల భద్రాచలం సమీపంలోనిదేనని చాటి చెప్పారు. మహమ్మదీయ చరిత్రకారుడు ఫెరిస్తా వ్రాతలను ఖండిస్తూ కులీకుతుబ్ షా పానగల్లు దుర్గాన్ని కృష్ణరాయల నుండి కాకుండా దమద్ మిల్లాఖాన్ నుంచి వశపర్చుకొన్నాడని అద్దంకి గంగాధరకవి 'తపతీసంవరణోపాఖ్యానం' ఆధారంగా వెల్లడించారు. అలాగే కొండవీడు దగ్గర కృష్ణరాయలు ఓడిపోయాడన్న అభిప్రాయాన్ని ఖండిస్తూ సూరన కళాపూర్ణోదయం ఆధారంగా కులీకుతుబ్ షాయే ఆరవీటి రామరాయల చేతిలో ఓడిపోయాడని వాదించారు. 'మహమ్మదీయ మహాయుగం' గ్రంథంలో అక్కన్న మాదన్నల చరిత్రను సవిస్తరంగా పేర్కొన్నారు. తెలుగులో విజ్ఞానసర్వస్వ నిర్మాణానికి శ్రీకారం చుట్టిన లక్ష్మణరావు గారి సంపాదకత్వంలో ఆంధ్రవిజ్ఞాన సర్వస్వం మూడు సంపుటాలు (1915–18) వెలువడ్డాయి. వీనిలోని వ్యాసాలు, సమకాలీన పత్రికల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలు 'లక్ష్మణరాయ వ్యాసావళి' పేరుతో రెండుభాగాలుగా వెలువడ్డాయి. అభిజ్ఞాన శాకుంతలం, లలితకళలు మున్నగు వ్యాసాలు ఆయన విమర్శనాదృష్టికీ, పరిశోధనా పటిమకూ ఎత్తి చూపదగినవి. కొమర్రాజు గారు అనేక పారిభాషికపదాలను రూపొందించి భాషా పరిశోధకులకు మార్గదర్శకులైనారు. ఎడిటర్ అంటే సంపాదకుడు, యూనివర్సిటీ అంటే విశ్వవిద్యాలయం అని వారు కల్పించిన పదాలే ఈనాడు వాడుకలో ఉన్నాయి.

నిజాం ప్రభుత్వం హైదరాబాదు నగరంలో తెలుగుభాషా ప్రగతికి కంటకంగా పరిణమించినా పొరుగున వున్న జిల్లాలలోని సంస్థానాధీశులు మాత్రం నిరాటంకంగా తెలుగు సాహిత్యపోషణకు పాటుపడటం గమనార్హం. పాలమూరు జిల్లాలోని గద్వాల, వనపర్తి, జటప్రోలు, ఆత్మకూరు సంస్థానాలు ఈ విషయంలో ఎంతో ముందంజవేశాయి, సుప్రసిద్ధ పరిశోధకులు మానవల్లి రామకృష్ణకవి గారు (1866–1957) రాజా సర్వై రామేశ్వరరావు బహద్దర్ గారి అంతరంగిక కార్యదర్శిగా పది సంవత్సరాలపాటు (1904–1913) వనపర్తిని నెలవుగా చెసుకొని సారస్వత సేవ కొనసాగించారు. 'విస్మృతకవులు' శీర్షికలో అనేక అముద్రిత గ్రంథాలను పరిష్కరించి వెలుగులోనికి తెచ్చారు. కుమార సంభవం (1908), క్రీడాభిరామం (1909), ప్రబంధమణిభూషణం (1910), నీతిశాస్త్ర ముక్తావళి (1910), అనర్ఘరాఘవం (1911), పరతత్త్వ రసాయనం (1911), త్రిపురాంతకోదాహరణం (1912), శ్రీరంగమాహాత్మ్యం (1912) మొదలగునవి వారు ప్రకటించిన కావ్యాలు. వనపర్తిలో వుండగానే పరిశోధకునిగా పరిణతి పొందిన మానవల్లి గారు కొన్ని శాసన ప్రతిబింబాలను Lythic Records of Hyderabad State పేరుతో ప్రచురించారు. వనపర్తి పాలకులు నెలకొల్పిన బ్రహ్మవిద్యావిలాస ముద్రాక్షరశాల తెలంగాణాలోనే ప్రాచీన ముద్రణశాలగా పేర్కొనదగింది.

శేషాద్రి రమణకవులుగా వాసికెక్కిన దూపాటి శేషాచార్యులు (1890–1940), దూపాటి

వెంకటరమణాచార్యులు (1893–1963) గుంటూరులో జన్మించినప్పటికీ హనుమకొండను ఆవాసంగా చేసుకొని సాహిత్య పరిశోధన కావించారు. వెంకటరమణాచార్యులు, జయంతి రామయ్య పంతులు కోరికపై తెలంగాణా అంతటా పర్యటించి పెక్కు తాళపత్ర ప్రతులను, శాసనాలను సేకరించి ఆంధ్రసాహిత్యపరిషత్తుకు చేర్చారు. రామప్ప, పాకాల, కొలనుపాక శాసనాలను ప్రకటించారు. హనుమకొండలో సంస్కృతాంధ్ర పండితులుగా పనిచేస్తూ చారిత్రక పరిశోధక మండలిని ఏర్పాటు చేసి 1931లో అఖిలాంధ్ర చారిత్రక సమ్మేళనాన్ని నిర్వహించారు. నిర్మల్, కరీంనగర్ మొదలగు ప్రాంతాల్లోనూ, హైదరాబాదు పురాతత్త్వశాఖలోనూ వెంకటరమణాచార్యులు పనిచేశారు. శేషాద్రి రమణకవులు కావ్యపరిష్కర్తలుగా, పీఠికాకర్తలుగా, పరిశోధన రంగంలో కీర్తి గడించారు. వసుచరిత్రవ్యాఖ్య, ఆంధ్రపదనిధానము, రెడ్డికులనిర్ణయ చంద్రిక, మేదినీహారావళి నిఘంటు వివరణము మున్నగునవి వారి పాండితీ ప్రతిభకు నిదర్శనాలు. సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారు సంకలించిన 'గోలకొండకవుల సంచిక' కు వారు పూర్వకవి పరిచయం సమకూర్చారు. రుద్రమదేవి గణపతిదేవుని కూతురని, మల్లినాథసూరి, మల్లికార్జున పండితారాధ్యుడు తెలంగాణము వారని నిరూపించిన పరిశోధకులు వెంకటరమణాచార్యులు గారు.

తెలంగాణాలో జన్మించి తెలుగుభాషా సాహిత్యాల వికాసానికి విశేషంగా పరిశ్రమించిన పరిశోధకులలో అగ్రగణ్యులు ఆదిరాజు వీరభద్రరావు, సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారలు. మాడపాటి హనుమంతరావు ప్రభృతుల ఆంధ్రోద్యమం వీరి కృషికి చేయూతనిచ్చింది. ఖమ్మం జిల్లాలో జన్మించిన ఆదిరాజు వీరభద్రరావు గారు (1890–1973) శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం, విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి నిర్వహణలో లక్ష్మణరావుగారికి సహాయకులుగా ఉన్నారు. ఆయన వెంట మద్రాసువెళ్లి సుమారు ఆరు సంవత్సరాలు (1908–1914) ఆయన సాహితీ కృషిలో పాలుపంచుకొన్నారు. లక్ష్మణరావుగారి సాహచర్యంతో గడించిన అనుభవంతో వీరభద్రరావుగారు ఖండవల్లి లక్ష్మీరంజనం గారు తలపెట్టిన సంగ్రహాంధ్ర విజ్ఞాన కోశానికి ప్రధాన సంగ్రాహకులైదాన్ని తీర్చిదిద్దారు. విజ్ఞానకోశంలో స్వయంగా 50 వ్యాసాలు రచించారు. సమకాలీన పత్రికల్లో పెక్కు పరిశోధనాత్మకమైన వ్యాసాలు వెలువరించారు. హైదరాబాదు రేడియోలో తొలి ప్రసంగం కావించిన ఆదిరాజువారి రేడియో ప్రసంగాలు 150 ప్రసారమైనాయి. తెలంగాణా శాసనాలు, షితాబ్ ఖాన్ మొదలగునవి వారి పరిశోధనా పటిమకు ప్రతిబింబాలు. మౌలిక చారిత్రక, సామగ్రి, ఆధారంగా తెలంగాణా చరిత్ర నిర్మాణానికి ఎంతో కృషి సలిపిన పరిశోధక వతంసులు వీరభద్రరావుగారు. 'ప్రాచీనాంధ్ర నగరములు'లో అలంపురం, కొండాపురం, కొలనుపాక, గోలకొండ, పానుగల్లు, భోనగిరి, రాచకొండ, వరంగల్ మొదలైన ప్రాంతాల రాజకీయ, సాంఘిక చరిత్ర వివరింపబడింది. 'మన తెలంగాణము' వ్యాససంపుటిలో కాకతీయుల చరిత్ర, పాకాల సరస్సు, దేవాలయాలు, శాసనాలు, నాణాలు, ఆదిమానవుల సమాధులైన కెయిరనులు (రక్కసి గుళ్లు) మొదలైన చారిత్రకాంశాలు విశదీకరింపబడినాయి.

అక్కన్న మాదన్నల చరిత్రను పేర్కొన్న గ్రంథం

(1) లక్ష్మణరాయ వ్యాసావళి

(2) తపతీ సంవరణోపాఖ్యానం

(3) మహ్మదీయ మహాయుగం

(4) క్రీడాభిరామం

[Question ID = 216][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q96]

1. 1 [Option ID = 861]
2. 2 [Option ID = 862]
3. 3 [Option ID = 863]
4. 4 [Option ID = 864]

7) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

తెలుగు భాషాసాహిత్యాలపై శాస్త్రీయపద్ధతిలో పరిశోధనకు 19వ శతాబ్ది ప్రథమార్థంలో పునాదులు పడ్డాయి. మెకంజీ, సి.పి. బ్రౌన్, కాల్ డ్వెల్ మొదలైన పాశ్చాత్యులు, వారి సన్నిహితులైన ఆంధ్రవిద్యాంసులు ఇందుకు పాటుపడ్డారు. వీరేశలింగయుగంలో – అంటే ఉత్తరార్థంలో తెలుగు విమర్శ ప్రత్యేక ప్రక్రియా స్వరూపాన్ని సంతరించుకున్నది. కావ్యపరిష్కరణలు, శబ్దపారచర్చలు, కవిచరిత్రలు విమర్శలు మున్నగువాని రూపంలో అది కొనసాగింది. ఇరవయ్యవ శతాబ్దంలో నూత్నసాహితీ ప్రక్రియల అవతరణతో వాటి సమాలోచన దిశగా విమర్శనాత్మక సాహిత్యం విస్తృతమైంది. పరిశోధన, విమర్శ అవినాభావ సంబంధమైనవి. పరిశోధన ఆధారంగా వెలుగులోకి వచ్చిన నూత్న సత్యాలను శాస్త్రీయంగా విశ్లేషించి, కవుల భావనాత్మక వ్యాపారాన్ని సహృదయంగమంగా విశదీకరిస్తుంది, విలువకడుతుంది. విమర్శ.

తెలంగాణాలో పరిశోధనకు శ్రీకారం చుట్టినవారు కొమర్రాజు వెంకటలక్ష్మణరావు గారు (1876–1923). కృష్ణాజిల్లాలో జన్మించిన లక్ష్మణరావు గారి బాల్యం కొంతకాలం భువనగిరి, దేవరకొండలో గడిచింది. హైదరాబాదును కార్యక్షేత్రంగా చేసుకొని వారు తమ భాషోద్యమాన్ని ప్రారంభించారు. "దేశాభివృద్ధికి భాషాభివృద్ధి యొక్క సాధనము"గా గ్రహించిన కొమర్రాజు గారు మునగాలరాజా నాయని వెంకటరంగారావు ప్రోత్సాహంతో, రావిచెట్టు రంగారావు సహకారంతో 1901లో శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం స్థాపించారు. దానిని కేంద్రంగా చేసుకొని 1905 లో ఆయన నెలకొల్పిన విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి దేశచరిత్రకు సంబంధించిన పరిశోధన గ్రంథాలను ప్రకటించింది. 1908లో ఆయన మద్రాసుకు వెళ్ళటంతో ఆ గ్రంథమండలి కూడా అక్కడికి తరలి వెళ్ళింది.

లక్ష్మణరావు గారు భాషాసాహిత్య విషయకములైన పరిశోధనా వ్యాసాలు పెక్కు విరచించారు. ఏకశిలానగరం ఓరుగల్లే కాని ఒంటిమిట్టగాదని సోపపత్తికంగా నిరూపించారు. రామాయణంలోని పర్ణశాల భద్రాచలం సమీపంలోనిదేనని చాటి చెప్పారు. మహమ్మదీయ చరిత్రకారుడు ఫెరిస్తా వ్రాతలను ఖండిస్తూ కులీకుతుబ్ షా పానగల్లు దుర్గాన్ని కృష్ణరాయల నుండి కాకుండా దమద్ మిల్లాఖాన్ నుంచి వశపర్చుకొన్నాడని అద్దంకి గంగాధరకవి 'తపతీసంవరణోపాఖ్యానం' ఆధారంగా వెల్లడించారు. అలాగే కొండవీడు దగ్గర కృష్ణరాయలు ఓడిపోయాడన్న అభిప్రాయాన్ని ఖండిస్తూ సూరన కళాపూర్ణోదయం ఆధారంగా కులీకుతుబ్

షాయే ఆరవీటి రామరాయల చేతిలో ఓడిపోయాడని వాదించారు. 'మహమ్మదీయ మహాయుగం' గ్రంథంలో అక్కన్న మాదన్నల చరిత్రను సవిస్తరంగా పేర్కొన్నారు. తెలుగులో విజ్ఞానసర్వస్వ నిర్మాణానికి శ్రీకారం చుట్టిన లక్ష్మణరావు గారి సంపాదకత్వంలో ఆంధ్రవిజ్ఞాన సర్వస్వం మూడు సంపుటాలు (1915–18) వెలువడ్డాయి. వీనిలోని వ్యాసాలు, సమకాలీన పత్రికల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలు 'లక్ష్మణరాయ వ్యాసావళి' పేరుతో రెండుభాగాలుగా వెలువడ్డాయి. అభిజ్ఞాన శాకుంతలం, లలితకళలు మున్నగు వ్యాసాలు ఆయన విమర్శనాదృష్టికీ, పరిశోధనా పటిమకూ ఎత్తి చూపదగినవి. కొమర్రాజు గారు అనేక పారిభాషికపదాలను రూపొందించి భాషా పరిశోధకులకు మార్గదర్శకులైనారు. ఎడిటర్ అంటే సంపాదకుడు, యూనివర్సిటీ అంటే విశ్వవిద్యాలయం అని వారు కల్పించిన పదాలే ఈనాడు వాడుకలో ఉన్నాయి.

నిజాం ప్రభుత్వం హైదరాబాదు నగరంలో తెలుగుభాషా ప్రగతికి కంటకంగా పరిణమించినా పొరుగున వున్న జిల్లాలలోని సంస్థానాధీశులు మాత్రం నిరాటంకంగా తెలుగు సాహిత్యపోషణకు పాటుపడటం గమనార్హం. పాలమూరు జిల్లాలోని గద్వాల, వనపర్తి, జటప్రోలు, ఆత్మకూరు సంస్థానాలు ఈ విషయంలో ఎంతో ముందంజవేశాయి, సుప్రసిద్ధ పరిశోధకులు మానవల్లి రామకృష్ణకవి గారు (1866–1957) రాజా సపై రామేశ్వరరావు బహద్దర్ గారి అంతరంగిక కార్యదర్శిగా పది సంవత్సరాలపాటు (1904–1913) వనపర్తిని నెలవుగా చెసుకొని సారస్వత సేవ కొనసాగించారు. 'విస్మృతకవులు' శీర్షికలో అనేక అముద్రిత గ్రంథాలను పరిష్కరించి వెలుగులోనికి తెచ్చారు. కుమార సంభవం (1908), క్రీడాభిరామం (1909), ప్రబంధమణిభూషణం (1910), నీతిశాస్త్ర ముక్తావళి (1910), అనర్ఘరాఘవం (1911), పరతత్త్వ రసాయనం (1911), త్రిపురాంతకోదాహరణం (1912), శ్రీరంగమాహాత్మ్యం (1912) మొదలగునవి వారు ప్రకటించిన కావ్యాలు. వనపర్తిలో వుండగానే పరిశోధకునిగా పరిణతి పొందిన మానవల్లి గారు కొన్ని శాసన ప్రతిబింబాలను Lythic Records of Hyderabad State పేరుతో ప్రచురించారు. వనపర్తి పాలకులు నెలకొల్పిన బ్రహ్మవిద్యావిలాస ముద్రాక్షరశాల తెలంగాణాలోనే ప్రాచీన ముద్రణశాలగా పేర్కొనదగింది.

శేషాద్రి రమణకవులుగా వాసికెక్కిన దూపాటి శేషాచార్యులు (1890–1940), దూపాటి వెంకటరమణాచార్యులు (1893–1963) గుంటూరులో జన్మించినప్పటికీ హనుమకొండను ఆవాసంగా చేసుకొని సాహిత్య పరిశోధన కావించారు. వెంకటరమణాచార్యులు, జయంతి రామయ్య పంతులు కోరికపై తెలంగాణా అంతటా పర్యటించి పెక్కు తాళపత్ర ప్రతులను, శాసనాలను సేకరించి ఆంధ్రసాహిత్యపరిషత్తుకు చేర్చారు. రామప్ప, పాకాల, కొలనుపాక శాసనాలను ప్రకటించారు. హనుమకొండలో సంస్కృతాంధ్ర పండితులుగా పనిచేస్తూ చారిత్రక పరిశోధక మండలిని ఏర్పాటు చేసి 1931లో అఖిలాంధ్ర చారిత్రక సమ్మేళనాన్ని నిర్వహించారు. నిర్మల్, కరీంనగర్ మొదలగు ప్రాంతాల్లోనూ, హైదరాబాదు పురాతత్త్వశాఖలోనూ వెంకటరమణాచార్యులు పనిచేశారు. శేషాద్రి రమణకవులు కావ్యపరిష్కర్తలుగా, పీఠికాకర్తలుగా, పరిశోధన రంగంలో కీర్తి గడించారు. వసుచరిత్రవ్యాఖ్య, ఆంధ్రపదనిధానము, రెడ్డికులనిర్ణయ చంద్రిక, మేదినీహారావళి నిఘంటు వివరణము

మున్నగునవి వారి పాండితీ ప్రతిభకు నిదర్శనాలు. సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారు సంకలించిన 'గోలకొండకవుల సంచిక' కు వారు పూర్వకవి పరిచయం సమకూర్చారు. రుద్రమదేవి గణపతిదేవుని కూతురని, మల్లినాథసూరి, మల్లికార్జున పండితారాధ్యుడు తెలంగాణము వారని నిరూపించిన పరిశోధకులు వెంకటరమణాచార్యులు గారు.

తెలంగాణాలో జన్మించి తెలుగుభాషా సాహిత్యాల వికాసానికి విశేషంగా పరిశ్రమించిన పరిశోధకులలో అగ్రగణ్యులు ఆదిరాజు వీరభద్రరావు, సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారలు. మాడపాటి హనుమంతరావు ప్రభృతుల ఆంధ్రోద్యమం వీరి కృషికి చేయూతనిచ్చింది. ఖమ్మం జిల్లాలో జన్మించిన ఆదిరాజు వీరభద్రరావు గారు (1890–1973) శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం, విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి నిర్వహణలో లక్ష్మణరావుగారికి సహాయకులుగా ఉన్నారు. ఆయన వెంట మద్రాసువెళ్లి సుమారు ఆరు సంవత్సరాలు (1908–1914) ఆయన సాహితీ కృషిలో పాలుపంచుకొన్నారు. లక్ష్మణరావుగారి సాహచర్యంతో గడించిన అనుభవంతో వీరభద్రరావుగారు ఖండవల్లి లక్ష్మీరంజనం గారు తలపెట్టిన సంగ్రహాంధ్ర విజ్ఞాన కోశానికి ప్రధాన సంగ్రాహకులైదాన్ని తీర్చిదిద్దారు. విజ్ఞానకోశంలో స్వయంగా 50 వ్యాసాలు రచించారు. సమకాలీన పత్రికల్లో పెక్కు పరిశోధనాత్మకమైన వ్యాసాలు వెలువరించారు. హైదరాబాదు రేడియోలో తొలి ప్రసంగం కావించిన ఆదిరాజువారి రేడియో ప్రసంగాలు 150 ప్రసారమైనాయి. తెలంగాణా శాసనాలు, షితాబ్ ఖాన్ మొదలగునవి వారి పరిశోధనా పటిమకు ప్రతిబింబాలు. మౌలిక చారిత్రక, సామగ్రి, ఆధారంగా తెలంగాణా చరిత్ర నిర్మాణానికి ఎంతో కృషి సలిపిన పరిశోధక వతంసులు వీరభద్రరావుగారు. 'ప్రాచీనాంధ్ర నగరములు'లో అలంపురం, కొండాపురం, కొలనుపాక, గోలకొండ, పానుగల్లు, భోనగిరి, రాచకొండ, వరంగల్ మొదలైన ప్రాంతాల రాజకీయ, సాంఘిక చరిత్ర వివరింపబడింది. 'మన తెలంగాణము' వ్యాససంపుటిలో కాకతీయుల చరిత్ర, పాకాల సరస్సు, దేవాలయాలు, శాసనాలు, నాణాలు, ఆదిమానవుల సమాధులైన కెయిరనులు (రక్కసి గుళ్లు) మొదలైన చారిత్రకాంశాలు విశదీకరింపబడినాయి.

శ్రీకృష్ణదేవరాయంధ్ర భాషానిలయం ఏర్పడిన సంవత్సరం

(1) 1901

(2) 1905

(3) 1908

(4) 1911

[Question ID = 217][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q97]

1. 1 [Option ID = 865]
2. 2 [Option ID = 866]
3. 3 [Option ID = 867]
4. 4 [Option ID = 868]

8) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

తెలుగు భాషాసాహిత్యాలపై శాస్త్రీయపద్ధతిలో పరిశోధనకు 19వ శతాబ్ది ప్రథమార్థంలో పునాదులు పడ్డాయి. మెకంజీ, సి.పి. బ్రౌన్, కాల్ డ్వెల్ మొదలైన పాశ్చాత్యులు, వారి సన్నిహితులైన ఆంధ్రవిద్వాంసులు ఇందుకు పాటుపడ్డారు. వీరేశలింగయుగంలో – అంటే ఉత్తరార్థంలో తెలుగు విమర్శ ప్రత్యేక ప్రక్రియా స్వరూపాన్ని సంతరించుకున్నది. కావ్యపరిష్కరణలు, శబ్దపారచర్చలు, కవిచరిత్రలు విమర్శలు మున్నగువాని రూపంలో అది కొనసాగింది. ఇరవయ్యవ శతాబ్దంలో నూత్నసాహితీ ప్రక్రియల అవతరణతో వాటి సమాలోచన దిశగా విమర్శనాత్మక సాహిత్యం విస్తృతమైంది. పరిశోధన, విమర్శ అవినాభావ సంబంధమైనవి. పరిశోధన ఆధారంగా వెలుగులోకి వచ్చిన నూత్న సత్యాలను శాస్త్రీయంగా విశ్లేషించి, కవుల భావనాత్మక వ్యాపారాన్ని సహృదయంగమంగా విశదీకరిస్తుంది, విలువకడుతుంది. విమర్శ.

తెలంగాణాలో పరిశోధనకు శ్రీకారం చుట్టినవారు కొమర్రాజు వెంకటలక్ష్మణరావు గారు (1876–1923). కృష్ణాజిల్లాలో జన్మించిన లక్ష్మణరావు గారి బాల్యం కొంతకాలం భువనగిరి, దేవరకొండలో గడిచింది. హైదరాబాదును కార్యక్షేత్రంగా చేసుకొని వారు తమ భాషోద్యమాన్ని ప్రారంభించారు. "దేశాభివృద్ధికి భాషాభివృద్ధి యొక్క సాధనము"గా గ్రహించిన కొమర్రాజు గారు మునగాలరాజా నాయని వెంకటరంగారావు ప్రోత్సాహంతో, రావిచెట్టు రంగారావు సహకారంతో 1901లో శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం స్థాపించారు. దానిని కేంద్రంగా చేసుకొని 1905 లో ఆయన నెలకొల్పిన విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి దేశచరిత్రకు సంబంధించిన పరిశోధన గ్రంథాలను ప్రకటించింది. 1908లో ఆయన మద్రాసుకు వెళ్ళటంతో ఆ గ్రంథమండలి కూడా అక్కడికి తరలి వెళ్ళింది.

లక్ష్మణరావు గారు భాషాసాహిత్య విషయకములైన పరిశోధనా వ్యాసాలు పెక్కు విరచించారు. ఏకశిలానగరం ఓరుగల్లే కాని ఒంటిమిట్టగాదని సోపపత్తికంగా నిరూపించారు. రామాయణంలోని పర్ణశాల భద్రాచలం సమీపంలోనిదేనని చాటి చెప్పారు. మహమ్మదీయ చరిత్రకారుడు ఫెరిస్తా వ్రాతలను ఖండిస్తూ కులీకుతుబ్ షా పానగల్లు దుర్గాన్ని కృష్ణరాయల నుండి కాకుండా దమద్ మిల్లాఖాన్ నుంచి వశపర్చుకొన్నాడని అద్దంకి గంగాధరకవి 'తపతీసంవరణోపాఖ్యానం' ఆధారంగా వెల్లడించారు. అలాగే కొండవీడు దగ్గర కృష్ణరాయలు ఓడిపోయాడన్న అభిప్రాయాన్ని ఖండిస్తూ సూరన కళాపూర్ణోదయం ఆధారంగా కులీకుతుబ్ షాయే ఆరవీటి రామరాయల చేతిలో ఓడిపోయాడని వాదించారు. 'మహమ్మదీయ మహాయుగం' గ్రంథంలో అక్కన్న మాదన్నల చరిత్రను సవిస్తరంగా పేర్కొన్నారు. తెలుగులో విజ్ఞానసర్వస్వ నిర్మాణానికి శ్రీకారం చుట్టిన లక్ష్మణరావు గారి సంపాదకత్వంలో ఆంధ్రవిజ్ఞాన సర్వస్వం మూడు సంపుటాలు (1915–18) వెలువడ్డాయి. వీనిలోని వ్యాసాలు, సమకాలీన పత్రికల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలు 'లక్ష్మణరాయ వ్యాసావళి' పేరుతో రెండుభాగాలుగా వెలువడ్డాయి. అభిజ్ఞాన శాకుంతలం, లలితకళలు మున్నగు వ్యాసాలు ఆయన విమర్శనాదృష్టికీ, పరిశోధనా పటిమకూ ఎత్తి చూపదగినవి. కొమర్రాజు గారు అనేక పారిభాషికపదాలను రూపొందించి భాషా పరిశోధకులకు మార్గదర్శకులైనారు. ఎడిటర్ అంటే సంపాదకుడు, యూనివర్సిటీ అంటే విశ్వవిద్యాలయం అని వారు కల్పించిన పదాలే ఈనాడు వాడుకలో ఉన్నాయి.

నిజాం ప్రభుత్వం హైదరాబాదు నగరంలో తెలుగుభాషా ప్రగతికి కంటకంగా పరిణమించినా పొరుగున వున్న జిల్లాలలోని సంస్థానాధీశులు మాత్రం నిరాటంకంగా తెలుగు సాహిత్యపోషణకు పాటుపడటం గమనార్హం. పాలమూరు జిల్లాలోని గద్వాల, వనపర్తి, జటప్రోలు, ఆత్మకూరు సంస్థానాలు ఈ విషయంలో ఎంతో ముందంజవేశాయి, సుప్రసిద్ధ పరిశోధకులు మానవల్లి రామకృష్ణకవి గారు (1866–1957) రాజా సర్ రామేశ్వరరావు బహద్దర్ గారి అంతరంగిక కార్యదర్శిగా పది సంవత్సరాలపాటు (1904–1913) వనపర్తిని నెలవుగా చెసుకొని సారస్వత సేవ కొనసాగించారు. 'విస్మృతకవులు' శీర్షికలో అనేక అముద్రిత గ్రంథాలను పరిష్కరించి వెలుగులోనికి తెచ్చారు. కుమార సంభవం (1908), క్రీడాభిరామం (1909), ప్రబంధమణిభూషణం (1910), నీతిశాస్త్ర ముక్తావళి (1910), అనర్ఘరాఘవం (1911), పరతత్త్వ రసాయనం (1911), త్రిపురాంతకోదాహరణం (1912), శ్రీరంగమాహాత్మ్యం (1912) మొదలగునవి వారు ప్రకటించిన కావ్యాలు. వనపర్తిలో వుండగానే పరిశోధకునిగా పరిణతి పొందిన మానవల్లి గారు కొన్ని శాసన ప్రతిబింబాలను Lythic Records of Hyderabad State పేరుతో ప్రచురించారు. వనపర్తి పాలకులు నెలకొల్పిన బ్రహ్మవిద్యావిలాస ముద్రాక్షరశాల తెలంగాణాలోనే ప్రాచీన ముద్రణశాలగా పేర్కొనదగింది.

శేషాద్రి రమణకవులుగా వాసికెక్కిన దూపాటి శేషాచార్యులు (1890–1940), దూపాటి వెంకటరమణాచార్యులు (1893–1963) గుంటూరులో జన్మించినప్పటికీ హనుమకొండను ఆవాసంగా చేసుకొని సాహిత్య పరిశోధన కావించారు. వెంకటరమణాచార్యులు, జయంతి రామయ్య పంతులు కోరికపై తెలంగాణా అంతటా పర్యటించి పెక్కు తాళపత్ర ప్రతులను, శాసనాలను సేకరించి ఆంధ్రసాహిత్యపరిషత్తుకు చేర్చారు. రామప్ప, పాకాల, కొలనుపాక శాసనాలను ప్రకటించారు. హనుమకొండలో సంస్కృతాంధ్ర పండితులుగా పనిచేస్తూ చారిత్రక పరిశోధక మండలిని ఏర్పాటు చేసి 1931లో అఖిలాంధ్ర చారిత్రక సమ్మేళనాన్ని నిర్వహించారు. నిర్మల్, కరీంనగర్ మొదలగు ప్రాంతాల్లోనూ, హైదరాబాదు పురాతత్త్వశాఖలోనూ వెంకటరమణాచార్యులు పనిచేశారు. శేషాద్రి రమణకవులు కావ్యపరిష్కర్తలుగా, పీఠికాకర్తలుగా, పరిశోధన రంగంలో కీర్తి గడించారు. వసుచరిత్రవ్యాఖ్య, ఆంధ్రపదనిధానము, రెడ్డికులనిర్ణయ చంద్రిక, మేదినీహారావళి నిఘంటు వివరణము మున్నగునవి వారి పాండితీ ప్రతిభకు నిదర్శనాలు. సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారు సంకలించిన 'గోలకొండకవుల సంచిక' కు వారు పూర్వకవి పరిచయం సమకూర్చారు. రుద్రమదేవి గణపతిదేవుని కూతురని, మల్లినాథసూరి, మల్లికార్జున పండితారాధ్యుడు తెలంగాణము వారని నిరూపించిన పరిశోధకులు వెంకటరమణాచార్యులు గారు.

తెలంగాణాలో జన్మించి తెలుగుభాషా సాహిత్యాల వికాసానికి విశేషంగా పరిశ్రమించిన పరిశోధకులలో అగ్రగణ్యులు ఆదిరాజు వీరభద్రరావు, సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారలు. మాడపాటి హనుమంతరావు ప్రభృతుల ఆంధ్రోద్యమం వీరి కృషికి చేయూతనిచ్చింది. ఖమ్మం జిల్లాలో జన్మించిన ఆదిరాజు వీరభద్రరావు గారు (1890–1973) శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం, విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి నిర్వహణలో లక్ష్మణరావుగారికి సహాయకులుగా ఉన్నారు. ఆయన వెంట మద్రాసువెళ్లి సుమారు ఆరు

సంవత్సరాలు (1908–1914) ఆయన సాహితీ కృషిలో పాలుపంచుకొన్నారు. లక్ష్మణరావుగారి సాహచర్యంతో గడించిన అనుభవంతో వీరభద్రరావుగారు ఖండవల్లి లక్ష్మీరంజనం గారు తలపెట్టిన సంగ్రహాంధ్ర విజ్ఞాన కోశానికి ప్రధాన సంగ్రాహకులైదాన్ని తీర్చిదిద్దారు. విజ్ఞానకోశంలో స్వయంగా 50 వ్యాసాలు రచించారు. సమకాలీన పత్రికల్లో పెక్కు పరిశోధనాత్మకమైన వ్యాసాలు వెలువరించారు. హైదరాబాదు రేడియోలో తొలి ప్రసంగం కావించిన ఆదిరాజువారి రేడియో ప్రసంగాలు 150 ప్రసారమైనాయి. తెలంగాణా శాసనాలు, షితాబ్ ఖాన్ మొదలగునవి వారి పరిశోధనా పటిమకు ప్రతిబింబాలు. మౌలిక చారిత్రక, సామగ్రి, ఆధారంగా తెలంగాణా చరిత్ర నిర్మాణానికి ఎంతో కృషి సలిపిన పరిశోధక వతంసులు వీరభద్రరావుగారు. 'ప్రాచీనాంధ్ర నగరములు'లో అలంపురం, కొండాపురం, కొలనుపాక, గోలకొండ, పానుగల్లు, భోనగిరి, రాచకొండ, వరంగల్ మొదలైన ప్రాంతాల రాజకీయ, సాంఘిక చరిత్ర వివరింపబడింది. 'మన తెలంగాణము' వ్యాససంపుటిలో కాకతీయుల చరిత్ర, పాకాల సరస్సు, దేవాలయాలు, శాసనాలు, నాణాలు, ఆదిమానవుల సమాధులైన కెయిరనులు (రక్కసి గుళ్ళు) మొదలైన చారిత్రకాంశాలు విశదీకరింపబడినాయి.

వెంకటరమణాచార్యులు ఎవరి కోరికపై తెలంగాణలో పర్యటించి శాసనాలను సేకరించారు

(1) సురవరం ప్రతాపరెడ్డి

(2) మాడపాటి హనుమంత రావు

(3) జయంతి రామయ్య పంతులు

(4) ఖండవల్లి లక్ష్మరంజనం

[Question ID = 218][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q98]

1. 1 [Option ID = 869]
2. 2 [Option ID = 870]
3. 3 [Option ID = 871]
4. 4 [Option ID = 872]

9) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

తెలుగు భాషాసాహిత్యాలపై శాస్త్రీయపద్ధతిలో పరిశోధనకు 19వ శతాబ్ది ప్రథమార్థంలో పునాదులు పడ్డాయి. మెకంజీ, సి.పి. బ్రౌన్, కాల్ డ్వెల్ మొదలైన పాశ్చాత్యులు, వారి సన్నిహితులైన ఆంధ్రవిద్యాంసులు ఇందుకు పాటుపడ్డారు. వీరేశలింగయుగంలో – అంటే ఉత్తరార్థంలో తెలుగు విమర్శ ప్రత్యేక ప్రక్రియా స్వరూపాన్ని సంతరించుకున్నది. కావ్యపరిష్కరణలు, శబ్దపారచర్చలు, కవిచరిత్రలు విమర్శలు మున్నగువాని రూపంలో అది కొనసాగింది. ఇరవయ్యవ శతాబ్దంలో నూత్నసాహితీ ప్రక్రియల అవతరణతో వాటి సమాలోచన దిశగా విమర్శనాత్మక సాహిత్యం విస్తృతమైంది. పరిశోధన, విమర్శ అవినాభావ సంబంధమైనవి. పరిశోధన ఆధారంగా వెలుగులోకి వచ్చిన నూత్న సత్యాలను శాస్త్రీయంగా విశ్లేషించి, కవుల భావనాత్మక వ్యాపారాన్ని సహృదయంగమంగా విశదీకరిస్తుంది, విలువకడుతుంది. విమర్శ.

తెలంగాణాలో పరిశోధనకు శ్రీకారం చుట్టినవారు కొమర్రాజు వెంకటలక్ష్మణరావు గారు (1876–1923). కృష్ణాజిల్లాలో జన్మించిన లక్ష్మణరావు గారి బాల్యం కొంతకాలం భువనగిరి, దేవరకొండలో గడిచింది. హైదరాబాదును కార్యక్షేత్రంగా చేసుకొని వారు తమ భాషోద్యమాన్ని ప్రారంభించారు. "దేశాభివృద్ధికి భాషాభివృద్ధి యొక్క సాధనము"గా గ్రహించిన కొమర్రాజు గారు మునగాలరాజా నాయని వెంకటరంగారావు ప్రోత్సాహంతో, రావిచెట్టు రంగారావు సహకారంతో 1901లో శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం స్థాపించారు. దానిని కేంద్రంగా చేసుకొని 1905 లో ఆయన నెలకొల్పిన విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి దేశచరిత్రకు సంబంధించిన పరిశోధన గ్రంథాలను ప్రకటించింది. 1908లో ఆయన మద్రాసుకు వెళ్ళటంతో ఆ గ్రంథమండలి కూడా అక్కడికి తరలి వెళ్ళింది.

లక్ష్మణరావు గారు భాషాసాహిత్య విషయకములైన పరిశోధనా వ్యాసాలు పెక్కు విరచించారు. ఏకశిలానగరం ఓరుగల్లే కాని ఒంటిమిట్టగాదని సోపపత్తికంగా నిరూపించారు. రామాయణంలోని పర్ణశాల భద్రాచలం సమీపంలోనిదేనని చాటి చెప్పారు. మహమ్మదీయ చరిత్రకారుడు ఫెరిస్తా వ్రాతలను ఖండిస్తూ కులీకుతుబ్ షా పానగల్లు దుర్గాన్ని కృష్ణరాయల నుండి కాకుండా దమద్ మిల్లాఖాన్ నుంచి వశపర్చుకొన్నాడని అద్దంకి గంగాధరకవి 'తపతీసంవరణోపాఖ్యానం' ఆధారంగా వెల్లడించారు. అలాగే కొండవీడు దగ్గర కృష్ణరాయలు ఓడిపోయాడన్న అభిప్రాయాన్ని ఖండిస్తూ సూరన కళాపూర్ణోదయం ఆధారంగా కులీకుతుబ్ షాయే అరవీటి రామరాయల చేతిలో ఓడిపోయాడని వాదించారు. 'మహమ్మదీయ మహాయుగం' గ్రంథంలో అక్కన్న మాదన్నల చరిత్రను సవిస్తరంగా పేర్కొన్నారు. తెలుగులో విజ్ఞానసర్వస్వ నిర్మాణానికి శ్రీకారం చుట్టిన లక్ష్మణరావు గారి సంపాదకత్వంలో ఆంధ్రవిజ్ఞాన సర్వస్వం మూడు సంపుటాలు (1915–18) వెలువడ్డాయి. వీనిలోని వ్యాసాలు, సమకాలీన పత్రికల్లో ప్రచురించిన వ్యాసాలు 'లక్ష్మణరాయ వ్యాసావళి' పేరుతో రెండుభాగాలుగా వెలువడ్డాయి. అభిజ్ఞాన శాకుంతలం, లలితకళలు మున్నగు వ్యాసాలు ఆయన విమర్శనాదృష్టికీ, పరిశోధనా పటిమకూ ఎత్తి చూపదగినవి. కొమర్రాజు గారు అనేక పారిభాషికపదాలను రూపొందించి భాషా పరిశోధకులకు మార్గదర్శకులైనారు. ఎడిటర్ అంటే సంపాదకుడు, యూనివర్సిటీ అంటే విశ్వవిద్యాలయం అని వారు కల్పించిన పదాలే ఈనాడు వాడుకలో ఉన్నాయి.

నిజాం ప్రభుత్వం హైదరాబాదు నగరంలో తెలుగుభాషా ప్రగతికి కంటకంగా పరిణమించినా పొరుగున వున్న జిల్లాలలోని సంస్థానాధీశులు మాత్రం నిరాటంకంగా తెలుగు సాహిత్యపోషణకు పాటుపడటం గమనార్హం. పాలమూరు జిల్లాలోని గద్వాల, వనపర్తి, జటప్రోలు, ఆత్మకూరు సంస్థానాలు ఈ విషయంలో ఎంతో ముందంజవేశాయి, సుప్రసిద్ధ పరిశోధకులు మానవల్లి రామకృష్ణకవి గారు (1866–1957) రాజా సవై రామేశ్వరరావు బహద్దర్ గారి ఆంతరంగిక కార్యదర్శిగా పది సంవత్సరాలపాటు (1904–1913) వనపర్తిని నెలవుగా చెసుకొని సారస్వత సేవ కొనసాగించారు. 'విస్మృతకవులు' శీర్షికలో అనేక అముద్రిత గ్రంథాలను పరిష్కరించి వెలుగులోనికి తెచ్చారు. కుమార సంభవం (1908), క్రీడాభిరామం (1909), ప్రబంధమణిభూషణం (1910), నీతిశాస్త్ర ముక్తావళి (1910), అనర్ఘరాఘవం (1911), పరతత్త్వ రసాయనం (1911), త్రిపురాంతకోదాహరణం (1912),

శ్రీరంగమాహాత్మ్యం (1912) మొదలగునవి వారు ప్రకటించిన కావ్యాలు. వనపర్తిలో వుండగానే పరిశోధకునిగా పరిణతి పొందిన మానవల్లి గారు కొన్ని శాసన ప్రతిబింబాలను Lythic Records of Hyderabad State పేరుతో ప్రచురించారు. వనపర్తి పాలకులు నెలకొల్పిన బ్రహ్మవిద్యావిలాస ముద్రాక్షరశాల తెలంగాణాలోనే ప్రాచీన ముద్రణశాలగా పేర్కొనదగింది.

శేషాద్రి రమణకవులుగా వాసికెక్కిన దూపాటి శేషాచార్యులు (1890–1940), దూపాటి వెంకటరమణాచార్యులు (1893–1963) గుంటూరులో జన్మించినప్పటికీ హనుమకొండను ఆవాసంగా చేసుకొని సాహిత్య పరిశోధన కావించారు. వెంకటరమణాచార్యులు, జయంతి రామయ్య పంతులు కోరికపై తెలంగాణా అంతటా పర్యటించి పెక్కు తాళపత్ర ప్రతులను, శాసనాలను సేకరించి ఆంధ్రసాహిత్యపరిషత్తుకు చేర్చారు. రామప్ప, పాకాల, కొలనుపాక శాసనాలను ప్రకటించారు. హనుమకొండలో సంస్కృతాంధ్ర పండితులుగా పనిచేస్తూ చారిత్రక పరిశోధక మండలిని ఏర్పాటు చేసి 1931లో అఖిలాంధ్ర చారిత్రక సమ్మేళనాన్ని నిర్వహించారు. నిర్మల్, కరీంనగర్ మొదలగు ప్రాంతాల్లోనూ, హైదరాబాదు పురాతత్త్వశాఖలోనూ వెంకటరమణాచార్యులు పనిచేశారు. శేషాద్రి రమణకవులు కావ్యపరిష్కర్తలుగా, పీఠికాకర్తలుగా, పరిశోధన రంగంలో కీర్తి గడించారు. వసుచరిత్రవ్యాఖ్య, ఆంధ్రపదనిధానము, రెడ్డికులనిర్ణయ చంద్రిక, మేదినీహారావళి నిఘంటు వివరణము మున్నగునవి వారి పాండితీ ప్రతిభకు నిదర్శనాలు. సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారు సంకలించిన 'గోలకొండకవుల సంచిక' కు వారు పూర్వకవి పరిచయం సమకూర్చారు. రుద్రమదేవి గణపతిదేవుని కూతురని, మల్లినాథసూరి, మల్లికార్జున పండితారాధ్యుడు తెలంగాణము వారని నిరూపించిన పరిశోధకులు వెంకటరమణాచార్యులు గారు.

తెలంగాణాలో జన్మించి తెలుగుభాషా సాహిత్యాల వికాసానికి విశేషంగా పరిశ్రమించిన పరిశోధకులలో అగ్రగణ్యులు ఆదిరాజు వీరభద్రరావు, సురవరం ప్రతాపరెడ్డి గారలు. మాడపాటి హనుమంతరావు ప్రభృతుల ఆంధ్రోద్యమం వీరి కృషికి చేయూతనిచ్చింది. ఖమ్మం జిల్లాలో జన్మించిన ఆదిరాజు వీరభద్రరావు గారు (1890–1973) శ్రీకృష్ణదేవరాయాంధ్ర భాషానిలయం, విజ్ఞానచంద్రికా గ్రంథమండలి నిర్వహణలో లక్ష్మణరావుగారికి సహాయకులుగా ఉన్నారు. ఆయన వెంట మద్రాసువెళ్లి సుమారు ఆరు సంవత్సరాలు (1908–1914) ఆయన సాహితీ కృషిలో పాలుపంచుకొన్నారు. లక్ష్మణరావుగారి సాహచర్యంతో గడించిన అనుభవంతో వీరభద్రరావుగారు ఖండవల్లి లక్ష్మీరంజనం గారు తలపెట్టిన సంగ్రహాంధ్ర విజ్ఞాన కోశానికి ప్రధాన సంగ్రాహకులైదాన్ని తీర్చిదిద్దారు. విజ్ఞానకోశంలో స్వయంగా 50 వ్యాసాలు రచించారు. సమకాలీన పత్రికల్లో పెక్కు పరిశోధనాత్మకమైన వ్యాసాలు వెలువరించారు. హైదరాబాదు రేడియోలో తొలి ప్రసంగం కావించిన ఆదిరాజువారి రేడియో ప్రసంగాలు 150 ప్రసారమైనాయి. తెలంగాణా శాసనాలు, షితాబ్ ఖాన్ మొదలగునవి వారి పరిశోధనా పటిమకు ప్రతిబింబాలు. మౌలిక చారిత్రక, సామగ్రి, ఆధారంగా తెలంగాణా చరిత్ర నిర్మాణానికి ఎంతో కృషి సలిపిన పరిశోధక వతంసులు వీరభద్రరావుగారు. 'ప్రాచీనాంధ్ర నగరములు'లో అలంపురం, కొండాపురం, కొలనుపాక, గోలకొండ, పానుగల్లు, భోనగిరి, రాచకొండ, వరంగల్ మొదలైన ప్రాంతాల

రాజకీయ, సాంఘిక చరిత్ర వివరింపబడింది. 'మన తెలంగాణము' వ్యాససంపుటిలో కాకతీయుల చరిత్ర, పాకాల సరస్సు, దేవాలయాలు, శాసనాలు, నాణాలు, ఆదిమానవుల సమాధులైన కెయిరనులు (రక్కసి గుళ్ళు) మొదలైన చారిత్రకాంశాలు విశదీకరింపబడినాయి.

లక్ష్మణరావు గారు మద్రాసుకు వెళ్లిన సంవత్సరం

(1) 1923

(2) 1876

(3) 1901

(4) 1908

[Question ID = 219][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q99]

1. 1 [Option ID = 873]
2. 2 [Option ID = 874]
3. 3 [Option ID = 875]
4. 4 [Option ID = 876]

Topic:- Telugu_Q100-105_L1_P1_CTET

1) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చిత్తము ల్లుల్లసిల్ల, నల సింహకిశోరము లొక్కమై మదో
న్మత్త గజావళిం బొదువుమాడ్కి నరాతి బలంబు ముట్టి, యు
ద్వృత్తిఁ గడంగి యప్రతిమవీరులు ద్రౌపదిపుత్తులేవురున్
నెత్తురు నీరఁ దేల్చిన ననిం గని మీ నృపుఁ డల్కదీఱెడిన్.

ఈ పద్యంలో వర్ణింపబడిన అప్రతిమ వీరులు

(1) పాండవులు

(2) ఉపపాండవులు

(3) కౌరవులు

(4) సింహకిశోరములు

[Question ID = 220][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q100]

1. 1 [Option ID = 877]
2. 2 [Option ID = 878]
3. 3 [Option ID = 879]
4. 4 [Option ID = 880]

2) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

చిత్తము ులల్లసిల్ల, నల సింహకిశోరము లొక్కమై మదో
న్మత్త గజావళిం బొదువుమాడ్కి నరాతి బలంబు ముట్టి, యు
ద్వృత్తిఁ గడంగి యప్రతిమవీరులు ద్రౌపదిపుత్త్రులేవురున్
నెత్తురు నీరఁ దేల్చిన ననిం గని మీ నృపుఁ డల్కదీఱెడిన్.

'గజావళి'లోని సంధి

(1) సవర్ణదీర్ఘ సంధి

(2) వృద్ధి సంధి

(3) గుణసంధి

(4) అత్వ సంధి

[Question ID = 221][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q101]

1. 1 [Option ID = 881]
2. 2 [Option ID = 882]
3. 3 [Option ID = 883]
4. 4 [Option ID = 884]

3) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

చిత్తము ులల్లసిల్ల, నల సింహకిశోరము లొక్కమై మదో
న్మత్త గజావళిం బొదువుమాడ్కి నరాతి బలంబు ముట్టి, యు
ద్వృత్తిఁ గడంగి యప్రతిమవీరులు ద్రౌపదిపుత్త్రులేవురున్
నెత్తురు నీరఁ దేల్చిన ననిం గని మీ నృపుఁ డల్కదీఱెడిన్.

'నెత్తురు నీరన్' అనే చోట గల అలంకారము

(1) రూపకము

(2) ఉపమ

(3) అతిశయోక్తి

(4) స్వభావోక్తి

[Question ID = 222][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q102]

1. 1 [Option ID = 885]
2. 2 [Option ID = 886]
3. 3 [Option ID = 887]
4. 4 [Option ID = 888]

4) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

చిత్తము ఉల్లసిల్ల, నల సింహకిశోరము లొక్కమై మదో
న్మత్త గజావళిం బొదువుమాడ్కి నరాతి బలంబు ముట్టి, యు
ద్వృత్తిఁ గడంగి యప్రతిమవీరులు ద్రౌపదిపుత్త్రులేవురున్
నెత్తురు నీరఁ దేల్చిన ననిం గని మీ నృపుఁ డల్కఁదీఱెడిన్.

ఏవురున్ పదానికి గల అర్థం

(1) నలుగురు

(2) ఐదుగురు

(3) ఎవరో ఒకరు

(4) ఇద్దరు

[Question ID = 223][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q103]

1. 1 [Option ID = 889]
2. 2 [Option ID = 890]
3. 3 [Option ID = 891]
4. 4 [Option ID = 892]

5) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

చిత్తము ఉల్లసిల్ల, నల సింహకిశోరము లొక్కమై మదో
న్మత్త గజావళిం బొదువుమాడ్కి నరాతి బలంబు ముట్టి, యు
ద్వృత్తిఁ గడంగి యప్రతిమవీరులు ద్రౌపదిపుత్త్రులేవురున్
నెత్తురు నీరఁ దేల్చిన ననిం గని మీ నృపుఁ డల్కఁదీఱెడిన్.

'చిత్తము' పదం యొక్క గురులఘుక్రమము

(1) UII

(2) UUI

(3) UUU

(4) UIU

[Question ID = 224][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q104]

1. 1 [Option ID = 893]
2. 2 [Option ID = 894]
3. 3 [Option ID = 895]
4. 4 [Option ID = 896]

6) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

చిత్తము ఉల్లసిల్ల, నల సింహకిశోరము లొక్కమై మదో
న్మత్త గజావళిం బొదువుమాడ్కి నరాతి బలంబు ముట్టి, యు
ద్వృత్తిఁ గడంగి యప్రతిమవీరులు ద్రౌపదిపుత్త్రులేవురున్
నెత్తురు నీరఁ దేల్చిన ననిం గని మీ నృపుఁ డల్కదీఅడెన్.

ఈ పద్యంలో గల అలంకారము

(1) స్వభావోక్త్యలంకారము

(2) దృష్టాంతాలంకారము

(3) ఉపమాలంకారము

(4) నిదర్శనాలంకారము

[Question ID = 225][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q105]

1. 1 [Option ID = 897]
2. 2 [Option ID = 898]
3. 3 [Option ID = 899]
4. 4 [Option ID = 900]

Topic:- Telugu_Q106-120_L1_P1_CTET

1) ఉత్తర ప్రదేశ్ తుర్పు బాగంలో మాట్లాడే హిందీకి ఉత్తర ప్రదేశ్ పశ్చిమ బాగంలో మాట్లాడే హిందీకి కొద్దిగ వ్యత్యాసంవుటుంది. ఈ వ్యత్యాసాన్ని ఏమంటారు ?

(1) అవి హిందీ మాండలికలు

(2) అవి విభిన్నమైన భాషలు

(3) అవి హిందీ కున్న ఒక మాడలికానికి చెందినవి

(4) కాలక్రమంలో అవి విభిన్న భాషలవుతాయి

[Question ID = 226][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q106]

1. 1 [Option ID = 901]
2. 2 [Option ID = 902]
3. 3 [Option ID = 903]
4. 4 [Option ID = 904]

2) భాషాభ్యసనానికి సంబంధించి ఈ క్రింది వాటిలో ఏది నిజంకాదు ?

(1) భాష ప్రధానంగా దాని యొక్క ప్రయోజన కరంగా వాడటం వల్ల అభివృద్ధి చెందుతుంది

(2) అభ్యసనంలో మాట్లాడటం, రాయటం, రూపుకట్టటం, చలనం అనేవివుంటాయి

(3) భాష యొక్క రూపాలు, నియమాలు నేర్చుకోవటం ద్వారా అభ్యసనం జరుగుతుంది

(4) జ్ఞాన గ్రహణ అభివృద్ధికి భాష దోషదపడుతుంది మరియు అదిముదుగా కావలసింది

[Question ID = 227][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q107]

1. 1 [Option ID = 905]
2. 2 [Option ID = 906]
3. 3 [Option ID = 907]

4. 4 [Option ID = 908]

3) ఈ క్రింది వాటిలో వేటిని భారత ప్రభుత్వం ప్రాచీన భాషలుగా గుర్తించింది ?

(1) సంస్కృతం, తమిళం, డోగ్రి, కన్నడ, మళయాళం, ఒడియ

(2) హిందీ, తెలుగు, కన్నడ, మళయాళం, సంస్కృతం, ఒడియ

(3) సంస్కృతం, తమిళం, తెలుగు, కన్నడ, మరాఠీ, ఒడియా

(4) సంస్కృతం, తమిళం, తెలుగు, కన్నడ, మళయాళం, ఒడియ

[Question ID = 228][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q108]

1. 1 [Option ID = 909]
2. 2 [Option ID = 910]
3. 3 [Option ID = 911]
4. 4 [Option ID = 912]

4) విద్యారంగంలో మాతృ భాష ఆధారిత బహుళభాష అంటే అర్థం ?

(1) అభ్యాసకులు తమ పాఠశాల విద్యను మాతృ భాషలో మొదలు పెట్టి ఆతరువాత క్రమంగామరిన్ని భాషలు కలుపుకుంటూపోతారు

(2) అభ్యాసకులు తమ విషయ ప్రధానంశాలను మాతృ భాషలో నేర్చుకుని ఆతరువాత ఇంగ్లీషు మాధ్యమానికి వెళతారు

(3) అభ్యాసకులు మాతృ భాషను ఒక భాషగా నేర్చుకుని క్రమంగా పాఠశాలలో ఇంగ్లీషు మాధ్యమం వైపు వెళతారు

(4) అభ్యాసకులు ఒకటవ తరగతి నుండి ఇంగ్లీషు నేర్చుకుని పాఠశాలు చదువు మద్యలో భారతీయ భాషల మాధ్యమంనుండి ఇంగ్లీషు వైపువెళతారు

[Question ID = 229][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q109]

1. 1 [Option ID = 913]
2. 2 [Option ID = 914]
3. 3 [Option ID = 915]
4. 4 [Option ID = 916]

5) పాఠశాల విద్యాలో 'ఒక వనరుగా బహుళభాషావాదం' అంటే ఏమిటి ?

(1) వీలైనన్ని ఎక్కువ భాషలు బోధించటం

(2) విద్యావిధానంలో సరళమైన భాషను తీసుకొనటం

(3) తరగతి గదిలో అభ్యాసకుల భాషలను ఉపయోగించు కోవటం

(4) తరగతి గదిలో దాన్ని ఒక బోధన పద్ధతిగా స్వీకరించటం

[Question ID = 230][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q110]

1. 1 [Option ID = 917]
2. 2 [Option ID = 918]
3. 3 [Option ID = 919]
4. 4 [Option ID = 920]

6) ఒక విద్యార్థిని కొత్త భాషను నేర్చుకునేటప్పుడు ఆమె ఆభాషను మాట్లాడటానికి, ఉపయోగించటానికి సమయం పడుతుంది. దీన్ని ఏమంటారు ?

(1) పరిశీలన కాలం

(2) మౌన కాలం

(3) క్లిష్ట కాలం

(4) వాచాలత్వ కాలం

[Question ID = 231][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q111]

1. 1 [Option ID = 921]
2. 2 [Option ID = 922]
3. 3 [Option ID = 923]
4. 4 [Option ID = 924]

7) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు 'ంట్' 'ండ్' అనే వాటితో అంతవుయ్యే పదాలు ఇచ్చింది. ఉదాహరణకు 'ప్లాంట్', బ్లైండ్ లాంటివి వీటిని సరిగా పలకమని కోరింది. ఈ పదాల జంటలను ఏమంటారు

(1) తులనాత్మక జంటలు

(2) వ్యతిరేక జంటలు

(3) పోల్చదగిన జంటలు

(4) వైరుధ్య జంటలు

[Question ID = 232][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q112]

1. 1 [Option ID = 925]
2. 2 [Option ID = 926]
3. 3 [Option ID = 927]
4. 4 [Option ID = 928]

8) గౌరవ్ కి రష్కిన్ బాండ్ కథలంటే ఇష్టం. సమయం దొరికినప్పుడల్లా అతని కథలు చదువుతూవుంటాడు. ఈ పఠనాన్ని ఏమంటారు ?

(1) స్కిమ్మింగ్

(2) స్కానింగ్

(3) విస్తృత పఠనం

(4) తీవ్ర పఠనం

[Question ID = 233][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q113]

1. 1 [Option ID = 929]
2. 2 [Option ID = 930]
3. 3 [Option ID = 931]
4. 4 [Option ID = 932]

9) ఈ క్రింది వాటిలో ఏది 'సంపర్క పరికల్పన' కు మద్దతు ఇవ్వదు ?

(1) ఎన్నిక చేసిన అంశాలమీద గ్రూపు ప్రాజెక్ట్ వర్క్

(2) అభ్యాసకులు విభేదించేందుకు అవసరాలు కల్పించటం

(3) గ్రూపు వర్క్, జంటపని, మొత్తం తరగతిపని

(4) ఉపాధ్యాయుడి ఉపన్యాసం, డిక్టేషన వర్క్

[Question ID = 234][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q114]

1. 1 [Option ID = 933]
2. 2 [Option ID = 934]
3. 3 [Option ID = 935]
4. 4 [Option ID = 936]

10) అభ్యాసకుల్లో పఠనాన్ని అభివృద్ధి చేయటంలో ఈ క్రింది వాటిలో ఏది లక్ష్యం కాదు ?

(1) వాచకాన్ని చదివేటప్పుడు ఊహలు చేయటం

(2) ఒక వ్యక్తి పూర్వ జ్ఞానంతో వాచకాన్ని జత చేయటం

(3) పదాల అర్థాలను అవగతం చెసుకోవటం, భాషా ఖండాలు

(4) ఉపాధ్యాయుడు చెప్పిన తరువాత అదేవిషయాన్ని బిగ్గరాగ చదవటం

[Question ID = 235][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q115]

1. 1 [Option ID = 937]
2. 2 [Option ID = 938]
3. 3 [Option ID = 939]
4. 4 [Option ID = 940]

11) అస్థా అనే 6వ తరగతి ఉపాధ్యాయురాలు తన తరగతిగదిలో ఏక వాక్యాల ద్వారా రిపోర్టెడ్ స్పీచ్ కు సంబంధించిన వ్యాకరణాంశాన్ని బోధిస్తోంది. ఆమె వాళ్ళకు చాలా ఎక్కువ అభ్యాసాలను ఇస్తోంది. ఆ తరువాత ప్రత్యక్ష ప్రకటనలను పరోక్ష ప్రకటనలుగా మార్చమని కార్యకలాపాల్ని ఇస్తోంది. ఈ వ్యూహాన్ని ఏమని పిలుస్తారు.

(1) బోధనాత్మక వ్యాకరణం

(2) అధ్యయనం చెయ్యి - నిమగ్నమవ్వు - ఆలోచించు

(3) తీవ్ర అభ్యసనం ద్వారా వ్యాకరణం

(4) ప్రదర్శించు - ఆచరించు - ఉత్పత్తిచెయ్యి

[Question ID = 236][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q116]

1. 1 [Option ID = 941]
2. 2 [Option ID = 942]
3. 3 [Option ID = 943]
4. 4 [Option ID = 944]

12) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు వర్షాకాలంలో తీసుకోవాల్సిన జాగ్రత్తలగురించి మునిసిపల్ కార్పోరేషన్ ప్రకటించిన ఒక కరపత్రం చూసింది. ఆ కరపత్రాన్ని ఆమె తన తరగతిగదిలో పఠనం, పదజాలం మొదలయిన అంశాలను బోధించేందు అనేక అభ్యాసాల ద్వారా వాడింది ఈ కరపత్రాన్ని ఏమంటారు ?

(1) ప్రామాణిక సమాచారం

(2) కల్పిత సమాచారం

(3) భాష నేర్చుకునేందుకు టాస్క్

(4) డికోడింగ్ ఉత్పాదకం (ఇన్ పుట్)

[Question ID = 237][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q117]

1. 1 [Option ID = 945]
2. 2 [Option ID = 946]
3. 3 [Option ID = 947]
4. 4 [Option ID = 948]

13) ఒక 7వ తరగతి ఉపాధ్యాయురాలు తన విద్యార్థులను బృందంగా ఏర్పడి నగరంలో, నగరం చుట్టూవున్న ప్రాంతలలో సమాచారం సేకరించేందుకు అనేక అంశాలను / టాపిక్స్ లను ఎన్ను కోమని, ఆ తరువాత తాము సేకరించిన సమాచారాన్ని ఒక రిపోర్టుగా రాయమని అడుగుతుంది. దీన్ని ఏమని పిలుస్తారు ?

(1) హోంవర్క్

(2) అస్సైయిన్‌మెంట్

(3) ప్రోజెక్ట్ వర్క్

(4) సామాజిక శాస్త్రాలకోసం టాస్క్ లు

[Question ID = 238][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q118]

1. 1 [Option ID = 949]
2. 2 [Option ID = 950]
3. 3 [Option ID = 951]
4. 4 [Option ID = 952]

14) ఈ క్రింది వాటిలో దేనిని 'పోర్ట్ ఫోలియో అస్సైయిన్‌మెంట్'గా చిత్రించవచ్చు

(1) అభ్యాసకుల అనేక అభ్యసన ఉదాహరణలను పోగు చేసి, రికార్డు చేసి వాటిని అభ్యాసకులను సంపూర్ణ మూల్యాంకనం చేసేందుకు ఉపయోగించటం

(2) సంవత్సరం మొత్తంలో బోధన, అభ్యాసనానికి సంబంధించి ప్రతి అభ్యాసకుడి రికార్డును సేకరించటం

(3) అభ్యాసకుల టర్మ్ చివరి పరీక్షలను అభ్యాసకుల సంపూర్ణ మూల్యాంకనానికి వాడుకోవటం

(4) సంవత్సరం మొత్తంలో నిర్వహించిన పరీక్షల ద్వారా మూల్యాంకనం చేయటం

[Question ID = 239][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q119]

1. 1 [Option ID = 953]
2. 2 [Option ID = 954]
3. 3 [Option ID = 955]

4. 4 [Option ID = 956]

15) సంకేత బాష గురించి ఈ క్రింది వాటిలో ఏది నిజం ?

(1) సంకేత భాషకు ఒక వ్యాకరణంవుంది

(2) సంకేత భాషకు వ్యాకరణంలేదు

(3) సంకేత భాష శరీరకదలికల సముచ్ఛయం

(4) ప్రపంచం మొత్తం మీద ఒకే రకమైన సంకేత భాష ఉంది

[Question ID = 240][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_104_TELUGU_Q120]

1. 1 [Option ID = 957]
2. 2 [Option ID = 958]
3. 3 [Option ID = 959]
4. 4 [Option ID = 960]

Topic:- HIN_Q121-128_L2_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

जंगल काटकर मैंने गाँव खड़े किए, कस्बे और नगर बनाए । मैं भूमि के साथ बिकता रहा । फिर धीरे-धीरे मैंने महानगर बनाए, जिनमें कारखानों, मिलों का दैत्य शोर और धुआँ उगलने लगा । मैं उनकी चिमनियों की छाया में रात-दिन पसीना बहाता रहा । बैलगाड़ी से रथ बने । हमने भाप से चलने वाले इंजन गढ़ लिए । इंजन, जो ज़मीन पर दौड़ते थे, पानी पर तैरते थे । बैलगाड़ी रेल बनी और नाव जहाज़ । रेल पानी में आग लगा घंटों में सैकड़ों मील दौड़ने लगी । जहाज़ आसमान चूमती लहरों पर तूफ़ानों में नाचने लगे, पर मैं वहीं का वहीं रह गया । वही का वही मज़दूर ।

'मिलों का दैत्य शोर .... ।' में रेखांकित पदों का आशय है

(1) मिलों से निकलने वाली धीमी ध्वनि

(2) मिलों से निकलने वाली भयानक ध्वनि

(3) मिलों से निकलने वाली दैत्याकार ध्वनि

(4) मिलों से निकलने वाली दैत्यों की ध्वनि

[Question ID = 241][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q121]

1. 1 [Option ID = 961]
2. 2 [Option ID = 962]
3. 3 [Option ID = 963]
4. 4 [Option ID = 964]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

जंगल काटकर मैंने गाँव खड़े किए, कस्बे और नगर बनाए । मैं भूमि के साथ बिकता रहा । फिर धीरे-धीरे मैंने महानगर बनाए, जिनमें कारखानों, मिलों का दैत्य शोर और धुआँ उगलने लगा । मैं उनकी चिमनियों की छाया में रात-दिन पसीना बहाता रहा । बैलगाड़ी से रथ बने । हमने भाप से चलने वाले इंजन गढ़ लिए । इंजन, जो ज़मीन पर दौड़ते थे, पानी पर तैरते थे । बैलगाड़ी रेल बनी और नाव जहाज़ । रेल पानी में आग लगा घंटों में सैकड़ों मील दौड़ने लगी । जहाज़ आसमान चूमती लहरों पर तूफ़ानों में नाचने लगे, पर मैं वहीं का वहीं रह गया । वही का वही मज़दूर ।

'रात-दिन पसीना बहाना ।' वाक्य से तात्पर्य है

(1) गर्मी के कारण पसीना बहना

(2) रात-दिन पसीना आना

(3) अथक परिश्रम करना

(4) धनार्जन हेतु सारा दिन पसीना बहाना पड़ता है

[Question ID = 242][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q122]

1. 1 [Option ID = 965]
2. 2 [Option ID = 966]
3. 3 [Option ID = 967]
4. 4 [Option ID = 968]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

जंगल काटकर मैंने गाँव खड़े किए, कस्बे और नगर बनाए । मैं भूमि के साथ बिकता रहा । फिर धीरे-धीरे मैंने महानगर बनाए, जिनमें कारखानों, मिलों का दैत्य शोर और धुआँ उगलने लगा । मैं उनकी चिमनियों की छाया में रात-दिन पसीना बहाता रहा । बैलगाड़ी से रथ बने । हमने भाप से चलने वाले इंजन गढ़ लिए । इंजन, जो ज़मीन पर दौड़ते थे, पानी पर तैरते थे । बैलगाड़ी रेल बनी और नाव जहाज़ । रेल पानी में आग लगा घंटों में सैकड़ों मील दौड़ने लगी । जहाज़ आसमान चूमती लहरों पर तूफ़ानों में नाचने लगे, पर मैं वहीं का वहीं रह गया । वही का वही मज़दूर ।

'बैलगाड़ी से रथ बने । भाप से चलने वाले इंजन गढ़ लिए ।' का भाव है

(1) मनुष्य ने विकास की राह पकड़ ली

(2) मनुष्य को बैलगाड़ी से रथ बनाना आ गया

(3) भाप वाले इंजनों का आविष्कार कर लिया

(4) बैलगाड़ी से रथ बनाना सरल कार्य था

[Question ID = 243][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q123]

1. 1 [Option ID = 969]

2. 2 [Option ID = 970]
3. 3 [Option ID = 971]
4. 4 [Option ID = 972]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

जंगल काटकर मैंने गाँव खड़े किए, कस्बे और नगर बनाए । मैं भूमि के साथ बिकता रहा । फिर धीरे-धीरे मैंने महानगर बनाए, जिनमें कारखानों, मिलों का दैत्य शोर और धुआँ उगलने लगा । मैं उनकी चिमनियों की छाया में रात-दिन पसीना बहाता रहा । बैलगाड़ी से रथ बने । हमने भाप से चलने वाले इंजन गढ़ लिए । इंजन, जो ज़मीन पर दौड़ते थे, पानी पर तैरते थे । बैलगाड़ी रेल बनी और नाव जहाज़ । रेल पानी में आग लगा घंटों में सैकड़ों मील दौड़ने लगी । जहाज़ आसमान चूमती लहरों पर तूफ़ानों में नाचने लगे, पर मैं वहीं का वहीं रह गया । वही का वही मज़दूर ।

गद्यांश में किसकी बात कही गयी है ?

(1) जंगल काटने

(2) बैलगाड़ी

(3) रेलगाड़ी

(4) मज़दूर

[Question ID = 244][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q124]

1. 1 [Option ID = 973]
2. 2 [Option ID = 974]
3. 3 [Option ID = 975]
4. 4 [Option ID = 976]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

जंगल काटकर मैंने गाँव खड़े किए, कस्बे और नगर बनाए। मैं भूमि के साथ बिकता रहा। फिर धीरे-धीरे मैंने महानगर बनाए, जिनमें कारखानों, मिलों का दैत्य शोर और धुआँ उगलने लगा। मैं उनकी चिमनियों की छाया में रात-दिन पसीना बहाता रहा। बैलगाड़ी से रथ बने। हमने भाप से चलने वाले इंजन गढ़ लिए। इंजन, जो ज़मीन पर दौड़ते थे, पानी पर तैरते थे। बैलगाड़ी रेल बनी और नाव जहाज़। रेल पानी में आग लगा घंटों में सैकड़ों मील दौड़ने लगी। जहाज़ आसमान चूमती लहरों पर तूफ़ानों में नाचने लगे, पर मैं वहीं का वहीं रह गया। वही का वही मज़दूर।

'धीरे-धीरे' शब्द युग्म है

(1) विलोम शब्द

(2) पुनरुक्त शब्द

(3) यौगिक शब्द

(4) रूढ़ शब्द

[Question ID = 245][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q125]

1. 1 [Option ID = 977]
2. 2 [Option ID = 978]
3. 3 [Option ID = 979]
4. 4 [Option ID = 980]

6) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

जंगल काटकर मैंने गाँव खड़े किए, कस्बे और नगर बनाए। मैं भूमि के साथ बिकता रहा। फिर धीरे-धीरे मैंने महानगर बनाए, जिनमें कारखानों, मिलों का दैत्य शोर और धुआँ उगलने लगा। मैं उनकी चिमनियों की छाया में रात-दिन पसीना बहाता रहा। बैलगाड़ी से रथ बने। हमने भाप से चलने वाले इंजन गढ़ लिए। इंजन, जो ज़मीन पर दौड़ते थे, पानी पर तैरते थे। बैलगाड़ी रेल बनी और नाव जहाज़। रेल पानी में आग लगा घंटों में सैकड़ों मील दौड़ने लगी। जहाज़ आसमान चूमती लहरों पर तूफ़ानों में नाचने लगे, पर मैं वहीं का वहीं रह गया। वही का वही मज़दूर।

'जंगल काटकर मैंने गाँव खड़े किए, कस्बे और नगर बनाए।' वाक्य का आशय है कि

(1) गाँव, कस्बे और नगर बनाने के लिए जंगल काट दिए गए।

(2) गाँवों, कस्बों और नगरों के लिए जंगल काटना अनिवार्य था।

(3) जंगल की भूमि साफ़ करके गाँव, कस्बों और नगरों का निर्माण किया।

(4) जंगल की अधिकता के कारण गाँवों, कस्बों और नगरों का निर्माण असंभव था।

[Question ID = 246][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q126]

1. 1 [Option ID = 981]

2. 2 [Option ID = 982]
3. 3 [Option ID = 983]
4. 4 [Option ID = 984]

7) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

जंगल काटकर मैंने गाँव खड़े किए, कस्बे और नगर बनाए । मैं भूमि के साथ बिकता रहा । फिर धीरे-धीरे मैंने महानगर बनाए, जिनमें कारखानों, मिलों का दैत्य शोर और धुआँ उगलने लगा । मैं उनकी चिमनियों की छाया में रात-दिन पसीना बहाता रहा । बैलगाड़ी से रथ बने । हमने भाप से चलने वाले इंजन गढ़ लिए । इंजन, जो ज़मीन पर दौड़ते थे, पानी पर तैरते थे । बैलगाड़ी रेल बनी और नाव जहाज़ । रेल पानी में आग लगा घंटों में सैकड़ों मील दौड़ने लगी । जहाज़ आसमान चूमती लहरों पर तूफ़ानों में नाचने लगे, पर मैं वहीं का वहीं रह गया । वही का वही मज़दूर ।

'रेल पानी में आग लगा घंटों में सैकड़ों मील दौड़ने लगी ।' से तात्पर्य है

(1) भाप वाले इंजनों की सहायता से तेज गति के यातायात के साधन बना लिए ।

(2) पानी में आग लगाने से रेल दौड़ने लगी ।

(3) पानी में आग लगाना कठिन कार्य है ।

(4) पानी और आग का साथ संभव नहीं है ।

[Question ID = 247][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q127]

1. 1 [Option ID = 985]
2. 2 [Option ID = 986]
3. 3 [Option ID = 987]
4. 4 [Option ID = 988]

8) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

जंगल काटकर मैंने गाँव खड़े किए, कस्बे और नगर बनाए। मैं भूमि के साथ बिकता रहा। फिर धीरे-धीरे मैंने महानगर बनाए, जिनमें कारखानों, मिलों का दैत्य शोर और धुआँ उगलने लगा। मैं उनकी चिमनियों की छाया में रात-दिन पसीना बहाता रहा। बैलगाड़ी से रथ बने। हमने भाप से चलने वाले इंजन गढ़ लिए। इंजन, जो ज़मीन पर दौड़ते थे, पानी पर तैरते थे। बैलगाड़ी रेल बनी और नाव जहाज़। रेल पानी में आग लगा घंटों में सैकड़ों मील दौड़ने लगी। जहाज़ आसमान चूमती लहरों पर तूफ़ानों में नाचने लगे, पर मैं वहीं का वहीं रह गया। वही का वही मज़दूर।

'फिर धीरे-धीरे <u>मैंने</u> महानगर बनाए।' वाक्य में रेखांकित शब्द _________ कारक है।

(1) कर्म

(2) कर्ता

(3) करण

(4) संप्रदान

[Question ID = 248][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q128]

1. 1 [Option ID = 989]
2. 2 [Option ID = 990]
3. 3 [Option ID = 991]
4. 4 [Option ID = 992]

Topic:- HIN_Q129-135_L2_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक समय था जब प्रकृति ने मनुष्य को अपनी मुट्ठी में बंद कर रखा था । सभ्यता के विकास के साथ ही प्रकृति मनुष्य की दासी बन गई । अब ऊँचे-ऊँचे भवनों में रहने वाले मानव ने अपने ऐशो आराम के लिए अनगिनत साधन जुटा लिए हैं । क्या जल, क्या थल, क्या अंबर ! – सभी मनुष्य के अधीन हैं । अब कोई 'ऐसा रहस्य नहीं' जिसका व्यापक ज्ञान मानव को न हो । एवरेस्ट के सर्वोच्च शिखर को भी मनुष्य के समक्ष नतमस्तक होना पड़ा है । इसका कारण है मानव का अदम्य साहस, कभी न हार मानने वाली प्रवृत्ति । यह ज़रूरी है कि सफलता पाने के लिए ध्येय तक पहुँचने की तीव्र उत्कंठा, लगन और आत्मविश्वास होना ही चाहिए पर परमावश्यक है साहस, हिम्मत । जहाँ साहस है, विवेक है, सामर्थ्य है, शक्ति है, बुद्धि है वहाँ सफलता भी बाँहें पसारे खड़ी रहती है । संसार में ऐसा कौन-सा कार्य है, जिसे साहसी पुरुष सफलतापूर्वक नहीं कर सकता है ।

'सभ्यता के विकास के साथ ही प्रकृति मनुष्य की दासी बन गई ।' वाक्य से आशय है

(1) सभ्यता ने प्रकृति को अपनी दासी बना लिया ।

(2) सभ्यता के विकास के साथ मनुष्य ने प्रकृति को अपने नियंत्रण में कर लिया ।

(3) प्रकृति आरंभ से ही मनुष्य की दासी है ।

(4) प्रकृति और मनुष्य का अटूट रिश्ता है ।

[Question ID = 249][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q129]

1. 1 [Option ID = 993]
2. 2 [Option ID = 994]
3. 3 [Option ID = 995]
4. 4 [Option ID = 996]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक समय था जब प्रकृति ने मनुष्य को अपनी मुट्ठी में बंद कर रखा था। सभ्यता के विकास के साथ ही प्रकृति मनुष्य की दासी बन गई। अब ऊँचे-ऊँचे भवनों में रहने वाले मानव ने अपने ऐशो आराम के लिए अनगिनत साधन जुटा लिए हैं। क्या जल, क्या थल, क्या अंबर ! – सभी मनुष्य के अधीन हैं। अब कोई 'ऐसा रहस्य नहीं' जिसका व्यापक ज्ञान मानव को न हो। एवरेस्ट के सर्वोच्च शिखर को भी मनुष्य के समक्ष नतमस्तक होना पड़ा है। इसका कारण है मानव का अदम्य साहस, कभी न हार मानने वाली प्रवृत्ति। यह ज़रूरी है कि सफलता पाने के लिए ध्येय तक पहुँचने की तीव्र उत्कंठा, लगन और आत्मविश्वास होना ही चाहिए पर परमावश्यक है साहस, हिम्मत। जहाँ साहस है, विवेक है, सामर्थ्य है, शक्ति है, बुद्धि है वहाँ सफलता भी बाँहें पसारे खड़ी रहती है। संसार में ऐसा कौन-सा कार्य है, जिसे साहसी पुरुष सफलतापूर्वक नहीं कर सकता है।

'अब कोई ऐसा रहस्य नहीं जिसका व्यापक ज्ञान मानव को न हो।' से तात्पर्य है

(1) मानव को रहस्य खोजने का शौक है।

(2) मानव की प्रवृत्ति खोजी होती है।

(3) मानव को प्रकृति के रहस्यों का भरपूर ज्ञान है।

(4) मानव के सम्मुख रहस्य टिक नहीं पाते हैं।

[Question ID = 250][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q130]

1. 1 [Option ID = 997]
2. 2 [Option ID = 998]
3. 3 [Option ID = 999]
4. 4 [Option ID = 1000]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक समय था जब प्रकृति ने मनुष्य को अपनी मुट्ठी में बंद कर रखा था । सभ्यता के विकास के साथ ही प्रकृति मनुष्य की दासी बन गई । अब ऊँचे-ऊँचे भवनों में रहने वाले मानव ने अपने ऐशो आराम के लिए अनगिनत साधन जुटा लिए हैं । क्या जल, क्या थल, क्या अंबर ! – सभी मनुष्य के अधीन हैं । अब कोई 'ऐसा रहस्य नहीं' जिसका व्यापक ज्ञान मानव को न हो । एवरेस्ट के सर्वोच्च शिखर को भी मनुष्य के समक्ष नतमस्तक होना पड़ा है । इसका कारण है मानव का अदम्य साहस, कभी न हार मानने वाली प्रवृत्ति । यह ज़रूरी है कि सफलता पाने के लिए ध्येय तक पहुँचने की तीव्र उत्कंठा, लगन और आत्मविश्वास होना ही चाहिए पर परमावश्यक है साहस, हिम्मत । जहाँ साहस है, विवेक है, सामर्थ्य है, शक्ति है, बुद्धि है वहाँ सफलता भी बाँहें पसारे खड़ी रहती है । संसार में ऐसा कौन-सा कार्य है, जिसे साहसी पुरुष सफलतापूर्वक नहीं कर सकता है ।

गद्यांश के आधार पर मानव की प्रवृत्ति है

(1) हार मानने वाली

(2) जुझारू

(3) अदम्य साहस

(4) खोजी

[Question ID = 251][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q131]

1. 1 [Option ID = 1001]
2. 2 [Option ID = 1002]
3. 3 [Option ID = 1003]
4. 4 [Option ID = 1004]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक समय था जब प्रकृति ने मनुष्य को अपनी मुट्ठी में बंद कर रखा था । सभ्यता के विकास के साथ ही प्रकृति मनुष्य की दासी बन गई । अब ऊँचे-ऊँचे भवनों में रहने वाले मानव ने अपने ऐशो आराम के लिए अनगिनत साधन जुटा लिए हैं । क्या जल, क्या थल, क्या अंबर ! – सभी मनुष्य के अधीन हैं । अब कोई 'ऐसा रहस्य नहीं' जिसका व्यापक ज्ञान मानव को न हो । एवरेस्ट के सर्वोच्च शिखर को भी मनुष्य के समक्ष नतमस्तक होना पड़ा है । इसका कारण है मानव का अदम्य साहस, कभी न हार मानने वाली प्रवृत्ति । यह ज़रूरी है कि सफलता पाने के लिए ध्येय तक पहुँचने की तीव्र उत्कंठा, लगन और आत्मविश्वास होना ही चाहिए पर परमावश्यक है साहस, हिम्मत । जहाँ साहस है, विवेक है, सामर्थ्य है, शक्ति है, बुद्धि है वहाँ सफलता भी बाँहें पसारे खड़ी रहती है । संसार में ऐसा कौन-सा कार्य है, जिसे साहसी पुरुष सफलतापूर्वक नहीं कर सकता है ।

कैसे व्यक्ति सभी कार्य सरलता से प्राप्त कर लेते हैं ?

(1) आलसी

(2) साहसी

(3) विलासी

(4) विश्वासी

[Question ID = 252][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q132]

1. 1 [Option ID = 1005]
2. 2 [Option ID = 1006]
3. 3 [Option ID = 1007]
4. 4 [Option ID = 1008]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक समय था जब प्रकृति ने मनुष्य को अपनी मुट्ठी में बंद कर रखा था। सभ्यता के विकास के साथ ही प्रकृति मनुष्य की दासी बन गई । अब ऊँचे-ऊँचे भवनों में रहने वाले मानव ने अपने ऐशो आराम के लिए अनगिनत साधन जुटा लिए हैं। क्या जल, क्या थल, क्या अंबर ! – सभी मनुष्य के अधीन हैं । अब कोई 'ऐसा रहस्य नहीं' जिसका व्यापक ज्ञान मानव को न हो । एवरेस्ट के सर्वोच्च शिखर को भी मनुष्य के समक्ष नतमस्तक होना पड़ा है। इसका कारण है मानव का अदम्य साहस, कभी न हार मानने वाली प्रवृत्ति। यह ज़रूरी है कि सफलता पाने के लिए ध्येय तक पहुँचने की तीव्र उत्कंठा, लगन और आत्मविश्वास होना ही चाहिए पर परमावश्यक है साहस, हिम्मत । जहाँ साहस है, विवेक है, सामर्थ्य है, शक्ति है, बुद्धि है वहाँ सफलता भी बाँहें पसारे खड़ी रहती है। संसार में ऐसा कौन-सा कार्य है, जिसे साहसी पुरुष सफलतापूर्वक नहीं कर सकता है।

सर्वोच्च का संधि-विच्छेद है

(1) सर्व + उच्च

(2) सव + उच्च

(3) सर्वो + उच्च

(4) सर्व + ओच्च

[Question ID = 253][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q133]

1. 1 [Option ID = 1009]
2. 2 [Option ID = 1010]
3. 3 [Option ID = 1011]
4. 4 [Option ID = 1012]

6) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक समय था जब प्रकृति ने मनुष्य को अपनी मुट्ठी में बंद कर रखा था । सभ्यता के विकास के साथ ही प्रकृति मनुष्य की दासी बन गई । अब ऊँचे-ऊँचे भवनों में रहने वाले मानव ने अपने ऐशो आराम के लिए अनगिनत साधन जुटा लिए हैं । क्या जल, क्या थल, क्या अंबर ! – सभी मनुष्य के अधीन हैं । अब कोई 'ऐसा रहस्य नहीं' जिसका व्यापक ज्ञान मानव को न हो । एवरेस्ट के सर्वोच्च शिखर को भी मनुष्य के समक्ष नतमस्तक होना पड़ा है । इसका कारण है मानव का अदम्य साहस, कभी न हार मानने वाली प्रवृत्ति । यह ज़रूरी है कि सफलता पाने के लिए ध्येय तक पहुँचने की तीव्र उत्कंठा, लगन और आत्मविश्वास होना ही चाहिए पर परमावश्यक है साहस, हिम्मत । जहाँ साहस है, विवेक है, सामर्थ्य है, शक्ति है, बुद्धि है वहाँ सफलता भी बाँहें पसारे खड़ी रहती है । संसार में ऐसा कौन-सा कार्य है, जिसे साहसी पुरुष सफलतापूर्वक नहीं कर सकता है ।

'अनगिनत' में उपसर्ग है

(1) अ

(2) अन

(3) अनगि

(4) नत

[Question ID = 254][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q134]

1. 1 [Option ID = 1013]
2. 2 [Option ID = 1014]
3. 3 [Option ID = 1015]
4. 4 [Option ID = 1016]

7) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक समय था जब प्रकृति ने मनुष्य को अपनी मुट्ठी में बंद कर रखा था । सभ्यता के विकास के साथ ही प्रकृति मनुष्य की दासी बन गई । अब ऊँचे-ऊँचे भवनों में रहने वाले मानव ने अपने ऐशो आराम के लिए अनगिनत साधन जुटा लिए हैं । क्या जल, क्या थल, क्या अंबर ! – सभी मनुष्य के अधीन हैं । अब कोई 'ऐसा रहस्य नहीं' जिसका व्यापक ज्ञान मानव को न हो । एवरेस्ट के सर्वोच्च शिखर को भी मनुष्य के समक्ष नतमस्तक होना पड़ा है । इसका कारण है मानव का अदम्य साहस, कभी न हार मानने वाली प्रवृत्ति । यह ज़रूरी है कि सफलता पाने के लिए ध्येय तक पहुँचने की तीव्र उत्कंठा, लगन और आत्मविश्वास होना ही चाहिए पर परमावश्यक है साहस, हिम्मत । जहाँ साहस है, विवेक है, सामर्थ्य है, शक्ति है, बुद्धि है वहाँ सफलता भी बाँहें पसारे खड़ी रहती है । संसार में ऐसा कौन-सा कार्य है, जिसे साहसी पुरुष सफलतापूर्वक नहीं कर सकता है ।

'एवरेस्ट के द्वारा मनुष्य के समक्ष नतमस्तक होने से ।' तात्पर्य है

(1) पैरों में झुक जाना

(2) दूसरों को प्रणाम करना

(3) एवरेस्ट की चढ़ाई पूर्ण करना

(4) एवरेस्ट पर पहुँचकर सभी को नमन करना

[Question ID = 255][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q135]

1. 1 [Option ID = 1017]
2. 2 [Option ID = 1018]
3. 3 [Option ID = 1019]
4. 4 [Option ID = 1020]

Topic:- HIN_Q136-150_L2_P1_CTET

1) भाषा एक व्यवस्था के रूप में, इस बारे में चिन्तन करने की योग्यता क्या कहलाएगी ?

(1) अधिभाषिक जागरूकता (मेटालिंग्विस्टिक)

(2) विमर्श विश्लेषण

(3) द्विभाषिक जागरूकता

(4) विषय-वस्तु विश्लेषण

[Question ID = 256][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q136]

1. 1 [Option ID = 1021]
2. 2 [Option ID = 1022]
3. 3 [Option ID = 1023]
4. 4 [Option ID = 1024]

2) निम्नलिखित में से ध्वनि की सबसे छोटी इकाई कौन-सी है ?

(1) स्वनिम

(2) आकृति विज्ञान

(3) वाक्य रचना

(4) अर्थ ग्राम

[Question ID = 257][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q137]

1. 1 [Option ID = 1025]
2. 2 [Option ID = 1026]
3. 3 [Option ID = 1027]
4. 4 [Option ID = 1028]

3) निर्देश सामग्री के लिए पठन किसका उदाहरण है ?

(1) वाचन-श्रवण संप्रेषण चैनल

(2) लेखन-पठन संप्रेषण चैनल

(3) मानसदर्शन-अवलोकन संप्रेषण चैनल

(4) वाचन-लेखन सम्प्रेषण चैनल

[Question ID = 258][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q138]

1. 1 [Option ID = 1029]
2. 2 [Option ID = 1030]
3. 3 [Option ID = 1031]
4. 4 [Option ID = 1032]

4) अतुल्यकालिक अधिगम (असिंक्रोनस) का उदाहरण है

(1) तुरंता संदेश

(2) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

(3) तुरंता वार्तालाप

(4) पाठ्यपुस्तक

[Question ID = 259][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q139]

1. 1 [Option ID = 1033]
2. 2 [Option ID = 1034]
3. 3 [Option ID = 1035]
4. 4 [Option ID = 1036]

5) जब अध्यापक अपनी कक्षा में बच्चों को उपयुक्त एवं प्रभावशाली संप्रेषण सिखाने के लिए नियम बताते हैं तो वे किस बात पर बल दे रहे हैं ?

(1) परिणामवादी

(2) अर्थविज्ञान

(3) स्वरविज्ञान

(4) रूपविज्ञान (आकृति मूलक)

[Question ID = 260][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q140]

1. 1 [Option ID = 1037]
2. 2 [Option ID = 1038]

3. 3 [Option ID = 1039]
4. 4 [Option ID = 1040]

6) दो माह के आस-पास बच्चे स्वर (वॉवल) समान ध्वनियाँ निकालते हैं, इसे क्या कहा जाएगा ?

(1) बबलाना

(2) कूजन

(3) रोना

(4) बातचीत

[Question ID = 261][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q141]

1. 1 [Option ID = 1041]
2. 2 [Option ID = 1042]
3. 3 [Option ID = 1043]
4. 4 [Option ID = 1044]

7) निष्पादन और दक्षता में विरोधाभास किसके द्वारा दर्शाया गया ?

(1) नॉम चॉमस्की

(2) फरदिनांद द सॉसर

(3) एडवर्ड सपिर

(4) लियोनार्ड ब्लूमफील्ड

[Question ID = 262][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q142]

1. 1 [Option ID = 1045]
2. 2 [Option ID = 1046]
3. 3 [Option ID = 1047]
4. 4 [Option ID = 1048]

8) अभिव्यक्तियात्मक भाषा कौशल विकास चैनल क्या है ?

(1) श्रवण-वाचन

(2) पठन-लेखन

(3) श्रवण-पठन

(4) वाचन-लेखन

[Question ID = 263][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q143]

1. 1 [Option ID = 1049]
2. 2 [Option ID = 1050]
3. 3 [Option ID = 1051]
4. 4 [Option ID = 1052]

9) पाठ्यसामग्री का बारीकी से पठन किस भाषा कौशल का विकास करता है ?

(1) श्रवण

(2) वाचन

(3) पठन

(4) लेखन

[Question ID = 264][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q144]

1. 1 [Option ID = 1053]

2. 2 [Option ID = 1054]
3. 3 [Option ID = 1055]
4. 4 [Option ID = 1056]

10) 'वाचन' में कौन-सा क्रम है ?

(1) विषय-वस्तु – अभिव्यक्ति

(2) अभिव्यक्ति – विषय-वस्तु

(3) अभिव्यक्ति – विचार

(4) अभिव्यक्ति – सम्प्रेषण

[Question ID = 265][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q145]

1. 1 [Option ID = 1057]
2. 2 [Option ID = 1058]
3. 3 [Option ID = 1059]
4. 4 [Option ID = 1060]

11) निम्नलिखित में से किसे संकेत खोलने वाले (डिकोडर) के रूप में माना जाएगा ?

(1) प्रेषक

(2) संकेत (सिग्नल)

(3) चैनल

(4) ग्रहणकर्ता

[Question ID = 266][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q146]

1. 1 [Option ID = 1061]
2. 2 [Option ID = 1062]
3. 3 [Option ID = 1063]
4. 4 [Option ID = 1064]

12) शब्द में अक्षर, पंक्ति में शब्द और पृष्ठ में पंक्तियाँ आपस में बहुत पास-पास नहीं होनी चाहिए । यह किस ओर संकेत करता है ?

(1) लिखावट में सादगी

(2) लिखावट में एकरूपता

(3) लिखावट में अंतरालन (फासला छोड़ना)

(4) लिखावट में सुंदरता

[Question ID = 267][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q147]

1. 1 [Option ID = 1065]
2. 2 [Option ID = 1066]
3. 3 [Option ID = 1067]
4. 4 [Option ID = 1068]

13) निम्नलिखित में से कौन-सा भारत में अंग्रेज़ी भाषा की भूमिका के बारे में सही ***नहीं*** है ?

(1) अंग्रेज़ी देश की सह कार्यालयी भाषा है

(2) अंग्रेज़ी न्यायालय की भाषा है

(3) अंग्रेज़ी आधुनिक दुनिया से परिचित करवाती है

(4) अंग्रेज़ी भारतीय भाषाओं का स्रोत है

[Question ID = 268][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q148]

1. 1 [Option ID = 1069]
2. 2 [Option ID = 1070]
3. 3 [Option ID = 1071]
4. 4 [Option ID = 1072]

14) ग्राह्यशील भाषा कौशल विकास चैनल क्या है ?

(1) श्रवण-वाचन

(2) पठन-लेखन

(3) श्रवण-पठन

(4) वाचन-लेखन

[Question ID = 269][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q149]

1. 1 [Option ID = 1073]
2. 2 [Option ID = 1074]
3. 3 [Option ID = 1075]
4. 4 [Option ID = 1076]

15) भाषा अर्जन उपकरण की अवधारणा किससे संबंधित है ?

(1) स्किनर

(2) चॉमस्की

(3) पियाज़े

(4) वाइगोत्सकी

[Question ID = 270][Question Description = CTET_P1_PART_5_LANGUAGE_2_SET_119_HINDI_Q150]

1. 1 [Option ID = 1077]
2. 2 [Option ID = 1078]
3. 3 [Option ID = 1079]
4. 4 [Option ID = 1080]